प्रकाशन का सफलतम 18 वां वर्ष

आवाज आज की, नज़र कल पर

पूर्वांचल सूर्य

रांची > दिल्ली > देवघर से प्रकाशित

RNI No.- JHAHIN/2007/24306

वर्ष - 18 | अंक 44 | दैनिक | रांची | गुरुवार 26 सितंबर 2024 | पृष्ठ - 12 | मूल्य : ₹ 4.00

सुविचार

जिस समय हम किसी का अपमान करते है, उसी समय हम अपना सम्मान भी खो देते है।

10

रेल दुर्घटना होने पर अब तुरंत मिलेगी सहायता

- रेलवे ने बनाया रेल रक्षक दल,टीम जल्द होगी ऐक्टिव

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय रेलवे ने रेल दुर्घटनाओं में त्वरित राहत एवं बचाव कार्रवाई के लिए रेल रक्षक दल का गठन किया है जो दुर्घटना राहत ट्रेन से पहले सड़क मार्ग से घटनास्थल पर पहुंच कर काम करने में सक्षम है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव की पहल पर उत्तर पश्चिम रेलवे द्वारा पायलट प्रोजेक्ट के रूप में बनी इस टीम को राष्ट्रीय आपदा राहत बल ने प्रशिक्षित किया है और ज़ोन के चारों मंडलों में चार स्थानों – बांदीकुई, लालगढ़, उदयपुर एवं मेड़ता रोड पर तैनात किया है। रेल मंत्री वैष्णव ने जयपुर

के गांधीनगर स्टेशन पर पुनर्विकास के काम का निरीक्षण करने के साथ ही रेल रक्षक दल की दो टीमों को भी देखा। सूत्रों के अनुसार रेल मंत्री ने नवंबर, 2023 में एक बैठक में दुर्घटनाग्रस्त गाड़ी से यात्रियों की तेजी से निकासी के मुद्दे पर काम करने की जरूरत व्यक्त की थी जिसके बाद रेलवे बोर्ड द्वारा उत्तर पश्चिम रेलवे, पूर्वी तटीय रेलवे, भारतीय रेलवे आपदा प्रबंधन संस्थान (आईआरआईडीएम) बेंगलुरु, इंटीग्रल कोच फैक्ट्री (आईसीएफ) और रेल कोच फैक्ट्री (आरसीएफ) की एक समिति गठित की गई थी। समिति की सिफारिशों के अनुरूप रेल सुरक्षा बल (आरपीएफ) और कैरिएज एंड वैगन विभाग के इंजीनियरों की टीम बना कर एनडीआरएफ द्वारा एक माह का प्रशिक्षण दिलाया गया। रेलवे बोर्ड ने आपदा प्रबंधन को बढ़ाने के मद में 3.4 करोड़ की लागत का काम स्वीकृति दी थी।

भारत के चीन से रिश्ते एशिया ही नहीं विश्व के लिए हैं अहम

सीमा पर तनाव के बीच ड्रैगन के साथ रिश्तों पर बोले जयशंकर

नई दिल्ली (एजेंसी)। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा है कि भारत-चीन संबंध एशिया के भविष्य के लिए अहम है और इसका असर न केवल इस महाद्वीप बल्कि पूरी दुनिया पर पड़ेगा। उन्होंने यह भी कहा कि दोनों देशों का समानांतर विकास आज की वैश्विक राजनीति में बहुत अनोखी समस्या पेश करता है। जयशंकर ने मंगलवार को यहां एशिया सोसायटी और एशिया सोसायटी पॉलिसी इंस्टीट्यूट द्वारा आयोजित 'भारत, एशिया और विश्व' विषयक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, ''मुझे लगता है कि भारत-चीन संबंध एशिया के भविष्य के लिए अहम है। एक तरह से आप कह सकते हैं कि अगर दुनिया को बहु-ध्रुवीय बनाना है, तो एशिया को बहु-ध्रुवीय होना होगा। और इसलिए यह रिश्ता न केवल एशिया के भविष्य पर, बल्कि संभवतः दुनिया के भविष्य पर भी असर डालेगा।'' विदेश मंत्री ने कहा कि अभी दोनों देशों के बीच रिश्ते बहुत तनावपूर्ण हैं। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय और न्यूयॉर्क में

मंगलवार को अपने वैश्विक समकक्षों के साथ कई द्विपक्षीय बैठकें कीं। वह शनिवार को संयुक्त राष्ट्र महासभा के 79वें सत्र की आम बहस में हिस्सा लेंगे। एशिया सोसायटी के कार्यक्रम में चीन पर एक सवाल के जवाब में जयशंकर ने कहा कि भारत का 1962 में युद्ध समेत चीन के साथ कठोर इतिहास है। उन्होंने कहा, ''आपके पास दो ऐसे देश हैं जो आपस में पड़ोसी हैं,अनोखे भी हैं जिनकी आबादी एक अरब से अधिक है।

पेजर हमले का बदला

- हिजबुल्लाह ने अब मोसाद हेडक्वार्टर को बनाया निशाना

तेलअवीव (एजेंसी)। लेबनान और इजरायल के जंग में अब संकट गहराता जा रहा है। इजरायल के एक के बाद एक हमलों में लेबनान में 500 से ज्यादा मौतों के बाद हिजबुल्लाह तिलमिला गया है और किसी भी हालत में पीछे हटने को तैयार नहीं है। इस बीच हिजबुल्लाह ने बुधवार को कहा है कि उसने तेल अवीव के पास इजरायली जासूसी एजेंसी मोसाद के मुख्यालय को निशाना बनाकर बैलिस्टिक मिसाइल दागी है। समूह ने कहा है कि हाल ही में हुए हमलों की योजना मोसाद हेडक्वार्टर में ही बनाई गई थी। यह पहली बार है जब हिजबुल्लाह ने लगभग एक साल से चल रही जंग के बाद से बैलिस्टिक मिसाइल हमले का दावा किया है। वहीं इजरायली सेना ने कहा है कि हिजबुल्लाह की ओर से दागी गई मिसाइल पहली बार आयरन डोम के रोके जाने से पहले राजधानी तेल अवीव में पहुंची।

जब हाईकमान ही भ्रष्टाचारी तो नीचे वालों को मिलता है खुला लाइसेंस

हरियाणा में कांग्रेस पर बरसे पीएम मोदी,कहा-प्रदेश को बर्बाद कर देगी कांग्रेस

नई दिल्ली (एजेंसी)। हरियाणा चुनाव को लेकर सभी पार्टियों का प्रचार जोरों पर चल रहा है, पिछले कुछ दिन पहलों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जनसभाएं भी शुरू हो गई हैं। इसी कड़ी में पीएम मोदी ने हरियाणा के

सोहाना में एक रैली को संबोधित किया। उनके भाषण के केंद्र में हरियाणा का विकास, बीजेपी का बढ़ता जनसमर्थन और कांग्रेस का परिवारवाद रहा। उनकी तरफ से जम्मू-कश्मीर में हो रही वोटिंग पर भी बड़ा बयान दिया गया। पीएम मोदी ने संबोधन के दौरान जनता के सामने इस बात को स्वीकार किया कि हरियाणा का उनके सियासी जीवन में एक बड़ा योगदान रहा। वे जो भी कुछ आज बन पाए हैं, उसमें हरियाणा का एक बड़ा योगदान रहा। पीएम मोदी ने इस बात पर भी जोर दिया कि हर बीतते दिन के साथ बीजेपी के लिए इस चुनाव में समर्थन बढ़ता जा रहा है, वे मानकर चल रहे हैं कि तीसरी बार भी राज्य में बीजेपी की सरकार बनने वाली है।

पीएम मोदी ने कहा कि भाजपा सरकार में हरियाणा आज खेती और उद्योग दोनों मामलों में देश के टॉप राज्यों में अपनी जगह बना रहा है। जब औद्योगीकरण बढ़ता है तो इसका सबसे अधिक फायदा गरीब, किसान और दलित को होता है। पीएम ने इस बात पर भी जोर दिया कि जैसे-जैसे वोटिंग का दिन पास आ रहा है, वैसे-वैसे कांग्रेस पस्त पड़ती जा रही है। हरियाणा में भाजपा के लिए समर्थन बढ़ता जा रहा हैज मैं गर्व से कहता हूं मैं जो कुछ हूं उसमें हरियाणा का भी बहुत बड़ा योगदान है। आज पूरा हरियाणा कह रहा है फिर एक बार भाजपा सरकार।

कांग्रेस के एक और सीएम पर लटकी अदालती तलवार

- नोट फॉर वोट केस में कोर्ट ने किया तलब, निशाने पर रेवंत रेड्डी

हैदराबाद (एजेंसी)। हैदराबाद की एक अदालत ने तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी को 2015 के वोट के बदले नकदी मामले में 16 अक्टूबर को अदालत में पेश होने का मंगलवार को निर्देश दिया। इस मामले में वह आरोपियों में से एक हैं। मेट्रोपोलिटन सत्र न्यायाधीश की अदालत ने रेड्डी और पांच अन्य आरोपियों को कथित वोट के बदले नकदी घोटाले में प्रवर्तन निदेशालय की धनशोधन जांच के संबंध में मामले में आरोपों पर विचार के लिए 16 अक्टूबर को होने वाली सुनवाई के दौरान पेश होने का निर्देश दिया। मामले का चौथा आरोपी मंगलवार को अदालत में पेश हुआ था, जबकि मुख्यमंत्री रेड्डी सहित अन्य आरोपी अनुपस्थित थे।

अडानी की आसमान पर नजर

एविएशन और डिफेंस सेक्टर में कदम बढ़ाने की है तैयारी

- कनाडा की कंपनी बॉम्बार्डियर से हाथ मिला सकता है अडानी ग्रुप

नई दिल्ली (एजेंसी)। जल और जमीन पर अपने बिजनस का विस्तार करने के बाद अडानी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी की नजर अब आसमान पर है। वह एविएशन और डिफेंस सेक्टर में कदम बढ़ाने की तैयारी कर रहे हैं। इसके लिए वह कनाडा की कंपनी बॉम्बार्डियर से हाथ मिला सकते हैं। बॉम्बार्डियर एयरक्राफ्ट और ट्रेन बनाती है। अडानी ने बॉम्बार्डियर के सीईओ एरिक मार्टेल के साथ एक मीटिंग की है। इस मीटिंग में दोनों के बीच भारत की विमानन क्षमताओं को बढ़ाने के उद्देश्य से संभावित साझेदारी पर चर्चा हुई। इस बारे में अडानी ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट की है। अडानी की सोशल मीडिया पोस्ट के अनुसार दोनों की बातचीत एयरक्राफ्ट सर्विस, मेंटेनेंस, रिपेयर, ओवरहॉल (एमआरओ) और डिफेंस के इर्द-गिर्द घूमती रही। अपनी पोस्ट में अडानी ने लिखा, भारत की एविएशन ग्रोथ को मजबूती देने के लिए विमान सेवाओं का विस्तार किया जाएगा।

भारत के किसी भी हिस्से को पाकिस्तान कहना गलत है

- सीजेआई ने कर्नाटक हाईकोर्ट के जज की टिप्पणी पर जताई आपत्ति

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश की सर्वोच्च अदालत यानी सुप्रीम कोर्ट ने आज कर्नाटक हाई कोर्ट के जज के एक बयान पर आपत्ति जताई है। कोर्ट ने कहा कि आज के डिजिटल युग में कोर्ट की कार्यवाही की लाइव स्ट्रीमिंग होती है, इसलिए जजों को बोलते हुए सावधान रहना चाहिए। कर्नाटक हाई कोर्ट के जज ने बेंगलुरु के एक इलाके को पाकिस्तान बता दिया था, जिसे सुप्रीम कोर्ट ने आपत्तिजनक बताते हुए कहा कि यह बयान देश की संप्रभुता के खिलाफ है। बता दें कि कर्नाटक हाई कोर्ट के जज ने एक केस की सुनवाई के दौरान बेंगलुरु के मुस्लिम बहुल 'गोरी पाल्या' नाम के इलाके को 'पाकिस्तान' कह दिया था। हालांकि इसको लेकर उन्होंने बाद में माफी भी मांगी थी लेकिन आज चीफ जस्टिस डी वाई चंद्रचूड़ ने इसको लेकर हाई कोर्ट के जज पर तल्ख टिप्पणी की और कहा कि यह ऐसी टिप्पणी भारत की संप्रभुता के खिलाफ है और कोई भारत के किसी भी हिस्से को पाकिस्तान नहीं कह सकता है। दरअसल, इस मामले की सुनवाई सुप्रीम कोर्ट की 5 जजों की बेंच कर रही थी, जिसमें सीजेआई चंद्रचूड़ भी शामिल थे। इसके अलावा बेंच में जस्टिव संजीव खन्ना, जस्टिस भूषण आर गवई, जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस ऋषिकेश रॉय शामिल थे। हालांकि हाई कोर्ट के जज द्वारा माफी मांगने का संज्ञान लेते हुए सुप्रीम कोर्ट ने सराहना भी की और कहा कि यह ही न्याय हित में था। देश के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा, कोई भी भारत के किसी भी हिस्से को 'पाकिस्तान' नहीं कह सकता। यह देश की क्षेत्रीय अखंडता के खिलाफ है।

केजरीवाल कुछ भी हो सकता है, चोर नहीं हो सकता

हरियाणा में मोदी सरकार पर जमकर बरसे एएपी संयोजक

नई दिल्ली (एजेंसी)। हरियाणा विधानसभा चुनाव के लिए आम आदमी पार्टी का प्रचार अभियान जारी है। जेल से बाहर आने के बाद आप संयोजक अरविंद केजरीवाल अलग-अलग विधानसभाओं के दौरे पर हैं, वह लगातार रैलियां और जनसभाएं कर रहे हैं। आज पूर्व सीएम केजरीवाल मेहम विधानसभा पहुंचे, जहां उन्होंने बीजेपी सरकार पर जमकर निशाना साधा और कहा,मैंने इस्तीफा दे दिया और अब दिल्ली के लोग तय करेंगे कि मैं ईमानदार हूं या नहीं। आम आदमी पार्टी हरियाणा की सभी 90 विधानसभाओं से चुनाव लड़ रही है। महम विधानभा सीट से कांग्रेस बलराम ढांगी को मैदान में उतारा है, उनके सामने बीजेपी ने दीपक हुड्डा को प्रत्याशी बनाया है। आम आदमी पार्टी ने विकास नेहरा को उम्मीदवार बनाया है। महम विधानसभा में विकास नेहरा के लिए प्रचार करते हुए अरविंद केजरीवाल ने कहा,मैं आपको 5 गारंटी देता हूं। पहली, हम बिजली मुफ्त करेंगे। पेंडिंग पड़े बिजली बिल माफ किए जाएंगे। दूसरी हम अस्पताल और मोहल्ला क्लीनिक बनाएंगे और मुफ्त चिकित्सा सेवाएं देंगे। तीसरी, हम आपके बच्चों के लिए बेहतरीन सरकारी स्कूल बनाएंगे। चौथी, 18 वर्ष से अधिक उम्र की सभी महिलाओं को हर महीने 1000 रुपये दिए जाएंगे। पांचवीं, हम युवाओं को रोजगार देंगे।

संजय कुमार धीरज की एक्सक्लुसिव रिपोर्ट

भगवान भरोसे जिंदा हैं बाढ़ग्रस्त इलाकों के लोग

- प्रशासन ने तो सभी को मौत के मुंह में डाल ही दिया है
- अपने को जिंदा रखने के लिए सिर्फ ले रहे सांसें

साहिबगंज। जिले में गंगा के बढ़ते जलस्तर से कई दियारा क्षेत्रों में बाढ़ का पानी प्रवेश कर गया है। प्रभावित परिवारों को प्रशासन से मदद नहीं मिल रही है। मवेशियों के चारे की कमी और बिजली कटौती जैसी समस्याओं से लोग जूझ रहे हैं। बता दें कि जिले में गंगा नदी का जलस्तर बढ़ने से भयानक बाढ़ आ गई है, जिससे कई इलाके जलमग्न हो गए हैं और लोग परेशान हैं। बाढ़ के कारण कई घर नदी में बह गए हैं, तो वहीं कई मवेशियों की मौत हो गई है और लोग भोजन, पानी, दवाई और बिजली जैसी बुनियादी सुविधाओं के लिए संघर्ष कर रहे हैं। प्रभावित लोग लगभग एक महीने से बाढ़ का सामना कर रहे हैं और उन्हें प्रशासन या जनप्रतिनिधियों से कोई मदद नहीं मिली है, जिससे उनकी परेशानी और बढ़ गई है। कहा जा सकता है कि अब बाढ़ प्रभावित लोग सिर्फ अपने को जिंदा रखने के लिए सांसे ले रहे हैं।

ज्ञात हो कि जिला के राजमहल, उधवा और सदर प्रखंड इलाकों में गंगा नदी

का जलस्तर कई दिनों से लगातार बढ़ रहा है, जिससे जिले के कई निचले इलाकों में बाढ़ का पानी घुस गया है। नदी का तेज बहाव और कटाव इतना भीषण है कि हजारों परिवारों के घर नदी में समा गए हैं। इतना ही नहीं, दर्जनों बेजुबान मवेशी भी पानी की तेज धारा में बह गए। हालात की गंभीरता के बावजूद, बाढ़ प्रभावित इलाकों के लोगों को प्रशासन से कोई मदद नहीं मिल रही है, जिससे बाढ़ग्रस्त लोगों की चिंता और बढ़ गई है। सहज और सरलता से अनुमान लगाया जा सकता है कि इस समय बाढ़ प्रभावित लोगों पर क्या गुजर रही होगी? लेकिन प्रशासन का दावा है कि बाढ़ग्रस्त इलाकों का दौरा किया जा रहा है।

बाढ़ प्रभावित लोगों ने बताया कि उनकी सबसे बड़ी परेशानी मवेशियों के लिए चारा का इंतजाम न हो पाना है। उनके पास मवेशियों को खिलाने के लिए चारा नहीं बचा है और प्रशासन की ओर से भी अब तक उन्हें चारा मुहैया नहीं कराया गया है। इससे उनके मवेशियों की जान पर खतरा मंडरा रहा है। प्रभावित लोगों ने अपनी व्यथा सुनाते हुए कहा कि हमलोग एक महीने से भी ज्यादा समय से बाढ़ से जूझ रहे हैं, लेकिन कोई हमारी सुध लेने वाला नहीं है। न तो प्रशासन ने और न ही जनप्रतिनिधियों ने ही हमारी सुध ली है। उन्होंने आगे बताया कि राहत के नाम पर प्रशासन ने 15 दिन पहले थोड़ा बहुत चूड़ा और गुड़ दिया था, लेकिन उसके बाद से कोई भी अधिकारी या कर्मचारी उनसे मिलने नहीं आया है। गांवों में कई दिनों से बिजली गायब है, केरोसिन तेल नहीं मिल रहा है, पीने का स्वच्छ जल नहीं मिल पा रहा है। मरीजों को दवाई नहीं मिल पा रही है। लोगों को रात के अंधेरे में रहने पर मजबूर होना पड़ रहा है। बिजली न होने से उन्हें और उनके मवेशियों को भी बराबर खतरा बना रहता है। ग्रामीणों ने बताया कि रात के अंधेरे में उनके कुछ मवेशियों को सांप ने काट लिया, जिससे उनकी मौत हो गई। सवाल उठता है कि मजबूर नागरिकों को जरूरत की मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध क्यों नहीं करा पा रहा है जिला प्रशासन? बाढ़ प्रभावित लोगों ने बताया कि उन्हें मवेशियों के लिए चारा तो दूर, पीने का साफ पानी और दवा जैसी बुनियादी सुविधाएं भी नहीं मिल पा रही हैं। लगातार पानी में रहने से उनके पैरों में संक्रमण हो गया है। उन्हें रहने के लिए तिरपाल और अन्य राहत सामग्री भी अब तक नहीं दी गई है। प्रशासन बचाव कार्य का लाख दावा कर रहा है, परंतु हकीकत यह है कि बाढ़ग्रस्त इलाकों के लोग सिर्फ भगवान के भरोसे ही जिंदा हैं, वरना प्रशासन ने तो सबको मरने के लिए छोड़ ही दिया है।

अभाविप ने छात्र गर्जना कार्यक्रम के साथ झारखंड सरकार का किया पुतला दहन

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि

धनबाद। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद झारखंड द्वारा वर्तमान झारखंड सरकार के विफलता के लेकर बीते पंद्रह सितंबर को प्रांत स्तरीय छात्र गर्जना का आयोजन रांची में किया था। साथ ही इस कार्यक्रम को झारखंड राज्य के सभी जिलों में छात्र गर्जना के साथ बदहाल झारखंड का काला दस्तावेज समाज के समक्ष रखने का कार्यक्रम का आह्वान किया था। इसी संदर्भ में बुधवार को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद धनबाद जिला द्वारा स्थानीय शहिद रणधीर प्रसाद वर्मा चौक पर छात्र गर्जना कार्यक्रम के साथ झारखंड सरकार का पुतला दहन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम धनबाद जिला संयोजक अंशु तिवारी नेतृत्व में किया गया। उन्होंने वर्तमान झारखंड के परिदृश्य पर अपना विचार रखते हुए कहा कि 2019 के विधानसभा चुनाव में विद्यार्थियों को शिक्षा, युवाओं को रोजगार और महिलाओं को सुरक्षा एवं समान अधिकार के वादे पर राज्य की जनता ने हेमंत सोरेन को अवसर प्रदान किया। सरकार को चुनते समय 19 वर्ष का युवा झारखंड आज 24 वर्ष पूरे करने के कगार पर खड़ा है लेकिन अपना वयस्क राज्य झारखंड आज भी गरीबी और कमजोर प्रशासन की मार झेल रहा है। देश के 40 प्रतिशत खनिज संपदा से परिपूर्ण इस राज्य में आज भी लगभग 40 प्रतिशत लोग गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन कर रहे हैं। वहीं लगभग 20 प्रतिशत शिशु और बच्चे कुपोषण के शिकार हैं। तिलका मांझी और सिदो कान्हू के रक्त से सींचा गया। राज्य झारखंड आज भी अपनी तंगहाली पर रो रहा है। आज भी यहां के मूल निवासी अनाज के लिए तरसते हुए जान दे रहे हैं। राज्य सरकार के मंत्री एवं कई अधिकारियों ने झारखंड को लूट खंड बना कर रख दिया है। सरकार के मुखिया स्वयं सेना की जमीन घोटाले के आरोप में जेल जा चुके हैं और अभी जमानत पर बाहर हैं। मुख्यमंत्री और मंत्रियों एवं सत्ताधारी राजनीतिक दलों के अधिकारियों ने भी राज्य को लूटने में कोई अवसर नहीं छोड़ा। इनके द्वारा खुलेआम जल, जंगल एवं जमीन को मिटाने का प्रयास किया गया। फूलो-झानो के रक्त से सिंचित संथाल की महिलाएं आज स्वयं को असुरक्षित महसूस कर रही हैं। बिलखती महिलाएं-तड़पता झारखंड, सरकार के पूरे कार्यकाल पर एक प्रश्न चिन्ह

लगाता है? राज्य में लवजिहाद और लैंड जिहाद झारखंड के आदिवासी समाज और उनकी बेटियों के अस्तित्व को समाप्त करने की तैयारी में है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार आदिवासी समाज की जनसंख्या में 10 प्रतिशत की गिरावट हुई, इस बात का साक्ष्य है कि संथाल में बांग्लादेशी घुसपैठ और धर्मांतरण अपने चरम पर है।5 लाख युवाओं को रोजगार देने का वादा हो अथवा झारखंड की बेटियों को प्राथमिक विद्यालय से पीएचडी तक की मुफ्त शिक्षा का वादा,राज्य की महिलाओं को चूल्हा भत्ता देने का वादा हो अथवा राज्य के जनमानस को उत्तम स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध करवाने का वादा, सरकार अपने हर वादे को पूरा करने में पूरी तरह से नाकाम रही है। राज्य के युवा, महिला, मजदूर, किसान और आम जनता ने यह महसूस किया है कि लोक लुभावन वादों के साथ सत्ता में आई झारखंड सरकार एक बार पुनः मुफ्त की योजनाएं लाकर राज्य की जनता को दिग्भ्रमित करने का प्रयास कर रही है।अपने पूरे कार्यकाल में झारखंड मुक्ति मोर्चा, कांग्रेस एवं राजद गठबंधन की यह सरकार युवा,किसान,मजदूर, आदिवासी एवं महिला विरोधी तो रही ही हैं, साथ ही शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार एवं महिला सुरक्षा जैसे प्रमुख विषयों पर पूरी तरह से विफल रही है।वहीं मौके पर विश्वविद्यालय संयोजक नीरज निखिल ने मीडिया से बात करते हुए बताया कि शिक्षा व्यवस्था किसी भी राज्य की रीढ़ की हड्डी होती है।उच्च शिक्षा में सामान्य विश्वविद्यालय, महाविद्यालय,इंजीनियरिंग कॉलेज,मेडिकल कॉलेज,एग्रीकल्चर कॉलेज आदि शामिल है इसका सशक्त होना राज्य के तरक्की के लिए महत्वपूर्ण होती है विगत 5 वर्षों में शिक्षा वेंटिलेटर पर आ चुकी है। यहां ना तो विश्वविद्यालय में नियमित कुलपति है ना तो कॉलेज में नियमित प्रधानाचार्य। शिक्षक की कमी का असर गुणवत्तापूर्ण पढ़ाई पर हो रही है। जिसके कारण झारखंड राज्य के विद्यार्थी बाकी राज्य की तुलना में रोजगार और जीवन मूल्यों के मापदंड में पिछड़ते जा रहे हैं।आखिर इस सब का जवाबदेह कौन है।आगे कहा कि पिछले 5 वर्षों में शिक्षा, सुरक्षा, रोजगार, समाज कल्याण और अन्य सरकारी व्यवस्था की तरह ही राज्य की स्वास्थ्य सुविधाओं और स्थिति में कोई बड़ी परिवर्तन देखने को नहीं मिल रहा है राज्य की सरकारी स्वास्थ्य व्यवस्था की स्थिति अत्यंत ही दयनीय और चिंताजनक है राष्ट्र स्तर पर आज भी समाज के गरीब और शोषित वर्गों तक स्वास्थ्य सेवाएं की पहुंच के मामले में झारखंड काफी पीछे हैं राज्य की स्वास्थ्य व्यवस्था सड़क पर छितराये हुए किसी दुर्घटनाग्रस्त व्यक्ति सा है,जो सीख-चीखकर बेरहमी रोंदनी वाली सरकार से अपनी जान बचाने हेतु गुहार लगा रही है लेकिन स्वार्थ के नशे में चूर हाईवे पर बेहतरीन भागने वाली है हेमंत सरकार और उसके भ्रष्ट तंत्र को तनिक भी फर्क नहीं पड़ता कि कौन गरीब, आदिवासी और बेसहारा उनकी भ्रष्टता के रफ्तार में कुचलते जा रहे हैं। किनका अधिकार मारा जा रहा है किन-किन का विश्वास इनके ऊपर से उठता जा रहा है और कौन-कौन इन्हें कोस रहे हैं दो पंक्तियों में राज्य में स्वास्थ्य व्यवस्था की अगर बात करें तो इतना ही कह सकते हैं कि ना डॉक्टर ना दवाई हेमंत सरकार बस हवा हवाई।बांग्लादेशी घुसपैठ झारखंड के संथाल प्रगण प्रमंडल के रास्ते बांग्लादेश घुसपैठी लगभग एक दशक से होता आ रहा है। अब यह समस्या जटिल रूप ले चुकी है। इसमें झारखंड में आदिवासी और आदिम जनजातीय का अस्तित्व खतरे में है झारखंड सरकार इनके सांस्कृतिक धरोहर को बचाने की पूरी तरह से भी विफल रही है। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि क्या वाकई झारखंड में बांग्लादेशी घुसपैठ महज एक सहयोग है या एक गहरी साजिश। बिना राज्य सरकार के संरक्षण के ऐसा कैसे संभव है? झारखंड के संथाल परगना के पाकुड़, साहिबगंज, जामताड़ा, राजमहल, गोड्डा और दुमका में बड़ी संख्या में अवैध रूप से बांग्लादेशी घुसपैठ का अलग-अलग माध्यम से आने की सूचना मिलती रहती है।बदलाव आंकड़े की अगर हम बात करें तो साल 2001 में जनगणना में दुमका की जनसंख्या 11 लाख 7 हजार के करीब थी वर्ष 2011 में दुमका की जनसंख्या बढ़कर लगभग 14 लाख हो गई आंकड़े बताते हैं कि संथाल के सभी 6 जिले में 12 लाख से ज्यादा नई आबादी बस गई है। यहां आंकड़े एक बड़ी साजिश की तरफ इशारा करते हैं। क्योंकि बिना बांग्लादेशी घुसपैठ के प्रवेश में आबादी कितनी तेजी से बढ़ाना नामुमकिन है।अतः झारखंड राज्य में व्याप्त अराजकता एवं विभिन्न शैक्षणिक, सामाजिक, रोजगार,स्वास्थ्य, महिला सुरक्षा के विषय पर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद द्वारा जारी काला दस्तावेज झारखंड सरकार के निरंकुशता का परिणाम है। मौके पर मुख्य रूप से अंशु तिवारी, नीरज निखिल, धनबाद विस्तार हरगोविंद, धनबाद जिला सदस्यता प्रभारी अखिल सिन्हा, गायत्री कुमारी, निशा कुमारी, विक्की ठाकुर, रिकी श्रीवास्तव, शेखर सिंह, विशाल ब्राह्मण शुभम हजारी, विनेश, अमन गुप्ता, परशुराम रेड्डी, प्रशांत मंडल,यस,अभय जायसवाल, सचिन, रोहित, सौरभ, ओम, अभिषेक, बजरंगी तिवारी, सुधांशु, दीपू, राकेश मौजूद थे।

आरसेटी में एक पेड़ माँ के नाम कार्यक्रम का किया गया आयोजन

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि,जामा। इंडियन बैंक ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान जामा के परिसर में स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम के तहत् एक पेड़ माँ के नाम कार्यक्रम का आयोजन बुधवार को किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता अग्रणी जिला प्रबंधक चंद्रशेखर पटेल के नेतृत्व में किया गया। इस दौरान अग्रणी प्रबंधक पटेल ने बताया कि स्वच्छता ही सेवा 2024 के तहत यह कार्यक्रम 17 सितम्बर से 02 अक्टूबर तक जिले के विभिन्न शाखाओं में आयोजित किया जाना है। इस वर्ष का थीम है स्वभाव स्वच्छता संस्कार स्वच्छता । जिसके तहत आरसेटी जामा के प्रांगण का सफाई किया गया। इस दौरान लोगों को संबोधित करते हुए पटेल ने कहा कि आपलोग अपने घर के आसपास सफाई का विशेष ख्याल रखें। साथ ही पॉलीथिन के प्रयोग से परहेज करें। पॉलीथिन वातावरण के लिए नुकसान दायक है। गांव को साफ रखने में अपना योगदान दें और औरों को भी सफाई के प्रति जागरूक करें। साथ ही आरसेटी परिसर में विभिन्न प्रकार के पौधों को लगाया गया। इस मौके पर आरसेटी के संकाय सदस्य उत्पल कुमार लाहा, अमरदीप कुमार, कार्यालय सहायक अभिषेक कुमार, एफएलसी सुधीर कुमार एवं संजय सोरेन उपस्थित थे।

एशियन हॉस्पिटल ने धनबाद प्रेस क्लब के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को किया सम्मानित

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि,धनबाद। धनबाद प्रेस क्लब 2024-27 के नवनिर्वाचित कमिटी के पदाधिकारियों के सम्मान में एशियन हॉस्पिटल के तरफ से सम्मान समारोह का आयोजन हॉस्पिटल के परिसर में किया गया। जिसमें एशियन हॉस्पिटल के डॉ. सी.राजन, डॉ. ए.एम.रॉय समेत अन्य डॉक्टरों ने नवनिर्वाचित कमिटी को मोमेंटो व पौधा देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर हॉस्पिटल के डॉ. सी.राजन ने कहा डॉक्टर और पत्रकार की भूमिका समाज में सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण है दोनों का प्रोफेशन समाज के लिए समर्पित है। उपस्थित एशियन हॉस्पिटल के चिकित्सकों और पत्रकारों ने एक साथ मिलकर लोगों के स्वास्थ संबंधित जन कल्याण कार्यो के लिए मजबूत सामंजस्य से स्थापित करने के लिए अपने-अपने वक्तव्य दिए। एशियन हॉस्पिटल के सभी चिकिसकों ने धनबाद प्रेस क्लब के अध्यक्ष, महासचिव, वरीय उपाध्यक्ष, कोषाध्यक्ष, सभी पांच उपाध्यक्ष, सभी पांच सचिव एवं सभी सात कार्यकारिणी सदस्य को पत्रकारिता की हितों, पत्रकारों के अधिकारों सुविधाओं के लिए कार्य करने के गरिमामय पदों पर विजयी होने की एशियन हॉस्पिटल की और से हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी। सम्मान समारोह के आयोजन में मोहम्मद ताजुद्दीन, मोहम्मद मुस्तकीम, निवेदिता मुखर्जी का विशेष योगदान रहा।

भाजपा राममढ़ केन्द्र मंडल के वार्ड संख्या-5 और 6 के द्वारा पं. दीनदयाल उपाध्याय की मनाई गई जयंती

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि,राममढ़। भारतीय जनता पार्टी रामगढ़ केंद्र मंडल के वार्ड संख्या- 5 और 6 के संयुक्त तत्वावधान में जनसंघ के संस्थापक पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती बिजुलिया स्थित जिले के वरिष्ठ उपाध्यक्ष रंजन सिंह फौजी के आवासीय कार्यालय परिसर में मनाया गया। इह कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि वरिष्ठ भाजपा नेता रंजीत कुमार सिन्हा ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय को भारतीय राजनीति का अजातशत्रु कहा। उन्हें याद करते हुए उन्होंने कहा कि हमारे पितृ पुरुष, हमारे पूर्वज जो हमारे पुरखे हैं उन्हें हम नमन करते हैं। जिनकी आदर्शों पर आज भी हम लोग चल रहे हैं। पं. उपाध्याय का एकात्म मानववाद और अंत्योदय से ही विकसित भारत का सपना साकार हो रहा है। आज हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जो जनकल्याणकारी योजनाएँ चला रहे हैं वो सभी पं. दीनदयाल उपाध्याय का एकात्म मानववाद है। आज हम संकल्प लेते हैं कि जो लक्ष्य उन्होंने रखा है अन्तिम पायदान पर बैठा हुआ हर व्यक्ति तक विकास की किरणें पहुँचानी है। आज भी जहाँ शिक्षा, चिकित्सा, सड़क, पानी, बिजली नहीं पहुँची है वहां हमें पहुँचानी है तभी हमारा अंत्योदय का सपना साकार होगा। उसी सपनों को साकार करने के लिए भारतीय जनसंघ और भारतीय जनता पार्टी के कई पीढ़ियां गुजर गए। आज भी भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता् समर्पित भाव से देश सेवा में लगे हैं। कार्यक्रम का संचालन और धन्यवाद ज्ञापन रंजन सिंह फौजी ने की । मौके पर राजीव पामदत्त, संतोष कुमार साह, अजीत कुमार गुप्ता, सुरजीत सिंह छाबड़ा, अरविन्द सिंह, अभिषेक चौधरी, नीरज प्रताप सिंह, ध्रुव सिंह, सुरेन्द्र कुमार शर्मा सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित होकर पंडित दीनदयाल उपाध्याय के तस्वीर पर माल्यार्पण कर एवं पुष्प अर्पित कर नमन किए।

एसकेएमयू में शुरू हुआ दो दिवसीय रास्ट्रीय सेमीनार, हिंदी के प्रसार में झारखंड के साहित्यकारों का योगदान विषय पर आयोजित किया जा रहा है यह सेमीनार

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि

दुमका। सिदो-कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय दुमका में बुधवार से स्नातकोत्तर हिंदी विभाग एवं केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा (भारत सरकार) के संयुक्त तत्वावधान में दो दिवसीय राष्टीय संगोष्ठी शुरू हुई। उक्त राष्टीय संगोष्ठी हिंदी के प्रसार में झारखंड के साहित्यकारों का योगदान विषय पर आयोजित की गई। लगातार हो रही बारिश के कारण उद्घाटन सत्र थोड़ा विलंब से करीब 11 बजे शुरू हुआ। सभी मुख्य अतिथि के कार्यक्रम स्थल पर पहुँचते ही स्नातकोत्तर हिंदी विभाग के विद्यार्थियों ने उन सभी का स्वागत पारंपरिक लोटा-पानी से किया। उसके बाद विवि के कुलगीत एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ कार्यक्रम की औपचारिक शुरुआत हुई। तत्पश्चात मुख्य अतिथियों को पौधा, स्मृति चिह्न एवं शॉल देकर स्वागत किया गया। इस सत्र की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बिमल प्रसाद सिंह ने की एवं मुख्य वक्ता के रूप में झारखंड के जाने-माने साहित्यकार महादेव टोप्पो और दिल्ली विश्वविद्यालय के एसोसिएट

प्रोफेसर डॉ. अमरनाथ झा उपस्थित थे। मंच पर उपस्थित अन्य वक्ताओं में क्षेत्रीय शिक्षा के संयुक्त निदेशक डॉ.गोपाल कृष्ण झा, छात्र कल्याण के डीन डॉ.जैनेंद्र यादव, मानविकी के डीन डॉ परमानंद प्रसाद सिंह, विभागाध्यक्ष सह संगोष्ठी संयोजक के अध्यक्ष डॉ विनय कुमार सिंह शामिल थे। कार्यक्रम के संयोजक एवं स्नातकोत्तर हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. बिनय कुमार सिन्हा ने सभी का स्वागत करते हुए विषय प्रवेश कराया और कहा साहित्य के प्रसार में झारखण्ड के साहित्यकारों का महत्वपूर्ण भूमिका रहा है। संगोष्ठी का उद्घाटन सत्र काफी धमाकेदार रहा और सभी वक्ताओं ने विषय से जुड़े गंभीर शोध आधारित बिंदुओं को सामने रखकर सोच को नया आयाम देने की कोशिश की। मुख्य वक्ता के रूप में महादेव टोप्पो ने कहा कि यह आयोजन साहित्य में अपनी जड़ों की ओर लौटने वाली आवाज के रूप में दर्ज होगा। झारखंड की धरती एक जागरूक धरती है, जिसने हमेशा उत्पीड़न का प्रतिरोध किया है और यह आवाज साहित्य में भी मुखर रही है। विशिष्ट वक्ता डॉ.अमरनाथ झा ने बहुत ही महत्वपूर्ण एवं ऐतिहासिक शोध पर आधारित भाषण दिया। उन्होंने इस विषयवस्तु को महत्वपूर्ण क्षेत्रीय इतिहास एवं साहित्य की मुख्य धारा से जोड़ने वाला विचार बताया तथा बताया कि संथाल परगना की धरती कभी भी उजाड़ या शांत धरती नहीं रही है। सातवीं शताब्दी से ही यह इतिहास में अपनी उपस्थिति दर्ज कराने वाली धरती के रूप में जानी जाती रही है। मुख्य वक्ता महादेव टोप्पो ने साहित्यकार राधाकृष्ण से लेकर आधुनिक साहित्यकारों तक की चर्चा की। उन्होंने कहा कि इस संगोष्ठी की विषयवस्तु दिवंगत साहित्यकारों की जानकारी आधुनिक पीढ़ी तक पहुंचाने में सहायक है। उन्होंने मुक्त छंद के प्रणेता महेश नारायण को भी याद किया, जो झारखंड से थे तथा निराला से बहुत पहले मुक्त छंद का उद्घोष कर चुके थे। इस सत्र में विभागाध्यक्ष सह संगोष्ठी संयोजक ने सफल आयोजन का श्रेय कुलपति को दिया तथा कहा कि उन्होंने हर कदम पर उत्साहपूर्वक हमारी मदद की है। कुलपति प्रो.बिमल प्रसाद सिंह ने अध्यक्षीय भाषण में कहा कि हिंदी आज 130 देशों की भाषा है तथा तेजी से अंतरराष्टीय भाषा बनने की ओर अग्रसर है। साथ ही हिंदी में सॉफ्टवेयर एवं कंप्यूटर संबंधी रचनात्मकता इसे वैश्विक स्तर प्रदान करने में बहुत सहायक है। मेडिकल इंजीनियरिंग एवं अन्य तकनीकी विषयों से संबंधित पुस्तकें हिंदी में तेजी से लिखी जा रही हैं। उन्होंने सहजता एवं संवेदना की गहराई को व्यक्त करने में हिंदी की महत्वपूर्ण भूमिका की चर्चा की। क्षेत्रीय शिक्षा के संयुक्त निदेशक डॉ.गोपाल कृष्ण झा ने भी इस क्षेत्र की महत्ता पर प्रकाश डाला तथा इस सेमिनार की विषयवस्तु पर प्रकाश डालते हुए अन्य वक्ताओं डॉ.जितेंद्र यादव, डॉ.परमानंद प्रसाद सिंह की सराहना की। मंच का सफल संचालन डॉ.यदुवंश ने किया। यदुवंश ने अपने विषयवस्तु पर बेहतरीन जानकारी देकर कार्यक्रम में लय बनाए रखी तथा अंत में धन्यवाद ज्ञापन डॉ. अरुण वर्मा ने किया। डॉ.अनूप वर्मा ने सबसे पहले बारिश के बावजूद सेमिनार को सफल बनाने में भूमिका के लिए छात्र-छात्राओं को धन्यवाद दिया तथा सफाई कर्मचारियों एवं मजदूरों की भी प्रशंसा की। उपस्थित सभी लोगों को धन्यवाद देकर सत्र का समापन किया गया। अंत में राष्ट्रगान के साथ सत्र का समापन हुआ। कार्यक्रम का दूसरा सत्र भी काफी जीवंत रहा। समानांतर सत्र के साथ-साथ लोगों ने देर शाम तक सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं काव्य संध्या का भी आनंद उठाया।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह 26 सितंबर को धनबाद गोल्फ ग्राउंड में सभा को करेंगे संबोधित

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि,धनबाद। भारतीय जनता पार्टी की धनबाद प्रमंडल की परिवर्तन संकल्प यात्रा के अंतिम चरण में 26 सितंबर को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह धनबाद आ रहे हैं। धनबाद के गोल्फ ग्राउंड में सभा में शामिल होंगे। जिसकी तैयारी अंतिम चरण में चल रही है। गोल्फ ग्राउंड में पंडाल और स्टेज बनाए जा रहे हैं। जिसका निरीक्षण के लिए पूर्व सांसद पी.एन.सिंह, विधायक राज सिन्हा सहित कई पार्टी के नेता पंहुचे। वही प्रशासन की ओर से सुरक्षा को लेकर भी तैयारी की जा रही है। हवाई अड्डा से गोल्फ ग्राउंड तक ट्रैफिक में बदलाव भी किया गया है। ट्रैफिक डीएसपी

अरबिंद कुमार सिंह ने बताया की गुरुवार की कार्यक्रम को लेकर बाहर से आ रही बसों की शहर में नो इंट्री रहेगी। साथ ही हवाई अड्डा से गोल्फ ग्राउंड तक अन्य वाहनों की भी ने इंट्री रहेगी। साथ ही जुलूस में शहर जाम को लेकर पुलिस तत्पर रहेगी। वही तैयारी को लेकर पूर्व सांसद पी.एन.सिंह और विधायक राज सिन्हा ने कहा गोल्फ ग्राउंड में तैयारी का जायजा लेने पहुंचे, बारिश का भी मौसम है जिसे लेकर वाटर प्रूफ पंडाल बनाया जा रहा है। इसमें प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी सहित कई बड़े नेता भी आयेंगे। इस कार्यक्रम में करीब 25 हजार लोगो की भीड़ होने की उम्मीद है।

कुंदरु कला में भव्य स्टेडियम का निर्माण किया जाएगा- मंत्री इरफान अंसारी

फुटबॉल फाइनल मैच का विजेता बना गिद्दी, उपविजेता लखोलता

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि

रजरप्पा। रामगढ़ प्रखंड के कुंदरु कला गांव महथा बगीचा मैदान में झारखंड प्रतिभा फुटबॉल फाइनल मैच का आयोजन किया गया। जिसमें लाखोंलता एवं लॉक डाउन गिदी सी की टीम के बीच जमकर हुआ मुकाबला जिसके मुख्य अतिथि झारखंड सरकार के ग्रामीण विकास मंत्री डॉ इरफान अंसारी शामिल हुए, विशिष्ट अतिथि रामगढ़ के पूर्व विधायक ममता देवी मुख्य रूप से शामिल हुई। खेल प्रारंभ के पश्चात मंत्री ने दोनों टीम के फाइनल में उतरे खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त करते हुए खेल का शुभारंभ किया गया। इस दौरान ग्राउंड में पहुंचते ही आयोजन

समिति ने खेल मैदान में जमकर आतीशबाज़ी किया गया। तत्पश्चात मंत्री ने उपस्थित दर्शकों को संबोधित करते हुए कहा कि झारखंड सरकार खेल को बढ़ावा देने के लिए कृत संकल्प है। ग्रामीण स्तर पर प्रतिभावान खिलाड़ियों को लाने की आवश्यकता है। झारखंड में खेल के क्षेत्र पर भविष्य बनाने के लिए बहुत बड़ा विकल्प है जिसे खिलाड़ियों को बेहतर खेल का प्रदर्शन करना चाहिए। मंत्री ने कहा कि आने वाला समय में कुंदरु कला में भव्य स्टेडियम का निर्माण किया जाएगा। मंत्री के द्वारा अपनी ओर से विजेता एवं उपविजेता टीम को 35 - 35 हज़ार रुपया नगद देने की घोषणा किया। विजेता एवं उपविजेता टीम को शील्ड प्रदान किया गया।

विशिष्ट अतिथि के तौर पर पूर्व विधायक ममता देवी, केंद्रीय सचिव शहजादा अनवर बजरंग महतो मुख्य रूप से शामिल हुए। खेल बेहतर प्रदर्शन करते हुए गिद्दी की टीम ने एक बॉल डालकर जीत हासिल किया। उप विजेता बना लाखोलता खेल का समापन के बाद में दोनों टीम के खिलाड़ियों को प्रथम

विजेता टीम को 35 हज़ार नगद राशि व प्रथम शील्ड दिया गया। जबकि उप विजेता टीम को 25 हज़ार नगद राशि द्वितीय पुरस्कार शील्ड प्रदान गया। इस मौके पर कांग्रेस जिला अध्यक्ष मुन्ना पासवान, दिनेश मुंडा, चित्रगुप्त महतो, रियाज अंसारी, आशिफ शंभू बेदिया के अलावे आयोजन समिति के अध्यक्ष कमलेश बेदिया, सचिव विनोद करमाली, कोषाध्यक्ष शैलेंद्र महतो के अलावे मुख्य संरक्षण निरंजन बेदिया, रामू महतो, सुनील मेहता,विजय केसरी, टूर्नामेंट ऑर्गेनाइजेशर इनायत अंसारी,20 सूत्री अध्यक्ष सुनील करमाली हीरालाल महतो भरत महतो कौसर अंसारी, राकेश सिन्हा, बुधन करमाली उपस्थित थे।

आयुष्मान भारत पोर्टल की शुरुआत

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि

देवघर। आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन राज्य मुख्यालय के निर्देश पर देवघर सहित सभी जिलों में भारत पोर्टल की शुरुआत की गई है।इस पोर्टल के माध्यम से जो भी छात्र छात्राएं अपनी स्वेक्षा और सेवा भाव से इस मिशन के अंतर्गत कार्य करना चाहते है,उनको आवेदन करना था अब तक पांच लोगो ने भारत पोर्टल पर आवेदन किया था।उन सभी छात्र छात्राओं को आज सिविल सर्जन डॉक्टर रंजन सिन्हा के कक्ष में बुलाकर सिविल सर्जन द्वारा उनसे उनके विचार पूछा गया और उन्हें कर्तव्य बोध कराया गया।

इस क्रम में जिला नोडल पदाधिकारी डॉक्टर शरद कुमार ने सभी छात्र छात्राओं का परिचय लिया और उन सभी से कहा गया की ओ पी डी अवधी में वे लोग रजिस्ट्रेशन काउंटर पर मौजूद रहें और मरीजों को लंबी लाइन नही लगाना पड़े इसके लिए मरीज या उनके परिजन स्मार्ट फोन द्वारा डिजिटल माध्यम से ÷स्कैन और शेयर÷विधि से अपना रजिस्ट्रेशन करवा लेंगे।इस पूरी प्रक्रिया के लिए रजिस्ट्रेशन काउंटर पर अलग से एक यूनिट भी चालू है,जो छात्र छात्राएं भारत पोर्टल के माध्यम से यहां कार्य करेंगे उनका यही कार्य होगा की ज्यादा से ज्यादा लोगो को ÷स्कैन और शेयर÷के द्वारा ही रजिस्ट्रेशन की सुविधा उपलब्ध करवाए और उनकी मदद करें। वहीं परियोजना समन्वयक सुधांशु रंजन द्वारा सभी लोगो को आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के अंतर्गत किए जाने वाले सभी कार्यो की विस्तृत जानकारी दी गई साथ ही उन लोगो को ÷स्कैन और शेयर÷की पूरी प्रक्रिया का प्रशिक्षण भी दिया गया। इस योजना के अंतर्गत तीन महीने तक ये लोग अपनी सेवा मुफ्त देंगे,इसके लिए इन्हे पहचान पत्र की उपलब्ध कराया जाएगा।सेवा समाप्ति के उपरांत इन सभी को कार्य अनुभव का एक प्रमाण पत्र भी निर्गत किया जाएगा।

वोटिंग के माध्यम से हुआ झामुमो के नवाडीह पंचायत अध्यक्ष का चयन

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि, जामा। प्रखण्ड अंतर्गत नवाडीह पंचायत के फुलोपानी मैदान में बुधवार को पंचायत अध्यक्ष के चयन हेतु ग्राम प्रधान राजकिशोर हेम्ब्रम की अध्यक्षता में झामुमो की एक बैठक आयोजित की गयी। बैठक में नवाडीह पंचायत के पंचायत अध्यक्ष के रिक्त पद पर सर्वसम्मति नहीं बनी। तत्पश्चात वोटिंग के माध्यम से पंचायत अध्यक्ष का चयन किया गया । जिसमें छोटका मुर्मू को सबसे अधिक 11 मत प्राप्त हुए, जबकि सुरेन्द्र मुर्मू को 6 मत एवं रफाइल हांसदा को 3 मत प्राप्त हुए। बैठक में प्रखण्ड अध्यक्ष सह जिला परिषद् सदस्य कालेश्वर सोरेन, प्रमुख बंसती ज्योतिका मुर्मू, मुन्ना हेंब्रम, पुरण गृही, सुनिल हेम्ब्रम, सुकदेव मंडल, नारायण मंडल, अनिल मरांडी, सुकर मरांडी, सिरिल मुर्मू, चुडका मुर्मू, सुशील मुर्मू सहित दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद थे।

मनरेगा योजनाओं का डेटा एंट्री पर प्रशिक्षण आयोजित

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि, पालोजोरी (देवघर)। पालोजोरी प्रखंड मुख्यालय के सभागार में बुधवार को मनरेगा के तहत संचालित योजनाओं को लेकर बुधवार से तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया । प्रशिक्षण कार्यक्रम में उपस्थित मुखिया,पंचायत सचिव व पंचायत प्रज्ञा केंद्र संचालक को प्रशिक्षक श्रीराम तिवारी व राजेश कुमार ने प्रशिक्षण दिया । प्रशिक्षकों ने मनरेगा अंतर्गत संचालित योजनाओं को लेकर काफी विस्तार पुर्वक सभी बातों को बताया एवं पंचायत स्तर पर सभी कार्यों के सफल निष्पादन पर जोर दिया। बताया कि अब मनरेगा से संबंधित सभी डाटा एंट्री पंचायत स्तर पर पंचायत प्रज्ञा केंद्र संचालक ही करेंगे । मौके पर मुखिया अंशुक साधु, नौशाद अंसारी, लालकिशोर सोरेन, मुनु चौड़े, पंचायत सचिव बुलबुल कुमारी, पवन कुमार, प्रखंड समन्वयक मोहित कुमार, रजाउल अंसारी, पंचायत प्रज्ञा केंद्र संचालक राजेश कुमार साह ,अमीत कुमार, उत्तम कुमार मंडल, सैफुल अंसारी, संदीप कुमार, जहिरुद्दीन अंसारी, प्रज्जवल कुमार, मजेबुल रहमान सहित अन्य उपस्थित थे।

ब्लड बैंक का होगा जीर्णोद्धार -डीसी

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि, देवघर। उपायुक्त विशाल सागर ने आमजनों के सुविधाओं को देखते पुराने सदर अस्पताल स्तिथ ब्लड बैंक के सुदृढ़ीकरण और जीर्णोद्धार के साथ-साथ ब्लड बैंक आधुनिक उपकरण मुहैया कराने का कार्य जिला प्रशासन द्वारा कराया जाना है। इस हेतु जिला स्तर से डीपीआर तैयार कर लिया गया है और जल्द ही इसपर कार्य शुरू किया जाएगा। इसके अलावे उपायुक्त श्री विशाल सागर के निर्देशानुसार पुराने सदर अस्पताल अवस्थित ब्लड बैंक में डोनर काउच, ब्लड स्टोरेज फ्रिज, डोमेस्टिक फ्रिज, स्प्लिट एसी, एलिसा मशीन, बाइनोकुलर माइक्रोस्कोप, व्यू बॉक्स, वर्टीकल आटोक्लेव,इलेक्ट्रॉनिक वेट बैलेंस, ब्लड बैग शेकर, वाटर कूलर, जेनसेट , इन्वर्टर, बैटरी, इनक्यूबेटर, पेशेंट बेड, सिविल वर्क, इलेक्ट्रिक वायरिंग, शॉप कैफेटेरिया आदि का कार्य कराया जाना है। साथ ही आमजनों की सुविधा हेतु टीवी लाउंज, वेटिंग एरिया विथ रिसेप्शन, जहाँ पर बैठेने हेतु चेयर, कुर्सी के साथ-साथ एसी की व्यवस्था और ब्लड बैंक के आस-पास बागवानी व अन्य जीर्णोद्धार का कार्य कराया जाएगा, ताकि आधुनिक ब्लड बैंक से जिलावासियों को हर संभव सहयोग व सुविधा मिल सके।

नीति आयोग द्वारा संचालित आकांक्षी प्रखंड जमुआ में संपूर्णता अभियान के तहत अंत्योदय दिवस का आयोजन

अंत्योदय दिवस का उद्देश्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास का प्रकाश पहुंचाना है, ताकि वे भी प्रगति करके समाज की मुख्यधारा में सम्मिलित हो सकें

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि ,गिरिडीह। भारत सरकार की महत्वकांक्षी योजना नीति आयोग के 112 आकांक्षी जिलों गिरिडीह और प्रखंडों में जमुआ प्रखंड का चयन किया गया है। नीति आयोग द्वारा संचालित संपूर्णता अभियान का आयोजन 04 जुलाई से 30 सितंबर तक आकांक्षी जिला गिरिडीह तथा आकांक्षी प्रखंड जमुआ में शुरू है। इसके तहत जिला और ब्लॉक दोनों जगह विभिन्न गतिविधियों का संचालन किया जा रहा है। संपूर्णता अभियान के तहत सभी मानकों में प्रगति हेतु उचित प्रयास किए जा रहे हैं। इसी के निमित्त नीति आयोग के संपूर्णता अभियान के तहत आज जमुआ प्रखंड में अंत्योदय दिवस का आयोजन किया गया। इस दौरान अंत्योदय दिवस के तहत 70 स्वयं सहायता समूह और आंगनबाड़ी केंद्र की महिलाओं/बहनों को फाइनेंशियल लिटरेसी ट्रेनिंग तथा 25 किसानों के बीच सॉयल हेल्थ कार्ड का वितरण किया गया। इस दौरान नीति आयोग के ब्लॉक फेलो, श्री रितेश कुमार ने बताया कि संपूर्णता अभियान के तहत वंचित लोगों के स्वास्थ्य, पोषण, कृषि, शिक्षा, सामाजिक विकास के साथ-साथ आजीविका के बिंदुओं पर शत-प्रतिशत पहुंच तथा लाभ का लक्ष्य निर्धारित करना है। उन्होंने बताया कि वंचितों का उत्थान और उन्हें मुख्यधारा में लाना ही अंत्योदय कार्यक्रम का उद्देश्य है। जिसके तहत एसएचजी और आंगनबाड़ी केंद्र की महिलाओं और किसानों के बीच सॉयल हेल्थ कार्ड का वितरण किया गया। इसका उद्देश्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास का प्रकाश पहुंचाना है, ताकि वे भी प्रगति करके समाज की मुख्यधारा में सम्मिलित हो सकें। आर्थिक उन्नति के साथ-साथ यह दिवस समाज में व्याप्त असमानताओं के उन्मूलन के लिए कार्य करने की प्रोत्साहित करता है। इसके अतिरिक्त यह दिवस विभिन्न सरकारी योजनाओं एवं कार्यक्रमों का प्रचार-प्रसार को बढ़ावा देता है, जिससे निर्धनों एवं वंचित वर्गों के लोगों को उनके कल्याण के लिए संचालित की जा रही योजनाओं की जानकारी प्राप्त हो सके तथा वे इसका लाभ उठा सकें। सरकार इन वर्गों के कल्याण के लिए अनेक योजनाएं संचालित कर रही है।

जेएमएम ने शहीद हराधान मुर्मू को किया याद

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि, पालोजोरी। जेएमएम ने पालोजोरी प्रखंड के अहसाना चौक स्थित शहीद हराधान मुर्मू की प्रतिमा पर बुधवार को माल्यार्पण कर शहादत दिवस मनाया। शहादत दिवस पर पार्टी के वरिष्ठ नेता झारखंड आंदोलनकारी चिंहतिकरण आयोग के सदस्य नर्सिंग मुर्मू ने कहा कि हराधान मुर्मू के शहादत को पार्टी कभी नहीं भुला सकता है। वहीं पार्टी के नेता परिमल कुमार सिंह उर्फ़ भूपेन सिंह ने कहा कि उनके पद चिन्हों पर चलना है। शहादत दिवस में पार्टी के नेताओं ने उनकि प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें याद किया । मौके कई कार्यकर्ता उपस्थित थे।

अभाविप ने सिद्धू कान्हु पार्क के निकट आयोजन किया छात्र गर्जना कार्यक्रम

पूर्वांचल सूर्य संवाददाता

पाकुड़। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद झारखंड द्वारा वर्तमान झारखंड सरकार के विफलता के लेकर बीते पंद्रह सितंबर को प्रांत स्तरीय छात्र गर्जना का आयोजन रांची में किया था। साथ ही इस कार्यक्रम को झारखंड राज्य के सभी जिलों में छात्र गर्जना के साथ बदहाल झारखंड का काला दस्तावेज समाज के समक्ष रखने का कार्यक्रम का आह्वान किया था। बुधवार को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद पाकुड़ जिले द्वारा सिद्धू कान्हू पार्क के निकट छात्र गर्जना कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रवासी कार्यकर्ता के रूप में प्रांत मंत्री सौरव झा उपस्थित रहे। उन्होंने वर्तमान झारखंड के परिदृश्य पर अपना विचार रखते हुए कहा कि 2019 के विधानसभा चुनाव में विद्यार्थियों को शिक्षा,

युवाओं को रोजगार और महिलाओं को सुरक्षा एवं समान अधिकार के वादे पर राज्य की जनता ने हेमंत सोरेन को अवसर प्रदान किया। सरकार को चुनते समय 19 वर्ष का युवा झारखंड आज 24 वर्ष पूरे करने के कगार पर खड़ा है। लेकिन अपना वयस्क राज्य झारखंड आज भी गरीबी और कमजोर प्रशासन की मार झेल रहा है। देश के 40 प्रतिशत खनिज संपदा से परिपूर्ण इस राज्य में आज भी लगभग 40 प्रतिशत लोग गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन कर रहे हैं। वहीं लगभग 20 प्रतिशत शिशु और बच्चे कुपोषण के शिकार हैं। तिलका मांझी और सिदो कान्हू के रक्त से सींचा गया झारखंड राज्य आज भी अपनी तंग हाली पर रो रहा है। आज भी यहां के मूल निवासी अनाज के लिए तरसते हुए जान दे रहे हैं। राज्य सरकार के मंत्री एवं कई अधिकारियों ने झारखंड को लूट खंड बना कर रख दिया है। सरकार के मुखिया स्वयं सेना की जमीन घोटाले के आरोप में जेल जा चुके हैं और अभी जमानत पर बाहर हैं। मुख्यमंत्री और मंत्रियों एवं सत्ताधारी राजनीतिक दलों के अधिकारियों ने भी राज्य को लूटने में कोई अवसर नहीं छोड़ा। इनके द्वारा खुलेआम जल, जंगल एवं जमीन को मिटाने का प्रयास किया गया।

विभाग संयोजक अमित साहा ने बताया कि फूलो-झानो के रक्त से सिंचित संथाल की महिलाएं आज स्वयं को असुरक्षित महसूस कर रही हैं। बिलखती महिलाएं- तड़पता झारखंड, सरकार के पूरे कार्यकाल पर एक प्रश्न चिन्ह लगाता है? राज्य में लवजिहाद और लैंड जिहाद झारखंड के आदिवासी समाज और उनकी बेटियों के अस्तित्व को समाप्त करने की तैयारी में है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार आदिवासी समाज की जनसंख्या में 10 प्रतिशत की गिरावट हुई, इस बात का साक्ष्य है कि संथाल में बांग्लादेशी घुसपैठ और धर्मांतरण अपने चरम पर है।

साल में 5 लाख युवाओं को रोजगार देने का वादा हो अथवा झारखंड की बेटियों को प्राथमिक विद्यालय से पीएचडी तक की मुफ्त शिक्षा का वादा, राज्य की महिलाओं को चूल्हा भत्ता देने का वादा हो अथवा राज्य के जनमानस को उत्तम स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध करवाने का वादा, सरकार अपने हर वादे को पूरा करने में पूरी तरह से नाकाम रही है। राज्य के युवा, महिला, मजदूर, किसान और आम जनता ने यह महसूस किया है कि लोक लुभावन वादों के साथ सत्ता में आई झारखंड सरकार एक बार पुनः मुफ्त की योजनाएं लाकर राज्य की जनता को दिग्भ्रमित करने का प्रयास कर रही है।

कालाजार उन्मूलन को लेकर जिला समाज कल्याण पदाधिकारी ने महिला पर्यवेक्षिका के साथ की बैठक

पूर्वांचल सूर्य संवाददाता, पाकुड़। बुधवार को जिला समाज कल्याण पदाधिकारी की अध्यक्षता में पाकुड़ जिला अंतर्गत सभी महिला पर्यवेक्षिकाओं के साथ कालाजार उन्मूलन को लेकर बैठक आयोजित की गई। वहीं पीसीआई से आरएमसी मोहम्मद अनीस के द्वारा कालाजार उन्मूलन से संबंधित जानकारी दी गई। कालाजार के फैलाव, रोकथाम, उपचार, सेविका के द्वारा ग्रामीणों में जागरूकता लाने एवं कालाजार कीटनाशी में सहयोग करने से संबंधित विस्तृत जानकारी दी गई। जिला समाज कल्याण पदाधिकारी ने सभी महिला पर्यवेक्षिकाओं को निर्देश दिया गया कि प्रखंड स्तर के हर बैठक में सेविकाओं को इस बीमारी से बचने हेतु जागरूक किया जाए। साथ ही क्षेत्र में इन बीमारियों से बचने

पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती के अवसर पर भाजपाईयों द्वारा उनके प्रतिमा पर किया गया माल्यार्पण व नमन

पूर्वांचल सूर्य संवाददाता

पाकुड़। प्रखर राष्ट्रवादी, उत्कृष्ट संगठनकर्त्ता, एकात्म मानववाद और अंत्योदय के प्रणेता एवं हमारे पथ प्रदर्शक पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर बुधवार को जिलाध्यक्ष अमृत पाण्डेय के नेतृत्व में दीनदयाल उपाध्याय उद्यान स्थित उनके प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष अमृत पाण्डेय ने कहा कि स्वदेशी आर्थिक मॉडल को अपनाने की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए उन्होंने एकात्म-मानववाद को रेखांकित किया। इसमें समावेशी और जन समुदाय को सशक्त बनाने का विचार था। उनका मानना था कि स्वदेशी और लघु उद्योग भारत की आर्थिक योजना की आधारशिला होनी चाहिए, जिसमें सद्भाव, सांस्कृतिक, राष्ट्रीय नीति और अनुशासन का समावेश हो। स्वदेशी की प्राथमिकता रखते हुए वह विश्व स्तर पर हो रहे नवाचारों को अपनाने के भी कतई खिलाफ नहीं थे। हमारी जरूरतों की वस्तुओं का निर्माण भी देश में ही करना चाहते थे ताकि हम आत्मनिर्भर बनें। वे प्राकृतिक खेती के भी बहुत ही कद्रदान थे। वह जानते थे कि प्राकृतिक खेती से न केवल किसानों की आय बढ़ेगी बल्कि कृषि

में टिकाऊ और लचीलापन आएगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पं. दीनदयाल उपाध्याय के सपनों का भारत बनाने के लिए उनके द्वारा बताए गए रास्ते का अनुसरण करते हुए बिना भेदभाव के योजनाओं का लाभ समाज के हर तबके तक पहुंचाने हेतु भाजपा निरंतर कार्यरत है।

इस अवसर पर अनुग्रहित प्रसाद साह, जिला उपाध्यक्ष धर्मेंद्र त्रिवेदी, जिला महामंत्री रूपेश भगत, नगर अध्यक्ष सोहन मंडल, निवर्तमान नगर अध्यक्ष पंकज साह उपस्थित हुए।

142 किसानों के बीच मृदा स्वास्थ कार्ड एवं 15 केसीसी ऋण पासबुक का किया गया वितरण

पूर्वांचल सूर्य संवाददाता

पाकुड़। बुधवार को लिट्टीपाड़ा प्रखंड स्थित कृषि तकनीकी सूचना केंद्र लिट्टीपाड़ा में आकांक्षी प्रखण्ड कार्यक्रम अंतर्गत सम्पूर्णता अभियान के सूचकांक अन्त्योदय दिवस के तहत कृषक गोष्ठी-सह-मृदा स्वास्थ कार्ड एवं केसीसी ऋण वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का शुभारंभ जिला कृषि पदाधिकारी अरुण कुमार सिंह, प्रखंड विकास पदाधिकारी श्रीमान मरांडी, मृदा वैज्ञानिक डॉ विनोद कुमार, कृषि अभियंता सुरेन्द्र सिंह मुंडा एवं स्प्रेरिसनल ब्लॉक फेलो वंदना कुमारी द्वारा द्वीप प्रज्वलित कर किया। इस कार्यक्रम में जिला कृषि पदाधिकारी अरुण कुमार सिंह ने कहा कि नीति आयोग के आकांक्षी प्रखंड कार्यक्रम अंतर्गत सम्पूर्णता अभियान के सूचकांक अन्त्योदय दिवस के तहत 920 किसानों को वर्तमान वित्तीय वर्ष में मृदा स्वास्थ कार्ड बनाने का लक्ष्य दिया गया था जिसे पूर्ण कर लिया गया है। जिसमें अधिकतर

किसानों के बीच मृदा कार्ड वितरण किया गया है और अवशेष किसानों को आज के आयोजित कार्यक्रम में वितरण किया गया है। उन्होंने बताया कि मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना किसानों को मिट्टी में पोषक तत्वों की कमी और असंतुलन की पहचान करने में मदद करती है, जिससे किसान सुधारात्मक उपाय कर पाते हैं। इससे मिट्टी की उर्वरता और फसलों के लिए पोषक तत्वों की उपलब्धता में सुधार होता है जिससे कृषि उत्पादकता में वृद्धि होती है। वहीं कृषि विज्ञान केन्द्र पाकुड़ के मृदा वैज्ञानिक डॉ विनोद कुमार ने मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना के तहत झारखण्ड सरकार उत्पादकों को मृदा कार्ड जारी करने की योजना बनाई है जिसमें प्रत्येक खेत के लिए पोषक तत्वों और उर्वरकों की फसलवार मांग को प्रत्येक मिट्टी के नमूने का परीक्षण मृदा परीक्षण प्रयोगशालाओं में किया जाता है। उन्होंने मिट्टी की ताकत और दोषों (सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी) का आकलन और इससे निपटने के उपाय के बारे में सभी उपस्थित किसानों को जरूरी जानकारी दी। प्रखंड विकास पदाधिकारी श्रीमान मरांडी ने कहा कि मृदा स्वास्थ्य कार्ड बनाने से मिट्टी में पोषक तत्वों की सुधार की जानकारी मिलती है जिससे उत्पादन में बढ़ोत्तरी होती है। किसानों को किसान क्रेडिट कार्ड से जुड़कर केसीसी ऋण प्राप्त करने की सलाह दी और कहा कि केसीसी योजना किसानों को उनके कृषि कार्यों के लिए पर्याप्त और समय पर ऋण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से की गई है। नीति आयोग के आकांक्षी प्रखंड फेलो वंदना कुमारी ने कहा कि आकांक्षी प्रखंड लिट्टीपाड़ा में सम्पूर्णता अभियान के सूचकांक मृदा स्वास्थ कार्ड को संतृप्त किया जाने वाला इस प्रखंड के यह पहला सूचकांक है और इसी क्रम में शेष विभागों के सूचकांकों को संतृप्त करने का प्रयास किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से प्रखंड कृषि पदाधिकारी के सी दास, प्रखंड तकनीकी प्रबंधक रामेश्वर मुर्मू, गैर सरकारी संगठन (NGO) प्रवाह के नीतू सिंह सहित सैकड़ों किसान एवं कृषक मित्र समेत अन्य उपस्थित थे।

पत्थलगड़ा- सिंघानी में पड़ने वाले नदी से अवैध बालू उठाव को लेकर ग्रामीणों की हुई बैठक, समिति गठित

- सभी ट्रैक्टर मालिकों को दी गई कड़ी हिदायत, गांव से बाहर बालू ले जाते पकड़े गए तो होगी कानूनी कार्रवाई
- डीसी, डीडीसी, एसडीओ, बीडीओ, सीओ व थाना प्रभारी को लिखित रूप से जल्द ही दिया जाएगा आवेदन- सुखसागर राणा

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि

पत्थलगड़ा/चतरा। प्रखंड क्षेत्र के ग्राम सिंघानी के पंचमुखी हनुमत चौक सिंघानी में मंगलवार की देर शाम ग्रामीणों के द्वारा एक महत्वपूर्ण बैठक आहूत की गई।

बैठक की अध्यक्षता चेतलाल रजक ने की, जबकि संचालन प्रकाश दांगी ने किया। बैठक में सिंघानी गांव के सैकड़ो ग्रामीण शामिल हुए।

बैठक में सिंघानी गांव में पड़ने वाले छठ घाट नदी सिंघानी, परसोनिया नदी सिंघानी, भुराही नदी सिंघानी, पचबहिनी नदी सिंघानी तथा सिंघानी गांव में पड़ने वाले अन्य नदि से अवैध बालू उठाव नहीं करने देने का निर्णय लिया गया। वहीं प्रस्ताव में कहा गया कि किसी भी सूरत में बालू का उठाव बालू माफियों द्वारा नहीं करने दिया जाएगा। सभी ने कहा सिंघानी नदी से बालू उठाव होती है तो सिर्फ जरूरत के अनुसार सिंघानी गांव के ग्रामीणों को ही मिलेगा। साथ ही साथ छठ घाट में भूमि अतिक्रमण, पांडेयतर गड़ौत अतिक्रमण आदि बिंदुओं पर गहनता पूर्वक चर्चा की गई। इस दौरान सिंघानी नदी से बालू उठाव को पूर्ण रूप से रोकने के लिए गांव के ग्रामीणों ने सर्वसम्मति से एक समिति गठित किया। समिति में सर्वसम्मति से अध्यक्ष पद के लिए प्रकाश दांगी, उपाध्यक्ष इसराइल मियां, सचिव सुखसागर राणा, उपसचिव संजय दांगी सहित लगभग पचास सदस्यों की समिति बनाई गई। वहीं सभी ट्रैक्टर मालिकों को इसकी सूचना कर हिदायत दिया गया की अगर गांव से बाहर बालू ले जाते पकड़े जातें हैं तो पुलिस प्रशासन को बुलाकर उस पर कानूनी करवाई की जाएगी। बैठक के दौरान सभी ग्रामीणों नें उपायुक्त चतरा, उप विकास आयुक्त, अनुमंडल पदाधिकारी सिमरिया, पत्थलगड़ा प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचलाधिकारी व थाना प्रभारी को लिखित रूप से जल्द ही आवेदन देने को लेकर विचार विमर्श किया गया है। वहीं वनाधिकार और वनों की सुरक्षा पर भी विशेष बल दिया गया। ग्रामीणों ने संकल्प लिया कि वनों की हरियाली बनी रहे, इसके लिए प्रत्येक ग्रामीण अपने स्तर से खाली पड़े भू भाग पर दो-दो पेड़ लगाएंगे। मौके पर सेवानिवृत शिक्षक नारायण राम दांगी, अनंत कुमार कुशवाहा, नंदकिशोर दांगी, जागेश्वर राम दांगी, किशोरी राम, वासुदेव दांगी, हरदियाल रजक, कामेश्वर दांगी, डोमन राणा, सहदेव दांगी, गिरजाशंकर रजक, सुरेश दांगी, पिंटू दांगी, चंद्रशेखर राणा, बजरंगी राम, दीनदयाल राम, विनय सिन्हा, कृष्ण सिन्हा समेत सैकड़ो ग्रामीण मौजूद थे।

झारखंड युवा सदन के चौथे संस्करण 4.0 में हुआ पाकुड़ के युवा शाहबाज हुसैन का चयन

पूर्वांचल सूर्य संवाददाता

पाकुड़। आगामी 27 से 29 सितंबर को आयोजित होने वाले युवा सदन के चौथे संस्करण 4.0 में पाकुड़ के युवा शाहबाज हुसैन का चयन हुआ है। राजनीति में रुचि रखने वाले राज्य के हजारों युवाओं ने चयन प्रक्रिया में भाग लिया था उनमें से 150 युवाओं का चयन हुआ उसमे शाहबाज हुसैन का भी चयन हुआ है। राज्य में पाकुड़ जैसे पिछड़े जिले से राज्य की राजनीतिक दसा बयान करने के लिए शाहबाज हुसैन के पास ये एक अच्छा मौका हो सकता है।

शाहबाज हुसैन बचपन से ही राजनीति में रुचि और समाजसेवा भाव रखते है। इससे पूर्व वें रांची के डोरंडा कॉलेज से छात्र संघ का चुनाव भी लड़ चुके हैं और वर्तमान में रांची विश्वविद्यालय में मुस्लिम स्टूडेंट फेडरेशन के अध्यक्ष भी है। शाहबाज हुसैन पाकुड़ सदर प्रखंड के इलामी गांव से आते है। इसी गांव से इनके चचेरे भाई सरफराज आलम का भी युवा सदन के इसी सत्र में चयन हुआ है। एक ही परिवार के दोनो भाइयों का चयन होने पर परिवार सहित गांव में काफी खुशी का माहौल है। शाहबाज

हुसैन ने बताया कि वे युवा सदन में विपक्ष को भूमिका में नजर आने वाले है और सरकार की नाकामियों और भ्रष्टाचार को उजागर करने का काम करेंगे, साथ ही शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली, पानी जैसी मूलभूत समस्याओं पर बात रखेंगे और वर्तमान में चल रहे सरकारी नौकरी परीक्षाओं में धांधली के ऊपर प्रमुखता से सदन में बात रखेंगे। ज्ञात हो युवा सदन राज्य भर के युवाओं में राजनीतिक प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देने का एक बेहतरीन प्लेटफॉर्म है जिसमे हर साल सैंकड़ों युवाओं का चयन होता है। जो अपने अपने राजनीतिक विचारधारा बयान करते है।

पुलिस पर लगा मारपीट, प्रताड़ना व पैसे लेने का आरोप

थाना प्रभारी ने आरोप को गलत बताया, एसडीपीओ ने जांच के पश्चात कार्रवाई की बात कही

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि

गिरिडीह। जिले में नक्सल प्रभावित क्षेत्र पीरटांड़ प्रखंड में सिमरकोढ़ी के उपमुखिया अताउल्ला अंसारी का आरोप है कि गत सोमवार की शाम को पीरटांड थाना क्षेत्र के बिशनपुर टावर चौक के पास पुलिस द्वारा एक ट्रैक्टर को पकड़ा गया। ड्राइवर की सूचना पर हरलाडीह के डेगलाल महतो की कार लेकर डेगलाल के साथ सब्बीर अंसारी, अहमद अंसारी, लतीफ अंसारी और मुस्कान तुरी बिशनपुर पहुंचे,जहां पुलिस ने उनलोगों को घेर लिया और फिर जमकर पिटाई कर दी, इसके बाद सभी को थाना लाया गया, इस दौरान सभी को नक्सली केस में जेल भेजने की धमकी दी गई।

उन्होंने कहा है कि सुबह में जब वे गए तो थानेदार ने दो सिपाही से मिलने को कहा, जिसपर दोनों सिपाहियों ने कहा कि ढाई लाख लेंगे तभी सभी छूटेगा नहीं तो नक्सली केस में जेल भेज दिए जाएंगे।

इधर डेगलाल के भाई मनोज

कुमार ने भी इसी तरह की कहानी बतायी। उन्होंने कहा कि सभी पांचों को छुड़ाने के लिए 1,14,900 दिया गया। इसमें से 65 हजार नकद सिपाही को दिया गया। बाकी रकम पुलिस के कहने पर एक मोबाइल दुकान और सरकारी शराब दुकान में ऑनलाइन किया गया।झामुमो के मो ताज, सिमरकोढ़ी पंचायत के मुखिया पति मो युसूफ के अलावा अशोक हेम्ब्रम ने थानेदार और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।साथ ही साथ ली गई रिश्वत को वापस करवाने की भी मांग रखी गई है।

वहीं आरोपों पर पीरटांड के थाना प्रभारी गौतम कुमार का कहना है कि सोमवार की शाम को सूचना मिली थी कि क्षेत्र का बालू डंप किया गया है।इस सूचना पर गश्ती दल क्षेत्र का दौरा करने गए थे।गश्ती दल के द्वारा यह जानकारी दी गई कि उन्हें ग्रामीणों ने घेर लिया है और पथराव किया जा रहा है। इस सूचना पर वे भी पहुंचे और इन पांचों को थाना लाया गया. यहां पर पता चला कि ये लोग बालू का अवैध कार्य करते हैं। अपराध से इनका सरोकार नहीं है। ऐसे में सभी को दूसरे दिन छोड़ दिया गया. उन्होंने कहा कि पैसा लेने का आरोप गलत है,नक्सली केस में फंसाने की भी धमकी नहीं दी गई है।

जदयू के सम्मेलन में पहुंचे चुरचू के कई कार्यकर्ता

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि,चुरचू। मांडू विधानसभा का कार्यकर्ता सम्मेलन कुज्जू में। प्रखंड अध्यक्ष विनय कुमार यादव के नेतृत्व चुरचू से सैकड़ों की संख्या में पहुंचे जदयू कार्यकर्ता। जल्द ही चुनाव के लिए सरकारी नोटिफिकेशन जारी हो जाएगा।राजनीति दल से टिकट के लिए दौड बढ़ गयी है। लोग अपनी अपनी दावेदारी कर रहे हैं। कोई दल गठबंधन धर्म की दुहाई देकर चुनाव में टिकट की दावेदारी में है। हजारीबाग के माण्डु विधान सभा से कई प्रत्याशी चुनाव में दावेदार है। जनता दल, युनाईटेड पार्टी से दुष्यन्त कुमार पटेल, खिरु महतो, राज्य सभा सांसद, झारखण्ड प्रदेश अध्यक्ष के पुत्र हैं वे एन डी ए के घटक होने के नाते टिकट के लिए दावेदारी पेश करने के लिए कुज्जू स्थित पब्लिक स्कूल मैदान में एक सभा आयोजित किया गया। सभा में विधान सभा क्षेत्र के सभी प्रखण्ड से सैकड़ो की संख्या में लोग पहुंचे। चुरचू प्रखण्ड अध्यक्ष के नेतृत्व में सैकड़ों लोग सभा में शामिल होने गये। सभी लोगों को प्रभु दयाल कुशवाहा, जिला अध्यक्ष और अविरल विहारी लाल, उपाध्यक्ष की उपस्थिति में जोशो खरोशो से प्रत्याशी के पक्ष में सपोर्ट में भेजा गया।

विधायक ने इलाज हेतु उपलब्ध कराया 50-50 हजार की सरकारी मदद

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि,बड़कागांव। प्रखंड क्षेत्र के चेपाकला निवासी ऐनुल हक विगत दिनों सड़क दुर्घटना में घायल हो गए थे तथा उनका इलाज रांची के रामप्यारी हॉस्पिटल में में चल रहा था वहीं चेपाकला निवासी संजय राम की 13 वर्षीय पुत्री भी सड़क दुर्घटना में घायल हो गई थी जिसका इलाज हजारीबाग के अस्पताल में चल रहा था। दोनों के इलाज में अत्यधिक खर्च होने के कारण परिवार जनों ने विधायक अंबा प्रसाद को इसकी सूचना दी इसके बाद विधायक ने तत्काल मुख्यमंत्री राहत कोष से इलाज का खर्च उपलब्ध कराने हेतु अनुशंसा किया इसके बाद 50-50 हजार का चेक मरीज के परिजनों को विधायक अंबा प्रसाद द्वारा उपलब्ध कराई गई। विधायक ने दोनों के शीघ्र स्वस्थ होने की मंगल कामना की।

त्योहारी सीज़न से पहले सैमसंग का खास ऑफर

रांची। इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड सैमसंग ने आज गैलेक्सी एस, एम और एफ सीरीज़ के चुनिंदा फ्लैगशिप स्मार्टफोन पर बेहतरीन ऑफर्स की घोषणा की है। इस ऑफर के तहत, ग्राहक इन गैलेक्सी स्मार्टफोन्स को उनके लॉन्च के बाद अब तक की सबसे कम कीमतों पर खरीदने का मौका पा सकते हैं। गैलेक्सी एस23एफई और गैलेक्सी एस23 गैलेक्सी एस23एफई जिसकी मूल कीमत 54999 रुपये थी, अब सिर्फ़ 27999 रुपये में उपलब्ध होगा। इसी तरह, गैलेक्सी एस23 जिसकी मूल कीमत 74999 रुपये थी, अब सिर्फ़ 37999 रुपये में मिलेगा। काउंटरपॉइंट रिसर्च के मुताबिक, गैलेक्सी एस23 एफई भारत में 30000 रुपये से ज्यादा कीमत में सबसे ज्यादा बिकने वाला एंड्रॉयड स्मार्टफोन है। इस साल की शुरुआत में सैमसंग ने गैलेक्सी एस23 अल्ट्रा, गैलेक्सी एस23 और गैलेक्सी एस23 एफइ सहित कई गैलेक्सी फ्लैगशिप डिवाइस पर गैलेक्सी एआई फीचर शुरू करने की घोषणा की थी, जिसे मोबाइल एआई के प्रसार को आगे बढ़ाने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के प्रति जागरूकता को लेकर निकाली गई कौशल विकास यात्रा

पूर्वांचल सूर्य संवाददाता,हजारीबाग। बीते 39 वर्षों से कौशल विकास और उच्च शिक्षा के क्षेत्र में कार्य कर रही संस्था आईसेक्ट की ओर से छात्रों में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के प्रति जागरूकता लाने एवं करियर काउंसलिंग के उद्देश्य से देशव्यापी कौशल विकास यात्रा बीते 9 सितंबर से पूरे देश भर में आयोजित की जा रही है। यह यात्रा बीते 23 सितंबर को आईसेक्ट विश्वविद्यालय, हजारीबाग के मुख्य कैंपस पहुंची, जहां विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने यात्रा का भव्य स्वागत किया। बता दें कि यह यात्रा आगामी 28 सितंबर तक झारखंड के हजारीबाग, चतरा, कोडरमा, बोकारो, रामगढ़, साहिबगंज व अन्य जिलों का भ्रमण करेगी। आईसेक्ट विश्वविद्यालय में स्वागत के बाद विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ पीके नायक ने बड़ी संख्या में मौके पर मौजूद विद्यार्थियों को कौशल विकास के महत्व से अवगत कराया और करियर को लेकर उठ रहे विद्यार्थियों के सवालों का भी जवाब दिया। वहीं विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ मुनीष गोविंद ने कौशल विकास को रोजगार पाने का मुख्य साधन बताया और कहा कि युवाओं के भारत को कौशल युक्त कर स्वरोजगार की ओर कदम बढ़ाकर आत्मनिर्भर भारत के सपने को साकार किया जा सकता है। इसके बाद कुलपति डॉ पीके नायक व कुलसचिव डॉ मुनीष गोविंद, डीन एडमिन डॉ एसआर रथ व अन्य ने हरी झंडी दिखाकर कौशल यात्रा को रवाना किया। यात्रा के क्षेत्रीय प्रबंधक विजय कुमार ने बताया कि कौशल यात्रा चतरा के एसएस प्लस टू हाई स्कूल, पाण्डेय बारा, अपग्रेडेड हाई स्कूल एरूगेरुआ, रामगढ़ के एसएस प्लस टू हाई स्कूल, पतरातू, एसएस प्लस टू हाई स्कूल, चितरपूर, बोकारो के अपग्रेडेड राजकीयकृत प्लस टू उच्च विद्यालय, ओरदाना, प्लस टू हाई स्कूल, पेटरवार, कोडरमा के अपग्रेडेड गवर्नमेंट हाई स्कूल, अपग्रेडेड गवर्नमेंट हाई स्कूल, साहिबगंज के अपग्रेडेड प्लस टू हाई स्कूल समेत अन्य स्थानों से होते हुए आगामी 28 सितंबर को आईसेक्ट विश्वविद्यालय हजारीबाग के मुख्य कैंपस पहुंच कर झारखंड की कौशल यात्रा समाप्त होगी। बताते चलें कि कौशल विकास यात्रा कई वर्षों से आईसेक्ट द्वारा युवाओं के कौशल विकसित करने के महत्व को समझाने के लिए एक अनूठा प्रयास कर रहा है। इस यात्रा में बैंकिंग, आधार, ऑनलाइन टोल भुगतान, प्ले स्कूल, आईसेक्ट लर्न, ऑनलाइन नि~ शुल्क कोर्सेज, रोजगार मंत्रा पोर्टल समेत आईसेक्ट के अन्य नवीन गतिविधियों के साथ साथ आईसेक्ट विश्वविद्यालय समुह द्वारा चलाए जा रहे कोर्सों व आईसेक्ट के अंतर्गत संचालित फ्यूचर स्किल कोर्सेज की भी जानकारी दी जा रही है। इस यात्रा में क्षेत्रीय प्रबंधक विजय कुमार के साथ साथ प्लेसमेंट समन्वयक दीपेंद्र कुमार व बीडी सन्नी कुमार पाण्डेय भी शामिल हैं। वहीं विश्वविद्यालय से यात्रा रवाना करते वक्त सहायक कुलसचिव अमित कुमार, डॉ अरविंद कुमार, डॉ सत्यप्रकाश विश्वकर्मा, डॉ आलोक राय, माधवी मेहता सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थी मौके पर मौजूद थे।

बरही विधायक उमाशंकर अकेला ने करगइयों और कोल्हुआकला में ट्रांसफार्मर का किया उद्घाटन

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि,बरही। बरही के करगइयों और कोल्हुआकला गांव में विधायक उमाशंकर अकेला ने ट्रांसफार्मर का उद्घाटन किया। इस अवसर पर सैकड़ों ग्रामीणों की उपस्थिति रही, जिन्होंने इस कदम का गर्मजोशी से स्वागत किया। ट्रांसफार्मर की स्थापना से ग्रामीणों को बिजली की बेहतर सुविधा मिलने की उम्मीद है, जिससे उनके दैनिक जीवन में सुधार होगा। विधायक उमाशंकर अकेला ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि उनकी सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति की समस्याओं को हल करने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि यह ट्रांसफार्मर ग्रामीणों को न सिर्फ बिजली की निर्बाध आपूर्ति देगा, बल्कि इससे क्षेत्र का समग्र विकास भी संभव होगा। इस कार्यक्रम में बीस सूत्री अध्यक्ष अज्जू सिंह, रामानंद यादव, रमेश यादव, अरुण प्रसाद, सकलदेव पासवान, दिलीप साव, प्रदीप पासवान, मथुरा पासवान, विकास यादव, अशोक पासवान, मुंशी पासवान, भोला राणा, बीरेंद्र राणा, परमेश्वर यादव, बिनोद यादव, मनोज सिंह, मनोज राणा, रामजीत यादव, प्रदीप यादव, रवि पासवान और कुलदीप पासवान सहित सैकड़ों ग्रामीण उपस्थित थे। उद्घाटन के दौरान ग्रामीणों ने विधायक उमाशंकर अकेला का धन्यवाद व्यक्त किया और इस पहल को क्षेत्र के विकास के लिए एक महत्वपूर्ण कदम बताया।

आरटीओ कार्यालय के लिपिक चढा एसीबी के हाथ

पूसू प्रतिनिधि, हजारीबाग। हजारीबाग आरटीओ कार्यालय में पदस्थापित लिपिक विकास कछ्यप पिता सुकर उरांव पता खुखमा टोली हाउस नंबर 64 पोस्ट और थाना डोरंडा हिनू रांची को हजारीबाग की एसीबी टीम ने 6 हजार रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार लिपिक विकास कछ्यप पर दारू थाना अंतर्गत राजकुमार प्रसाद पिता पोखन नारायण ग्राम तिलैया जो विजय बस के मालिक हैं, के द्वारा विजय बस नंबर जेएच 02 एवी 8861 का परमिट का नवीकरण करने के लिए रिश्वत का मांग किया। बस मालिक राजकुमार के द्वारा शिकायत करने पर एसीपी हजारीबाग एसीबी की टीम द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए विकास कछ्यप को रंगे हाथ गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

चाइल्ड पोर्न पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला एतिहासिक: राजेन कुमार

बच्चों के अश्लील वीडियो देखना पॉक्सो और आईटी एक्ट के तहत अपराध

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि

रांची। गैरसरकारी संगठनों के गठबंधन जस्ट राइट्स पर चिल्ड्रेन एलायंस (जेआरसीए) की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने मद्रास हाई कोर्ट का फैसला रद्द किया और बच्चों के अश्लील वीडियो देखना पॉक्सो और आईटी एक्ट के तहत अपराध माना है।

सिन्दुआर टोला ग्रामोदय विकास विद्यालय के निदेशक राजेन कुमार ने कहा, यह फैसला बाल अधिकारों की दशा व दिशा बदलने वाला है। चाइल्ड पोर्नोग्राफी यानी बच्चों के अश्लील वीडियो डाउनलोड करने, उन्हें देखने या किसी से साझा करने को यौन

अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम और सूचना तकनीक कानून के तहत अपराध करार देने के सुप्रीम कोर्ट के फैसले का बाल अधिकारों के संरक्षण से जुड़े देश के सभी गैरसरकारी संगठनों ने स्वागत किया है। सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला बाल अधिकारों के लिए काम कर रहे देश के 120 से भी ज्यादा गैरसरकारी संगठनों के गठबंधन जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन एलायंस (जेआरसीए) की याचिका पर आया। शीर्ष अदालत ने जेआरसीए की याचिका पर सुनवाई करते हुए मद्रास हाई कोर्ट के उस फैसले को रद्द कर दिया जिसने कहा था कि इस तरह की सामग्रियों को डाउनलोड करना और देखना दंडनीय अपराध नहीं है, यह सिर्फ नैतिक पतन है। जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन एलायंस के सहयोगी संगठन संस्था सिन्दुआर टोला ग्रामोदय विकास विद्यालय ने इस फैसले का स्वागत करते हुए कहा कि यह साइबर जगत में बच्चों के अधिकारों के संरक्षण के क्षेत्र में मील का पत्थर साबित होगा।

फैसले में शीर्ष अदालत ने सरकार को यह भी निर्देश दिया कि वह पॉक्सो कानून में ÷चाइल्ड पोर्नोग्राफी÷ की जगह ÷बाल यौन शोषण एवं दुर्व्यवहार सामग्री÷ शब्द का इस्तेमाल करे ताकि जमीनी हकीकत और इस अपराध की गंभीरता एवं इसके विस्तार को सही तरीके से परिलक्षित किया जा सके।

देश में बाल अधिकारों के संरक्षण के लिए इस अहम फैसले का स्वागत करते हुए सिन्दुआर टोला ग्रामोदय विकास विद्यालय के निदेशक *राजेन कुमार* ने कहा, ÷यह बेहद महत्वपूर्ण क्षण है। साइबर जगत में बच्चों को पग-पग पर खतरा है जहां आदमी की खाल में छिपे भेड़िये बच्चों के यौन शोषण से जुड़ी सामग्रियों की तलाश में रहते हैं। ये बच्चों के यौन शोषण के वीडियो डाउनलोड करते हैं, इन्हें देखते हैं और दूसरों से साझा करते हैं। लेकिन इस फैसले के बाद अब इस तरह के विकृत तत्व अपने घर में अकेले में भी इस तरह के वीडियो देखने व साझा करने पर बच नहीं पाएंगे।

विश्व फार्मासिस्ट दिवस :स्वास्थ्य व्यवस्था मज़बूत बनाने में फ़ार्मासिस्टों की भूमिका अहम- पारस हॉस्पिटल

पूर्वांचल सूर्य संवाददाता ,रांची। फ़ार्मासिस्टों के योगदान को सराहने के लिए हर साल 25 सितंबर को विश्व फ़ार्मासिस्ट दिवस मनाया जाता है। इसका उद्देश्य चिकित्सा के क्षेत्र में फार्मासिस्टों की भूमिका का सम्मान करना है। इस वर्ष भी 25 सितंबर को विश्व फ़ार्मासिस्ट दिवस मनाया जायेगा। वर्ष 2024 का थीम ÷ फार्मासिस्ट~ वैश्विक स्वास्थ्य आवश्यकताओं की पूर्ति ÷ है। धुर्वा स्थित पारस एचईसी अस्पताल के फैसिलिटी निदेशक डॉ नीतेश कुमार ने कहा कि विश्व फ़ार्मासिस्ट दिवस पर स्वास्थ्य व्यवस्था को मज़बूत बनाने में फ़ार्मासिस्टों की भूमिका बहुत अहम होती है। फार्मासिस्ट का मतलब दवा की "सप्लाई चैन" सिस्टम को मजबूत करना है। मरीजों को सही दवा और सही डोज़ देना फ़ार्मासिस्टों का ही काम होता है। फ़ार्मासिस्ट, दवाओं के बारे में सबसे ज़्यादा जानते हैं। फ़ार्मासिस्ट, मरीज़ों को दवाएं लेने के बारे में सलाह देते हैं और दवाओं के संभावित दुष्प्रभावों के बारे में चेतावनी देते हैं। फ़ार्मासिस्ट, दवाओं के गुणवत्ता नियंत्रण में भी अहम भूमिका निभाते हैं। फ़ार्मासिस्ट, दवाओं के उत्पादन और वितरण में अहम भूमिका निभाते हैं। फ़ार्मासिस्ट, सरकारी और प्राइवेट दोनों तरह के अस्पतालों में काम कर सकते हैं। फ़ार्मासिस्ट, दवा कंपनियों में मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव या ड्रग एंड फ़ॉर्मूला इंस्ट्रक्टर के तौर पर भी काम कर सकते हैं। मरीजों को सही दवा देना और उन्हें डोज की सही जानकारी देना फार्मासिस्ट का ही काम होता है। इसलिए जरूरी है कि फार्मासिस्ट अपनी भूमिका को समझते हुए गंभीरता अपनी जिम्मेवारी का निर्वहन करें, ताकि समाज को उसका समुचित लाभ मिल सके। अंतरार्ष्टीय फार्मास्यूटिकल फेडरेशन की स्थापना 1912 में 25 सितंबर के दिन ही हुई थी। डॉ नीतेश कुमार ने कहा कि पारस हॉस्पिटल एचइसी में हर साल विश्व फार्मासिस्ट दिवस मनाया जाता है। स्वास्थ्य व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने में फार्मासिस्ट की भूमिका सर्वोपरि होती है।

बादाम कोयला खनन परियोजना ने सिकरी साइट में एक पेड़ माँ के नाम थीम के तहत पौधारोपण अभियान चलाया

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि

बड़कागांव। बड़कागांव स्वच्छता पखवाड़ा 2024 अभियान के तहत एन.एम.एल बादम कोयला खनन परियोजना ने सीकरी साइट कार्यालय में ÷एक पेड़ माँ के नाम÷ थीम के तहत पौधारोपण अभियान का आयोजन किया गया। बादम परियोजना के प्रमुख श्री अरुण कुमार सक्सेना के नेतृत्व में इस कार्यक्रम में सभी कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रत्येक कर्मचारी ने एक पौधा लगाया, जिससे पर्यावरणीय स्थिरता और जलवायु परिवर्तन से निपटने में पेड़ों के महत्व के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को बल मिला। श्री अरुण कुमार सक्सेना ने प्रकृति की देखभाल की सामूहिक जिम्मेदारी पर प्रकाश डाला। इस पहल ने न केवल स्थानीय हरियाली को बढ़ाया बल्कि कर्मचारियों के बीच पर्यावरण जागरूकता की संस्कृति को भी बढ़ावा दिया।

खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी ने विभिन्न मुर्गा मीट दुकानों का किया निरीक्षण, दिए निर्देश

प्रशासन से परमिशन लेकर करे कार्य एवं अपशिष्ट पदार्थों का सही तरीके से करें निपटारा – प्रकाश चंद्र गुग्गी

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि,बरही। बरही के हजारीबाग रोड स्थित चिकन और मटन दुकानों का जिला खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी प्रकाश चंद्र गुग्गी ने निरीक्षण किया। इस अभियान के दौरान उन्होंने दुकानदारों को खुले में मांस और मुर्गे की बिक्री न करने की सख्त चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि नागरिकों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी ने कहा कि सड़कों के किनारे खुले में मांस और मुर्गे की बिक्री से स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव पड़ सकता है और इसे तुरंत बंद किया जाना चाहिए। इसके साथ ही दुकानदारों को हिदायत दी गई कि मांस से संबंधित सभी अपशिष्ट पदार्थों का सही तरीके से निपटारा किया जाए। उन्होंने विशेष रूप से जोर दिया कि चमड़े या खाल को सड़कों पर या खुले में न फेंका जाए। प्रकाश चंद्र गुग्गी ने दुकानदारों को यह भी स्पष्ट किया कि उन्हें बरही प्रशासन और पशु चिकित्सा पदाधिकारी से अनुमति प्राप्त कर ही कार्य करना है। उन्होंने कहा कि इस नियम का पालन नहीं करने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। यह सुनिश्चित किया जाएगा कि मांस और मुर्गे की बिक्री के सभी नियमों का पालन हो, ताकि नागरिकों की सेहत पर कोई दुष्प्रभाव न पड़े। निरीक्षण अभियान के दौरान हजारीबाग रोड स्थित कई दुकानों की जांच की गई। इनमें हिंदू झटका मुर्गा दुकान, वीर हिंदू झटका मीट और मुर्गा दुकान, साहिल मुर्गा दुकान और चिकन सेंटर शामिल थे। इस निरीक्षण के दौरान खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी के साथ पशु चिकित्सा पदाधिकारी और सहायक विकास शर्मा भी मौजूद थे। साथ ही बरही पुलिस पदाधिकारी ने भी इस अभियान में सहयोग दिया।

तिलैया जलाशय में मछलियों के रोगाणु रोधी प्रतिरोध की जांच हेतु वैज्ञानिकों द्वारा नमूने एकत्रित

पूर्वांचल सूर्य संवाददाता ,हजारीबाग। जिले में तिलैया जलाशय के केज कल्चर में मछलियों की स्वास्थ्य स्थिति और रोगाणु रोधी प्रतिरोध (एंटी माइक्रोबॉयल रेजिस्टेंस) की जांच के लिए नेशनल ब्यूरो ऑफ फिश जेनेटिक रिसोर्सेस, लखनऊ के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. गौरव राठौर और वैज्ञानिक डॉ. चंद्रभूषण कुमार द्वारा महत्वपूर्ण कार्य किया गया। वैज्ञानिकों ने जलाशय में लगे केजों से मछलियों के नमूने एकत्रित किए और इस क्षेत्र के मछली पालकों को मछलियों के स्वस्थ्य एवं रोगाणुरोधी प्रतिरोध से संबंधित आवश्यक जानकारी प्रदान की।यह पहल रोगाणु रोधी प्रतिरोध के अध्ययन और नियंत्रण के उद्देश्य से की जा रही है, ताकि मछलियों के स्वास्थ्य को बेहतर बनाया जा सके और जलाशय आधारित मत्स्य पालन को प्रोत्साहित किया जा सके। नमूनों की जांच के माध्यम से यह पता लगाया जाएगा कि क्या मछलियों में एंटीबायोटिक दवाओं का प्रभाव कम हो रहा है, जिससे भविष्य में मछलियों की प्रजनन दर और उत्पादन में कमी आ सकती है।

इस मौके पर डॉ. राठौर ने मछलीपालकों को मछलियों के स्वस्थ जीवन और रोग नियंत्रण के उपायों पर जागरूक किया, साथ ही यह भी बताया कि कैसे उचित देखभाल और प्रबंधन से मछलियों की बेहतर वृद्धि और रोगों से बचाव सुनिश्चित किया जा सकता है। उन्होंने किसानों को एंटीबायोटिक दवाओं के उपयोग में सावधानी बरतने और जैव सुरक्षा उपायों को अपनाने की सलाह दी। हजारीबाग जिला प्रशासन और मत्स्य विभाग इस प्रयास में पूर्ण सहयोग दे रहे हैं। यह कदम जिले में मत्स्य पालन की संभावनाओं को बढ़ाने और किसानों की आय में वृद्धि के दृष्टिकोण से अत्यंत महत्वपूर्ण है। विभागीय अधिकारियों के मुताबिक भारत में चलाए जा रहे इस अनुसंधान कार्यक्रम को आगे बढ़ाने में निदेशक, मत्स्य, झारखंड तथा निदेशक एनबीएफजीआर की महत्वपूर्ण भूमिका है।

कार्यालय : जिला मत्स्य पदाधिकारी-सह-मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, चतरा

इच्छा की अभिव्यक्ति हेतु निविदा आमंत्रण

राज्यादेश सं0 04 रा0(वि0) दिनांक 30.05.2024 के आलोक में एतद् द्वारा चतरा जिले के मत्स्य बीज उत्पादकों को सूचित किया जाता है कि समेकित मात्स्यिकी को बढ़ावा देने हेतु जिला मत्स्य कार्यालय, चतरा को तालाब तथा जलाशय मत्स्य का विकास योजनान्तर्गत जलाशयों तथा नये/पुराने आर0एफ0एफ0 में मत्स्य अंगुलिकाओं के संचयन हेतु भारतीय मेजरकार्प (रोहू, कतला, मृगल) तथा ग्रास कार्प के औसतन तीन इंच आकार के मत्स्य अंगुलिकाओं की आवश्यकता है।

इच्छुक मत्स्य बीज उत्पादकों से मत्स्य अंगुलिकाओं की आपूर्ति हेतु इच्छा की अभिव्यक्ति का आमंत्रण **दिनांक 07.10.2024** तक कार्यालय अवधि में जिला मत्स्य कार्यालय, चतरा में जमा किया जा सकता है।

विदित हो कि मेजर कार्प मत्स्य अंगुलिकाओं के क्रय का सरकारी दर मो0 750/- प्रति हजार परिवहन व्यय सहित तथा ग्रास कार्प मत्स्य अंगुलिकाओं का दर मो0 1500/- प्रति हजार परिवहन सहित की दर से निर्धारित है।

मत्स्य अंगुलिकाओं की आपूर्ति से संबंधित शर्तें निम्नवत् होंगे :-

1. आपूर्तिकर्त्ता (मत्स्य बीज उत्पादक) को जलाशयों/आर0एफ0एफ0 स्थल तक मत्स्य अंगुलिकाओं को अपने खर्च पर जीवित तथा स्वस्थ अवस्था में पहुँचाना होगा।
2. आपूर्तिकर्त्ता (मत्स्य बीज उत्पादक) के द्वारा जिस तालाब में मत्स्य अंगुलिकाएं तैयार किया जा रहा है, उस तालाब का पूर्ण विवरण जियोटैग्ड फोटो सहित/मत्स्य बीज उपलब्धता एवं पूर्ण पता कार्यालय को अवगत करना अनिवार्य होगा, जिससे संचयन के पूर्व उनकी जाँच/सत्यापन कराई जा सके, विवरण प्रस्तुत करने हेतु विहित प्रपत्र कार्यालय से प्राप्त किया जा सकता है। आवेदक को अपने तालाब में उपलब्ध मत्स्य अंगुलिकाओं का 3-4 मिनट अन्तराल का विडियो संलग्न करना अनिवार्य होगा।
3. जिन मत्स्य बीज उत्पादकों को अधोहस्ताक्षरी के स्तर से मत्स्य अंड बीज आपूर्ति की गई है, उन्हें प्राथमिकता दी जायेगी।
4. विभाग द्वारा निर्धारित संचयन तिथि को निर्धारित मत्स्य अंगुलिकाओं की संख्या के अनुरूप मत्स्य बीज आपूर्त्ति नहीं किए जाने पर आपूर्तिकर्त्ता को दूसरा मौका नही दी जाएगी।
5. बकाएदार समिति के पदधारक/सदस्य अथवा बकाएदार पट्टेदार का प्रस्ताव अस्वीकृत किया जाएगा।
6. आपूर्तिकर्त्ता (मत्स्य बीज उत्पादक) के प्रस्ताव/निविदा अथवा उनके द्वारा प्रदत्त मत्स्य अंगुलिकाओं को रद्द अथवा अस्वीकृत करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी के पास सुरक्षित रहेगा।
7. जलाशय में संचयन हेतु एक मत्स्य बीज उत्पादक से न्यूनतम 50 हजार तथा अधिकत्तम 02 लाख मत्स्य बीज (मत्स्य अंगुलिका) ही क्रय किये जायेंगे।

नोट :- आवेदन पत्र कार्यालय अवधि में निःशुल्क प्राप्त किया जा सकता है।

जिला मत्स्य पदाधिकारी-सह-
मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, चतरा

PR 337049 Fish(24-25)#D

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER
BUILDING CONSTRUCTION DEPARTMENT
BUILDING DIVISION NO. -1. RANCHI

VERY SHORT NOTICE INVITING QUOTATION

In Sealed quotation (inclusive of all taxes, labour Cess & overhead Charges) are invited for the work of **Renovation of Furnishing Items for Residential Office of Secretary Residence B-2 at Hinoo, Ranchi** by the Executive Engineer, Building Construction Department, Building Division No.-1, Ranchi from agencies having similar works experience in any govt. building at the Office of the undersigned on 01.10.2024 up to 3.00 pm and will be opened on 01.10.2024 at 3.30 pm at B.C.D. Division No.-1, Ranchi by Executive Engineer or his authorized representative in the presence of Quotationers or their authorized representative. Who so ever desire may remain present at the time of opening. Detail list of work, specification, Quantity & Unit etc. may be obtained from the office in working day up to 28.09.2024 which Cost of Bid Rs. 750/- for each work in shape of Demand draft (non refundable) on any State Bank Payable at SBI Main Branch, Ranchi (Code – 0167)/any Schedule Bank, Payable at Ranchi in favour of The Executive Engineer, Building Construction Department, Building Division No.-1, Ranchi.

The quotation should be accompanied with (1) Initial security deposit which will be *2%* of the quoted amount (Refundable) in shape of Bank Guarantee or 5 Years/3 Years Post Office Term Deposit or N.S.C. (8th issue)/fixed deposits of a scheduled Bank duly pledged in favour of Executive Engineer, Building Division No.-1, Ranchi. (2) Updated Income Tax Return and GST Return (3) Similar nature works experience in any govt. building (4) All technical specification must be complied, no deviation will be accepted.

In the case of Gazetted holiday the quotation will be received/opened on the next working day.

Executive Engineer
Building Construction Department
Building Division No.-1, Ranchi

PR 336927 Building (24-25)_D

झारखण्ड सरकार
कार्यपालक अभियंता सह राजमार्ग पदाधिकारी का कार्यालय
पथ निर्माण विभाग,पथ प्रमण्डल,कोडरमा
06534-2227076 Email Id-eercdkoderma-jhr@nic.in

अतिअल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना संख्या–06 वर्ष 2024–25

1	विज्ञापन दाता का पदनाम एवं पता	कार्यपालक अभियंता, पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमण्डल,कोडरमा।
2	परिमाण विपत्र बिक्री की तिथि	दिनांक 30.09.2024 को कार्यालय अवधि में।
3	निविदा प्राप्त करने की तिथि एवं समय	दिनांक 01.10.2024 को 03.00 बजे अपराह्न तक।
4	निविदा खोलने की तिथि एवं समय	दिनांक 01.10.2024 को 03.30 बजे अपराह्न से।
5	परिमाण विपत्र की बिक्री की स्थान	1. मुख्य अभियंता (या०), पथ निर्माण विभाग, अभियंत्रण छात्रावास सं०2 ,धुर्वा, झारखण्ड, रांची । 2. अधीक्षण अभियंता, पथ निर्माण विभाग, पथ अंचल, हजारीबाग। 3. कार्यपालक अभियंता ,पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमण्डल,कोडरमा।
6	निविदा प्राप्ति एवं खोलने का स्थान	1. मुख्य अभियंता (या०), पथ निर्माण विभाग, अभियंत्रण छात्रावास सं०2 ,धुर्वा, झारखण्ड, रांची 2. अधीक्षण अभियंता, पथ निर्माण विभाग, पथ अंचल, हजारीबाग। 3. कार्यपालक अभियंता ,पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमण्डल, कोडरमा।

7. कार्य की विवरणी :-

क्र०सं०	अंचल का नाम	प्रमण्डल का नाम	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि (रूपय में)	अग्रधन की राशि (रूपये में)	परिमाण विपत्र का मूल्य (रूपये में)	कार्य पूर्ण करने का समय
1	2	3	4	5	6	7	8
1	हजारीबाग	कोडरमा	रजौली–चन्दवारा–बरही पथ (सुभाष चौक से महाराणा प्रताप चौक) तक लम्बाई– 2.80 कि0मी0 में साधारण मरम्मति कार्य वित्तीय वर्ष 2024–25।	4000000.00	80000.00	5000.00	तीन माह।
2			डोमचांच–ढ़ोढ़ाकोला–सपही–फगुनी पथ के 5 वें कि0मी0 में पुल की मरम्मति कार्य वित्तीय वर्ष 2024–25।	3000000.00	60000.00	5000.00	तीन माह।
3			पथ अवर प्रमण्डल, कोडरमा के कार्यालय सह कम्प्युटर भवन एवं अन्य भवन का साधारण मरम्मति एवं फर्निषिंग कार्य वित्तीय वर्ष 2024–25।	4000000.00	80000.00	5000.00	तीन माह।
4			पथ प्रमण्डल कोडरमा कार्यालय परिसर अन्तर्गत अवस्थित कर्मचारियों के आवास का विशेष मरम्मति कार्य वित्तीय वर्ष 2024–25।	4000000.00	80000.00	5000.00	तीन माह।

➢ निविदा की शर्तें कार्यालय के सूचना पट पर देखी जा सकती है।
1. प्राक्कलन की राशि घटने या बढ़ने पर अग्रधन एवं परिमाण विपत्र की राशि घट बढ़ सकती है।
2. कार्य का परिमाण विपत्र के क्रय हेतु पथ निर्माण विभाग का निबन्धन प्रमाण पत्र ,GSTiN, UCANसे संबंधित प्रमाण–पत्र की सुस्पष्ट प्रति संलग्न करना अनिवार्य होगा अन्यथा परिमाण विपत्र निर्गत नहीं किया जायेगा।
3- PWD कोड में संशोधन के फलस्वरुप 10 प्रतिशत न्यूनतम दर की अधिसीमा समाप्त कर दी गई है।

कार्यपालक अभियंता
प०नि०वि०पथ प्रमण्डलकोडरमा।

PR 336934 (Road) 24-25 (D)

झारखण्ड सरकार
श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग
औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान/महिला/कुडू/कुजरा/कैरो, लोहरदगा।
(Email Id- principalitilohardaga@gmail.com)

नामांकन सूचना

औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में First come First serve Basis पर Spot 2nd Round Online Admission हेतु रिक्त सीटो पर शैक्षणिक सत्र 2024–25–26 में नामांकन से संबंधित सूचना

निदेशालय, नियोजन एवं प्रशिक्षण, श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग, झारखण्ड, रॉंची के पत्रांक– 1503 दिनांक– 25.09.2024 के द्वारा इस जिले में अवस्थित सभी सरकारी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, कुजरा, लोहरदगा, औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, कुडू, लोहरदगा, महिला औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, लोहरदगा एवं LWE, औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, कैरो, लोहरदगा में शैक्षणिक सत्र– 2024–25–2026 में विभिन्न व्यवसायों में नामांकन हेतु 8वीं एवं 10वीं कक्षा में प्राप्तांक आधारित अन्तिम मेधा–सूचियों के आधार पर आयोजित की जाने वाली 2nd Online Spot Round counseling से संबंधित अति महत्वपूर्ण सूचना।

निदेशालय, नियोजन एवं प्रशिक्षण, झारखण्ड, रॉंची के अन्तर्गत संचालित उपरोक्त सभी वर्णित संस्थानों में शैक्षणिक सत्र– 2024–25–2026 में विभिन्न व्यवसायों में नामांकन के लिए रिक्त सीटों पर 2nd Spot Round counseling हेतु counseling एवं नामांकन का कार्यक्रम निम्नवत है:–

Time Schedule for spot 2nd round of online counselling & Admission			
Sl no.	Activity	Date	
		Date	To
1.	SPOT Round online Admission (Seat Allotment and Admission)	25.09.2024	30.09.2024

2. दिनांक– 25.09.2024 से 30.0.2024 तक उपरोक्त वर्णित सभी सरकारी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानो, में Spot Round Online Admission लिया जाएगा। Spot 2nd Round Online Admission के दौरान संबंधित औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, के विभिन्न व्यवसायों में रिक्त सीटो पर First come First serve Basis पर व्यवसाय/सीट का आवंटन कर नामांकन लिया जाएगा। Spot Round में Admission Module में निबंधित अभ्यर्थियों का ही औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों द्वारा नामांकन लिया जाएगा।
3. ऐसे अभ्यर्थी जिनका पूर्व में Portal में निबंधन नहीं हुआ है। वैसे इच्छुक अभ्यर्थी जो नामांकन के लिए सभी अहर्त्ता रखते हैं एवं वांछित दस्तावेज उनके पास उपलब्ध है तो उनका On the spot online registration करके संस्थान, द्वारा व्यवसाय/सीट का आवंटन एवं नामांकन किया जाएगा।
4. 10वीं पास/8वीं पास वाले अभ्यर्थी जिनका 10वीं/8वीं में समान अंक प्राप्त हुए है, ऐसी स्थिति में पोर्टल में पूर्व से निबंधित अभ्यर्थी को प्राथमिकता दी जायेगी।
5. रिक्त सीटों की जानकारी संबंधित संस्थान से सम्पर्क कर प्राप्त की जा सकती है।
6. नामांकन हेतु पूर्व में प्रकाशित की गई विज्ञापन में नामांकन हेतु जो निर्देश दी गई थी वो यथावत् रहेगी।

नोट– संस्थानों में संचालित व्यवसायों के रिक्त सीटो पर First come First serve Basis पर व्यवसाय/सीट का आवंटन कर नामांकन लिया जाएगा।

ह0/–
प्राचार्य
नोडल औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान,
कुजरा, लोहरदगा।

PR 337094 (Lohardaga) 24-25 (D)

नाट्य प्रतियोगिता मे संत मरियम विद्यालय रहा तीसरे स्थान पर

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि,मेदिनीनगर (पलामू)। स्थानीय नगर भवन में आयोजित दो दिवसीय नाट्य महोत्सव में शहर के लगभग 25 स्कूल के बच्चो ने भाग लिया। सभी के द्वारा एक से बढ़कर एक उम्दा नाटक की प्रस्तुति दिया गया। संत मरियम स्कूल के बच्चों ने भी समाज में व्याप्त डायन प्रथा पर नाटक प्रस्तुत कर तृतीय स्थान प्राप्त किया। सभी विजयी प्रतिभागियों को प्रथम महापौर श्रीमती अरुणा शंकर और अविनाश देव ने मेडल और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

मौके पर संत मरियम स्कूल के चेयरमैन अविनाश देव ने कहा की नाटक समाज में घट रही घटनाओं का प्रतिबिंब है । हम सभी समाज में व्याप्त कुरुतियो को नाटक के माध्यम से जागरूकता फैलाकर रोक सकते है।

उक्त मौके पर उपस्थित जन समूह ने आयोजकों की पूरी टीम का आभार व्यक्त किया।

सांसद रवि किशन ने कहा, झारखंड में क्यों राज कर रहे हैं घुसपैठिए क्यों एक समुदाय को बनाया जा रहा है मजबूत

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि,मेदिनीनगर (पलामू)। सांसद और फिल्मस्टार रवि किशन पलामू दौरे पर पहुंचे। वो यहां पार्टी की परिवर्तन यात्रा में शामिल हो रहे हैं।इस दौरान उन्होंने प्रदेश की हेमंत सरकार पर जमकर निशाना साधा।

झारखंड में घुसपैठिए राज कर रहे हैं! झारखंड में क्यों चरम पर है लव जिहाद।यह सवाल फिल्म स्टार सह गोरखपुर सांसद रवि किशन ने पलामू में किया है। रवि किशन पलामू में भारतीय जनता पार्टी की परिवर्तन यात्रा में भाग लेने के लिए पहुंचे।पांकी के विधायक डॉक्टर शशि भूषण मेहता के आवास पर मीडिया से बातचीत करते हुए रवि किशन ने झारखंड की सरकार पर कई टिप्पणियां की हैं। रवि किशन ने कहा कि झारखंड में बांग्लादेशी घुसपैठिए राज कर रहे है।लव जिहाद चरम पर है। उन्होंने कहा है कि आखिर इस हालात के लिए जिम्मेदार कौन है, इसका जवाब कौन देगा।झारखंड का राजा आदिवासी है, लेकिन आदिवासियों के खिलाफ ही षड्यंत्र रची जाती है और उनकी संपत्ति को लूटा जा रहा है। क्यों एक समुदाय की जनसंख्या कम हो रही है। यह किसकी साजिश है, क्यों एक समुदाय को ताकतवर बनाया जा रहा है।झारखंड में धर्म परिवर्तन लव जिहाद एवं घुसपैठिए के खिलाफ वक्त आ गया है जवाब देने का। यह जवाब वोट के माध्यम से दिया जाएगा। रवि किशन ने कहा कि झारखंड में लोगों को बालू नहीं मिल रहा है बालू माफिया राज कर रहे हैं।

हाईवे पर मूंगफली के तेल से भरे टैंकर में लगी आग... मची अफरातफरी; दमकल टीम ने पाया काबू

आगरा, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के आगरा में मंगलवार रात 12 बजे मूंगफली के तेल से भरे टैंकर के पहियों में आग लग गई। घटना हाईवे पर आईएसबीटी के पास की है। ट्रक सिकंदरा से वाटर वर्क्स की तरफ जा रहा था। लपटें देखकर चालक ने टैंकर को किनारे लगाकर रोका।

आसपास से गुजरते वाहन भी रुक गए। लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना पर पुलिस आ गई। नजदीक स्थित होटल से पाइप लेकर पानी डाला। आग कुछ हद तक काबू में आ गई। 15 मिनट बाद दमकल पहुंच गई। तब आग बुझ सकी।

इंस्पेक्टर न्यू आगरा ने बताया कि टैंकर गुजरात से कानपुर की तरफ जा रहा था। उसके पिछले पहियों में आग लगी थी। उसे काबू कर लिया गया। हाईवे पर कुछ देर के लिए वाहनों को रोका गया, बाद में यातायात शुरू कर दिया गया।

कम छात्र संख्या ने 64 परिषदीय विद्यालय के शिक्षकों की बढ़ाई चिंता

गजरौला (अमरोहा) , एजेंसी। परिषदीय विद्यालय में छात्रों की कम संख्या ने शिक्षकों की चिंता बढ़ा दी है। खंड शिक्षा अधिकारी ने कम छात्र संख्या वाले 64 विद्यालय के प्रधानाध्यापकों को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। जवाब नहीं देने पर उनके खिलाफ विभागीय कार्रवाई की चेतावनी दी है। परिषदीय विद्यालयों में मुफ्त पढ़ाई हो हो रही है। बच्चों को ड्रेस, जूता व मौजे मुफ्त दिए जा रहे हैं। मिडडे-मील दिया जाता है। इसके बावजूद कई स्कूलों में छात्र संख्या पर्याप्त नहीं है। जबकि, विद्यालय स्टाफ रैली निकालकर ग्रामीणों को अपने बच्चों का स्कूल में नामांकन कराने के लिए जागरूक भी करते हैं। मगर, परिणाम सकारात्मक नहीं आ रहे हैं। ब्लॉक क्षेत्र में 151 परिषदीय विद्यालय हैं। इनमें 64 विद्यालय ऐसे चिह्नित किए गए हैं, जिनमें छात्र संख्या बहुत कम है। कहीं पर इनकी संख्या दो अंक से भी नीचे है। जिसको लेकर विभाग के आला अफसर खफा हैं। उन्होंने छात्र संख्या कम वाले विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। उनसे पूछा है कि संख्या कम क्यों है। उनके क्षेत्र के बच्चे अन्य स्कूलों में पढ़ने क्यों जा रहे हैं। क्या उनकी पढ़ाई की गुणवत्ता अच्छी नहीं है। या उन्होंने बच्चों का परिषदीय विद्यालय में नामांकन कराने के लिए प्रयास नहीं किया। जिसका जवाब नहीं देने पर उनके खिलाफ विभागीय कार्रवाई की चेतावनी दी गई है।

कॉलेज के मैदान में घुसा तेंदुआ, वीडियो वायरल

मुरादाबाद , एजेंसी। गांव बादशाहपुर खेतों के पास स्थित किसान इंटर कॉलेज के मैदान में मंगलवार देर शाम तेंदुआ पहुंच गया। वहां से गुजर कार सवार युवकों की नजर तेंदुए पर पड़ी तो उन्होंने वीडियो बना ली। जिसे सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। कॉलेज के मैदान में तेंदुआ देखे जाने से ग्रामीणों में दहशत है। मंगलवार शाम पौने सात बजे के करीब कार सवार युवक नौगांवा सादात जा रहे थे। इस बीच उन्होंने बादशाहपुर इंटर कॉलेज के मैदान तेंदुआ देखा। जिसकी युवाओं ने वीडियो बना ली। युवक एक दूसरे से तेंदुए से डरने की बात करते हुए सुनाई दे रहे हैं। कार सवार युवकों ने कुछ दूर तक तेंदुए का पीछा तो तेंदुआ जंगल में जाकर छिप गया। शाम के समय तेंदुआ दिखने से लोगों में दहशत है। मामले की जानकारी वन विभाग को दे दी गई है। वीडियो बादशाहपुर इंटर कॉलेज के पास जंगल की बताई जा रही है। बता दें कि बीते शनिवार को तेंदुए का जोड़ा गजरौला के खजूरी स्थित प्राइमरी स्कूल के पास पहुंच गया था। जिसके बाद से वन विभाग सतर्क है। उधर, ग्रामीणों को भी लगातार सजग रहने के लिए कह रहा है।

गोंदुलपारा खनन परियोजना में रैयतों को मिलेंगे करीब 25 लाख रुपए प्रति एकड़

- सेक्शन 19 लगने की प्रक्रिया पूरी, सरकार के खाते में रैयतों के लिए जमा हुए 478 करोड़ रुपए
- बड़कागांव के बलोदर में 91.35 एकड़, गोंदुलपारा में 285.715 एकड़, गाली में 175.45 एकड़ जमीन और चंदौल में 161.99 एकड़ का होना है अधिग्रहण

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि

बड़कागांव (हजारीबाग)। गोंदुलपारा खनन परियोजना के तहत सेक्शन 19 लगाए जाने की प्रक्रिया पूरी हो गई है, जो खनन शुरू होने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस कदम से झारखंड में एक और खदान खुलने का रास्ता साफ हो गया है। इसके तहत मुआवजे की राशि प्रति एकड़ 24,56,986 रुपये होगी। इसके अलावा स्थानीय लोगों को रोजगार के अवसर मिलेंगे। इस परियोजना से जिले और राज्य को लगभग 500 करोड़ रुपए प्रतिवर्ष का राजस्व मिलने से प्रशासन अनेक लाभप्रद और कल्याणकारी कार्यक्रम शुरू कर सकेगा। परियोजना से प्रभावित लोगों के पुनर्वास के लिए चंदौल गांव में 161.99 एकड़ जमीन का अधिग्रहण होना है। इसके लिए हजारीबाग समाहरणालय में रैयतों को मुआवजे के रूप में दी जाने वाली 478 करोड़ रुपए की राशि जमा कर दी गई है।

झारखंड में 199 कोयला खदानें सालाना 15.6 करोड़ टन कोयला उत्पादित करते हुए देश की प्रगति और ऊर्जा सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करती हैं। देश में बढ़ रही निरंतर और किफायती बिजली की जरूरत के लिए कोयला खनन परियोजना का शुरू होना आवश्यक है। इसके साथ ही खनन आधारित अर्थतन्त्र वाले राज्य में एक और खनन परियोजना शुरू होने से रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और स्थानीय अर्थव्यवस्था मजबूत होगी। गोंदुलपारा परियोजना की प्रक्रिया के तहत बड़कागांव के बलोदर में 91.35 एकड़, गोंदुलपारा 285.715 एकड़, गाली में 175.45 एकड़ जमीन का अधिग्रहण किया जाना है। इसके चलते स्थानीय लोगों को अनेक लाभ मिलेंगे।

जमीन के बदले क्या मिलेगा?

- रैयतों को प्रति एकड़ भूमि के मुआवजा के रूप में 24,56,986 रूपये (गुणाक घटक-2, सांत्वना राशि 100 प्रतिशत एवं तीन वर्ष की ब्याज की राशि सहित) दिए जाएंगे।

भूमि पर स्थित परिसम्पतियों का भी मुआवजा मिलगा। इसके लिए राज्य सरकार का संबंधित विभाग उन सम्पत्तियों का मूल्यांकन करेगा, जिसके बाद उस राशि का दुगुना मुआवजा के रूप में दिया जाएगा।

विस्थापित परिवारों को तीन विकल्पों का लाभ मिलेगा, जिसके तहत वो कोई एक चुन सकते हैं।

विकल्प एक के तहत 10 लाख रुपए प्रति परिवार मिलेगा, जिससे वे खुद कहीं और निवास करने जा सकते हैं। नियमानुसार, प्रति परिवार में पति, पत्नी और उनके अवयस्क बच्चे शामिल होंगे। इसके अलावा परिवार में अगर 18 साल से ऊपर विवाहित या अविवाहित व्यक्ति हैं, तो उन्हें एक परिवार के रूप में माना जाएगा।दूसरे विकल्प के तहत पुनर्वास कॉलोनी में बना बनाया नया मकान दिया जाएगा और तीसरे विकल्प के तहत पुनर्वास कॉलोनी में जमीन का एक प्लॉट दिया जाएगा और पुनर्वास कॉलोनी में मकान के बदले सात लाख रुपए दिए जाएंगे।

मिलेंगे रोजगार के अनेक अवसर :विस्थापित होने वाले परिवारों को रोजगार के भी अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे, जिसके तहत प्रभावित परिवार अपनी प्राथमिकता के अनुसार रोजगार, मुआवजा और प्रति महीने भुगतान में से एक को चुन सकते हैं। प्रभावित परिवारों और प्रशासन के साथ परामर्श कर नियमानुसार तय किए हुए मुआवजे की रूपरेखा प्रभावित परिवार के एक सदस्य को समुचित प्रशिक्षण और कौशल विकास करने के बाद उनकी योग्यता एवं कम्पनी की आवश्यकता अनुसार नौकरी का प्रावधान है। इसके बदले प्रभावित परिवार एक मुश्त पांच लाख रूपये ले सकते हैं या फिर 20 वर्षों तक दो हजार रूपये प्रतिमाह भुगतान का चयन कर सकते हैं।

जीवन-यापन समेत अन्य कार्यों के लिए भी मिलेंगे रुपए : विस्थापित कुटुंबों (रैयत) को एक वर्ष की अवधि तक जीवन यापन के लिए अनुदान के रूप में हर महीने तीन हजार रुपए मिलेंगे।

विस्थापन के दौरान पुनर्वास भत्ते के रूप में 50 हजार रुपए, परिवहन खर्च के तहत 50 हजार रुपए और पशुबाड़ा के लिए भी अलग से 35 हजार रुपए (यानि 1,45,000 रुपए) प्रति परिवार दिया जाएगा।

कारीगरों, छोटे व्यापारियों, छोटी दुकान या स्वनियोजित व्यक्ति के प्रत्येक प्रभावित परिवार को पच्चीस हजार रूपये की एकमुश्त वित्तीय सहायता मिलेगी।

प्रभावित परिवारों को आवंटित जमीन या मकान के निबंधन के लिए स्टांप शुल्क और अन्य शुल्क खननकर्ता की ओर से दिए जाएंगे और आवंटित मकान के लिए भूमि पर कर नहीं लगेगा। यह उल्लेखनीय है कि जमीन या मकान पत्नी और पति दोनों के संयुक्त नाम में हो सकेगा।

फार्मासिस्ट डे पर आरकेडीएफ विश्वविद्यालय में कार्यक्रम आयोजित

पूर्वांचल सूर्य संवाददाता

रांची। आरकेडीएफ विश्वविद्यालय, रांची के फार्मास्यूटिकल साइंसेज संस्थान द्वारा फार्मासिस्ट डे के उपलक्ष्य में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य फार्मासिस्टों की महत्वपूर्ण भूमिका और स्वास्थ्य सेवाओं में उनके योगदान के बारे में जागरूकता फैलाना था।

कार्यक्रम की शुरुआत आरकेडीएफ विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. एस. चटर्जी द्वारा के उद्घाटन भाषण से हुई, जिसमें उन्होंने फार्मासिस्टों के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, ÷फार्मासिस्ट स्वास्थ्य सेवाओं का एक महत्वपूर्ण स्तंभ हैं। उनकी भूमिका न केवल दवाओं के वितरण तक सीमित है, बल्कि रोगियों की समग्र देखभाल में भी अहम योगदान देती है।÷

कार्यक्रम में फार्मास्यूटिकल साइंसेज के छात्रों और संकाय सदस्यों ने हिस्सा लिया। इस अवसर पर कई विशेषज्ञ वक्ताओं ने फार्मास्यूटिकल उद्योग में नई प्रगति, फार्मास्यूटिकल शिक्षा और शोध के बारे में चर्चा की। विभिन्न सत्रों के दौरान, फार्मासिस्टों की नई चुनौतियों और उनके समाधान पर भी विचार-विमर्श किया गया।

फार्मास्यूटिकल साइंसेज संस्थान के प्रधानाचार्य डॉ. फेडेलिक आशीष टोप्पो ने कहा, ÷फार्मासिस्ट डे केवल फार्मासिस्टों के लिए सम्मान का दिन नहीं है, बल्कि यह हमें उनकी जिम्मेदारियों और सेवाओं को याद दिलाने का एक अवसर भी है। हम अपने छात्रों को इस क्षेत्र में बेहतर प्रशिक्षण देने के लिए प्रतिबद्ध हैं ताकि वे भविष्य में समाज की बेहतर सेवा कर सकें।÷

कार्यक्रम के दौरान पोस्टर प्रतियोगिता, क्विज और व्याख्यान सत्र जैसे शैक्षणिक और सांस्कृतिक गतिविधियों का भी आयोजन किया गया। छात्रों ने फार्मास्यूटिकल क्षेत्र में नई खोजों और दवाओं के विकास पर अपने विचार प्रस्तुत किए।

फार्मासिस्ट डे के अवसर पर विशेष दंत स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया शिविर में विशेषज्ञ दंत चिकित्सक डॉ. आनंद ठाकुर की टीम ने प्रतिभागियों के दांतों की जांच की और उन्हें सही दंत देखभाल और उपचार के बारे में मार्गदर्शन दिया। शिविर में शिक्षक, शिक्षिका, विद्यार्थी की विशेष भागीदारी देखने को मिली।

आरकेडीएफ विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. अमित कुमार पांडेय ने इस कार्यक्रम की सराहना की और इस तरह के कार्यक्रमों को नियमित रूप से जारी रखने का आग्रह किया। ताकि छात्रों और समाज के लोगों के बीच फार्मास्यूटिकल क्षेत्र की जानकारी और जागरूकता बढ़ाई जा सके।

एन एच आई के लापरवाही पर बिफरे यशवंत सिन्हा, सैकड़ों समर्थकों संग चौपारण के ब्लौक मोड़ पर बैठे धरने पर

- सड़क दुघर्टनाओं का स्थाई समाधान निकालने का आश्वासन दिया एन एच आई के पदाधिकारियों ने एन एच आई के पदाधिकारियों से वार्ता के बाद धरना हुआ समाप्त
- मृतक प्रीतम केशरी के परिजनों से भी मिले, कहा हर संभव मदद करने का करूंगा प्रयास

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि

चौपारण(हजारीबाग)। भारी वर्षा भी नही डीगा सकी पूर्व सांसद सह केंद्रीय वित्त एवं विदेश मंत्री के दूढ़ इरादे को।अपने पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार पूर्व सांसद सह केंद्रीय वित्त विदेश मंत्री यशवंत सिन्हा सैकड़ों समर्थकों के साथ चौपारण पहुंचे। सबसे पहले सड़क दुघर्टना में मृत प्रीतम केशरी के शोकाकुल परिजनों से मिलकर उन्हें हर संभव मदद करने का आश्वासन दिया।साथ ही एन एच आई के लापरवाह रवैए पर बिफरते हुए ब्लौक मोड़ पर समर्थकों के साथ धरने पर बैठ गए और कहा कि एन एच के जवाबदेह पदाधिकारियों के आने और ठोस कदम उठाने पर ही धरना समाप्त होगा। यशवंत सिन्हा के तेवर से पदाधिकारियों में हड़कंप मच गया और कुछ छोटे स्तर के अधिकारी मान मनौव्वल का प्रयास करने लगे। परंतु भारी वर्षा और पदाधिकारियों के अनुनय विनय के बावजूद दृढ़ संकल्पित यशवंत नहीं माने। अंततः एन एच आई, रिलायंस कंपनी, कंस्ट्रक्शन कंसल्टेंट और टीम लीडर जैसे पदाधिकारियों की उपस्थिति में अनेक मांगों पर सहमति बनी ,तब धरना तीन घंटे बाद समाप्त किया गया।एन एच आई ने दनुआ एक्सीडेंट जोन में सुधार के लिए 15 दिन, दुर्घटना संभावित क्षेत्रों में रोड शाइनेज बोर्ड के 15 दिन, चौपारण बाजार में वाहनों की गति सीमा 20किमी प्रति घंटा,दनुआ घाटी में 40 किमी प्रति घंटा, चतरा मोड़, ब्लौक मोड़,चैथी मोड़, केन्दुआ मोड़ पर फ्लैग मैन की व्यवस्था, और सड़क दुघर्टना में मृत प्रीतम केशरी सहित अन्य दुर्घटना प्रभावित परिवारों को मोटर व्हीकल एक्ट के तहत उचित मुआवजा दिलाने का आश्वासन दिया है। कार्यक्रम में राजेश सहाय, पत्रकार मुकेश सिंह,सुरेन्द्र सिन्हा,अनील सिन्हा , प्रकाश मिश्रा, शैलेन्द्र सिन्हा,उदय कुमार सिन्हा ,केदार यादव, हाजी अख्तर अली, आशीष सिंह ,बाबू खान, हिमांशु सिन्हा,सारीक अख्तर उर्फ भुन्नू, मुखिया प्रतिनिधि अभिमन्यु भगत, बब्लू सिंह, मुकेश सिंह, मिन्हाज मेहंदी सहित कई लोग शामिल थे।

सीसीएल गांधीनगर अस्पताल में हृदय रोग निश्शुल्क चिकित्सा शिविर कल

यशोदा अस्पताल के सीनियर कार्डियोलॉजिस्ट डॉ.कश्यप व्यास की सेवा होगी उपलब्ध

पूर्वांचल सूर्य संवाददाता

रांची। सीसीएल के केन्द्रीय अस्पताल, गांधीनगर, काँके रोड, राँची में शुक्रवार को प्रातः 9 बजे से निश्शुल्क हृदय रोग संबंधी चिकित्सीय शिविर (कार्डियक क्लिनिक) का आयोजन किया जा रहा है। इस चिकित्सीय शिविर में यशोदा ग्रुप के अस्पताल, हैदराबाद के प्रसिद्ध चिकित्सक डॉ. कश्यप व्यास (सीनियर इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजिस्ट) हृदय रोग से ग्रसित मरीजों का जाँच करेंगे एवं चिकित्सीय सलाह देंगे।

हृदय रोग से ग्रसित सभी मरीज इस निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का लाभ उठा सकते हैं। मरीज के पास यदि पुराने ईलाज की रिर्पोट/जाँच के पेपर हों तो उसे अवश्य अपने साथ लाये।

सीएमडी, सीसीएल, श्री निलेन्दु कुमार सिंह के मार्गनिर्देशन में सीसीएल ने अपने कर्मियों के साथ-साथ समाज के हर वर्ग के लिए चिकित्सा सेवा मुहैया कराने के लिए कृतसंकल्पित है। इसके लिए सीसीएल द्वारा नियमित तौर पर देश के ख्याति प्राप्त विशेषज्ञ चिकित्सकों को आमंत्रित कर विभिन्न बीमारियों से संबंधित स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जाता है। शिविर का उद्देश्य है कि जरूरतमंद परिवारों को गंभीर बीमारी के अत्याधुनिक ईलाज की सुविधा उनके घर के निकट ही प्राप्त हो सके तथा इससे अधिक से अधिक लोग लाभान्वित हो सके।

वैष्णो देवी और शिरडी साई मंदिर के बराबर पहुंची राममंदिर की सालाना

अयोध्या। रामलला के दरबार में हाजिरी लगाने पहुंच रहे भक्त रामलला को निधि समर्पण भी करते हैं। जिसके चलते मंदिर निर्माण शुरू होने के कुछ ही वर्षों में राममंदिर की सालाना कमाई देश के प्रतिष्ठित मंदिरों वैष्णोदवी, शिरडी साई मंदिर व स्वर्ण मंदिर के बराबर पहुंच गई है। भक्त रामलला को दिल खोलकर दान कर रहे हैं। बीते वित्तीय वर्ष में रामलला को 363 करोड़ का दान विभिन्न माध्यमों से प्राप्त हुआ है। इस पर मिले ब्याज को मिलाकर मंदिर की सालाना आय 400 करोड़ पहुंच गई है।

नौ नवंबर 2019 को रामलला के हक में निर्णय आने के बाद पांच अगस्त 2020 को पीएम नरेंद्र मोदी ने राममंदिर निर्माण के लिए आधारशिला रखी थी। जब से राममंदिर निर्माण के लिए भूमिपूजन शुरू हुआ उसी दिन से रामभक्तों ने निधि समर्पित करनी शुरू दी। पिछले पांच सालों में रामलला को विभिन्न माध्यमों से 55 अरब का दान प्राप्त हुआ। जबकि 13 क्विंटल चांदी और 20 किलो सोना भी मिला है। रामलला को ऑनलाइन, नगदी, चेक, आरटीजीएस के माध्यम से दान प्राप्त होता है। साथ ही विदेशी दान भी रामलला को प्राप्त होने लगा है। पिछले एक साल में करीब 15 करोड़ का विदेशी दान भी रामलला को प्राप्त हुआ है।

राममंदिर के ट्रस्टी डॉ अनिल मिश्र बताते हैं कि रामलला को भक्त राम जन्मभूमि सेवा केंद्र स्थित दान काउंटर पर दान अर्पित करते हैं। इसके अलावा दर्शन पथ पर दान काउंटर बने हैं। राम कचहरी स्थित मंदिर में स्थित ट्रस्ट कार्यालय पर दान लिए जाते हैं। मंदिर परिसर में रामलला के दान पात्र में भक्त चढ़ावा अर्पित करते हैं। इसके अलावा ऑनलाइन माध्यमों से भी भक्त श्रद्धा अर्पित करते हैं। राममंदिर में सभी सुविधाएं निश्शुल्क हैं। किसी भी सुविधा के लिए कोई शुल्क नहीं लिया जाता है।

मंईयां सम्मान यात्रा तीसरे दिन पहुंचा मनिका

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि,मनिका/लातेहार। झारखंड सरकार के द्वारा सोमवार से शुरू हुई मईया सम्मान यात्रा के तहत बुधवार को मनिका हाई स्कूल के मैदान में झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की पत्नी सह गांडेय विधानसभा क्षेत्र की विधायक कल्पना सोरेन, झारखंड सरकार के मंत्री बेबी देवी, दीपिका पांडे, बैद्यनाथ राम,मनिका विधायक रामचंद्र सिंह ने कार्यक्रम मे उपस्थित रहे। सभा को संबोधित करते हुए कल्पना सोरेन ने कहा कि झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से लोग खुश है। वहीं कल्पना सोरेन ने मईया सामान की लाभुकों को झारखंड सरकार में सम्मान देने का काम किया है। झारखंडी माताएं जितिया के पर्व मे उपवास करने के बावजूद इतना भारी तादाद में जुटे हुए हैं। हेमंत सोरेन का दुलार प्यार दिखता है। मौके पर लातेहार उपायुक्त गरिमा सिंह, एसपी कुमार गौरव,उप विकास आयुक्त सुरजीत सिंह, प्रखंड विकास पदाधिकारी मनोज कुमार तिवारी, अंचल अधिकारी संतोष शुक्ला, कांग्रेस जिला अध्यक्ष मुनेश्वर उरांव, झामुमो जिला अध्यक्ष लाल मोतीनाथ, सहदेव सुरेंद्र पासवान, विश्वनाथ पासवान, दरोगी यादव ,तस्लीम अंसारी, संदीप उरांव, मुरारी ठाकुर, सिकेश्वर राम समेत कई लोग उपस्थित थे। वहीं पूरे कार्यक्रम में महागठबंधन के अंग राष्ट्रीय जनता दल के कोई कार्यकर्ता एवं नेता नहीं दिखे। और नहीं कार्यक्रम में राष्ट्रीय जनता दल का झंडा दिखा। बाकी कांग्रेस और झारखंड मुक्ति मोर्चा के झंडा संग संग लगे हुए देखा गया।

सूचना एवं जन–सम्पर्क कार्यालय, सिमडेगा
E-Mail ID – iprdsimdega@gmail.com

पत्रांक ..../सू0ज0सं0, सिमडेगा दिनांक ....

किराया हेतु वाहन कोटेशन आमंत्रण सूचना

जिला जन–सम्पर्क कार्यालय, सिमडेगा में जनसम्पर्कीय कार्य हेतु मासिक दर पर भाडे में बोलेरो नियो की आवश्यकता है। वाहन मालिक प्रति माह अधिकत्म 1000 (एक हजार) कि.मी. तक वाहन किराया, ईधन, चालक सहित मेंटेनेस का दर तथा एक हजार किलोमीटर से अधिक चलने की स्थिति में प्रति किलोमीटर ईंधन का दर के साथ बंद लिफाफे में दिनांक– 04/10/2024 के अपराहन् 3:00 बजे तक कार्यालय में उपलब्ध कराना सुनिश्चित् करेंगे। वाहन बोलेरो नियो के प्राप्त न्यूनतम दर पर वाहन रखें जाएँगे। जिसके परिचालन की कार्यावधि निश्चित् नहीं होगी।संतोषजनक सेवा पर ही परिचालन सतत् किया जा सकेगा।

जिला जन–सम्पर्क पदाधिकारी,
सिमडेगा

PR 337106 (Simdega)24-25*D

संपादकीय

राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग को कड़ी फटकार

सरकारी कामकाज हो या फिर व्यावसायिक या निजी काम, निष्पक्षता का पैमाना हर जगह होना चाहिए। अपने प्रभुत्व का अहसास कराने या दुर्भावना से किसी मामले को बेवजह उलझाने की कोशिश किसी भी सूरत में उचित नहीं कही जा सकती। उच्चतम न्यायालय के एक ताजा फैसले ने इस तथ्य को और पुख्ता कर दिया है। शीर्ष अदालत ने एक मेडिकल कालेज में सीट बढ़ाने की मंजूरी से जुड़े मामले में राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) को कड़ी नसीहत दी है।अदालत ने अपने फैसले में कहा कि एनएमसी सरकार का एक अंग है और उससे निष्पक्ष और तर्कसंगत तरीके से काम करने की अपेक्षा की जाती है। किसी संस्थान को मंजूरी के लिए एक अदालत से दूसरी अदालत का चक्कर लगवाना सिर्फ परेशान करने का प्रयास है। न्यायालय ने एनएमसी और अन्य याचिकाकर्ताओं पर दस लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया है।यह बात छिपी नहीं है कि लोगों को छोटे-छोटे कामों के लिए सरकारी कार्यालयों के कई बार चक्कर काटने पड़ते हैं। अक्सर उन्हें कथित जरूरी औपचारिकताओं में इतना उलझा दिया जाता है कि वे बुरी तरह हताश हो जाते हैं। शीर्ष अदालत पहुंचा मेडिकल कालेज का मामला भी सरकारी संस्थाओं की इसी परिपाटी का उदाहरण है। इस कालेज को 'मेडिकल असेसमेंट ऐंड रेटिंग बोर्ड' की ओर से पहले शैक्षणिक सत्र 2023-24 के लिए सीट की संख्या बढ़ाने की मंजूरी दी गई और कुछ माह बाद तकनीकी कारणों का हवाला देते हुए उसे वापस ले लिया गया।पिछले वर्ष अक्तूबर में उच्चतम न्यायालय ने देश के कुछ चिकित्सा महाविद्यालयों में प्रशिक्षु चिकित्सकों को देय अनिवार्य भत्ते का भुगतान न करने के मामले में भी राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग को कड़ी फटकार लगाई थी। उसका कहना था कि प्रशिक्षु चिकित्सक सोलह से बीस घंटे काम कर रहे हैं और उन्हें भत्ते का भुगतान न होने पर आयोग की ओर से अब तक संज्ञान क्यों नहीं लिया गया?

मगर, सवाल है कि क्या चुनिंदा मामलों में न्यायपालिका के फैसलों से सरकारी कामकाज में निष्पक्षता और पारदर्शिता सुनिश्चित हो पाएगी? जाहिर है कि जब तक शासन के स्तर पर इस मामले में दृढ़ इच्छाशक्ति का अभाव रहेगा, तब तक व्यापक सुधार की उम्मीद धुंधली ही रहेगी।

योग अनेक असाध्य बीमारियों को नियंत्रित करने में मददगार साबित हो रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं उनकी सरकार को देश-विदेश में योग को प्रतिष्ठित करने तथा एलोपैथी व अन्य भारतीय चिकित्सा विधाओं में समन्वय की दिशा में सार्थक पहल करने का श्रेय दिया जाना चाहिए। उनके प्रयत्नों से भारतीय योग एवं ध्यान के माध्यम से भारत दुनिया में गुरु का दर्जा एवं एक अनूठी पहचान हासिल करने में सफल हो रहा है। आज हर व्यक्ति एवं परिवार अपने दैनिक जीवन में अत्यधिक तनाव/दबाव एवं अनिद्रा महसूस कर रहा है। हर आदमी संदेह, अंतर्द्वंद्व और मानसिक उथल-पुथल की जिंदगी जी रहा है। मनुष्य के सम्मुख जीवन का संकट खड़ा है। मानसिक संतुलन अस्त-व्यस्त हो रहा है।

योग एवं योग-निद्रा के चमत्कारी प्रभाव से वैज्ञानिक सहमत

(ललित गर्ग)

विज्ञान ने यह प्रमाणित कर दिया है- जो व्यक्ति स्वस्थ रहना चाहता है, उसे योग को अपनाना होगा। बार-बार क्रोध करना, चिड़चिड़ापन आना, नींद न आना, मूड का बिगड़ते रहना- ये सारे भाव हमारी समस्याओं से लड़ने की शक्ति को प्रतिहत करते हैं।

विश्व में भारतीय योग की प्रासंगिकता एवं उपयोगिता दिनोंदिन बढ़ती जा रही है, योग के चमत्कारी प्रभावों को अब विज्ञान भी स्वीकारने लगा है। अमेरिका, यूरोप व खासकर चीन में योग को लेकर बड़े शोध किए जा रहे हैं। कुछ समय पहले नोबेल पुरस्कार के सम्मानित एक अमेरिकी न्यूरो सर्जन ने माना था कि प्राणायाम मानसिक रोगों के उपचार में सबसे ज्यादा प्रभावी है। हाल ही में आईआईटी व एम्स दिल्ली द्वारा एमआरआई के जरिये कराये गए एक अध्ययन में इस बात की पुष्टि हुई कि योग निद्रा से न केवल नींद की गुणवत्ता बढ़ती है बल्कि मन के भटकाव को रोककर नींद को भी नियंत्रित किया जा सकता है। योग अनेक असाध्य बीमारियों को नियंत्रित करने में मददगार साबित हो रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं उनकी सरकार को देश-विदेश में योग को प्रतिष्ठित करने तथा एलोपैथी व अन्य भारतीय चिकित्सा विधाओं में समन्वय की दिशा में सार्थक पहल करने का श्रेय दिया जाना चाहिए। उनके प्रयत्नों से भारतीय योग एवं ध्यान के माध्यम से भारत दुनिया में गुरु का दर्जा एवं एक अनूठी पहचान हासिल करने में सफल हो रहा है।

आज हर व्यक्ति एवं परिवार अपने दैनिक जीवन में अत्यधिक तनाव/दबाव एवं अनिद्रा महसूस कर रहा है। हर आदमी संदेह, अंतर्द्वंद्व और मानसिक उथल-पुथल की जिंदगी जी रहा है। मनुष्य के सम्मुख जीवन का संकट खड़ा है। मानसिक संतुलन अस्त-व्यस्त हो रहा है। मानसिक संतुलन का अर्थ है विभिन्न परिस्थितियों में तालमेल स्थापित करना, जिसका सशक्त एवं प्रभावी माध्यम योग ही है। योग एक ऐसी तकनीक है, एक विज्ञान है जो हमारे शरीर, मन, विचार एवं आत्मा को स्वस्थ करती है। यह हमारे तनाव एवं कुंठा को दूर करती है। जब हम योग करते हैं, श्वासों पर ध्यान केन्द्रित करते हैं, प्राणायाम और कसरत करते हैं तो यह सब हमारे शरीर और मन को भीतर से खुश और प्रफुल्लित रहने के लिये प्रेरित करती है। नये शोध से तथ्य सामने आया है कि नियमित योग व ध्यान करने वाले प्रतिभागियों की नींद को नियंत्रित करने की क्षमता सामान्य प्रतिभागियों से अधिक पायी गई। इस नये वैज्ञानिक शोध में ऐसे कई महत्वपूर्ण खुलासे हुए। निस्संदेह, जिन लोगों को कई तरह के मनोकायिक रोग होते हैं, उनके लिये योग निद्रा रामबाण सिद्ध हो सकती है। यही वजह है कि अमेरिका व आस्ट्रेलिया आदि देशों में व्यावसायिक तनाव कम करने हेतु योग निद्रा पर जोर दिया जाता है। दिल्ली में हुए शोध में योग निद्रा से चेतना के उच्चतम स्तर को हासिल करने के तथ्य को भी स्वीकारा गया। शोधकर्ताओं ने माना कि योग निद्रा के जरिये गहरे अवचेतन मन में दबी कुंठाओं को मानसिक सतह पर लाकर, कालांतर उनसे मुक्ति में मदद मिलती है। जिससे व्यक्ति की सेहत में सुधार होता है। पिछले दिनों कनाडा के ओंटेरियो यूनिवर्सिटी में हुए एक अध्ययन के अनुसार कुंठा और तनाव के लगभग 64 प्रतिशत मरीजों ने माना कि उन्हें इस बात का अंदाज नहीं था कि उनकी खास बीमारी की

वजह अंदर दबा गुस्सा हो सकता है। यह गुस्सा दूसरों की वजह से शुरू होता है और अंततः इसे आप अपने ऊपर निकालने लगते हैं। कुछ मामलों में मरीजों ने अपने आपको नुकसान भी पहुंचाया।

विज्ञान ने यह प्रमाणित कर दिया है- जो व्यक्ति स्वस्थ रहना चाहता है, उसे योग को अपनाना होगा। बार-बार क्रोध करना, चिड़चिड़ापन आना, नींद न आना, मूड का बिगड़ते रहना- ये सारे भाव हमारी समस्याओं से लड़ने की शक्ति को प्रतिहत करते हैं। इनसे ग्रस्त व्यक्ति बहुत जल्दी बीमार पड़ जाता है। हमें अपनी भीतरी योग्यताओं और क्षमताओं को किसी दायरे में बांधने से बचना होगा। ऐसा तब होगा, जब हम योग को अपनी जीवनशैली बनायेंगे। हमारी हजारों साल के योग की विरासत की सार्थकता निर्विवाद है। लेकिन प्रगतिशील कहे जाने वाले एक तबके का तर्क होता है कि योग को विज्ञान की कसौटी पर कसा जाए। इसी के मध्यनजर तरह-तरह के शोध एवं अनुंसधान योग को लेकर हो रहे हैं, अब आईआईटी व एम्स दिल्ली के शोध में यह बात सामने आयी है कि योग से आराम के गहरे अहसास होते हैं। दरअसल, योग निद्रा सोने और जागने के बीच एक सचेतन अवस्था है। जिसका उपयोग योगी ध्यान साधना के लिये करते रहे हैं। योग निद्रा की मानसिक सेहत के लिये उपयोगिता निर्विवाद रही है। शोध के दौरान बनाये गए दो समूहों में से नियमित योग करने वाले समूह के लोगों के मस्तिष्क के पैटर्न के तुलनात्मक अध्ययन से पता चला कि योग निद्रा हमारे मस्तिष्क को कैसे नियंत्रित करती है। योगी बताते हैं कि कुछ मिनटों की योग निद्रा कई घंटे की सामान्य नींद के मुकाबले ज्यादा आराम देने वाली होती है। व्यक्ति धीरे-धीरे योग निद्रा की अवधि बढ़ाकर बेहतर परिणाम प्राप्त कर सकता है। वहीं यह हमारे ध्यान को गहरा बनाने में भी मददगार साबित हो सकती है।

अभी कुछ दिन पहले ही एक बात समाचारपत्रों में पढ़ी कि कैंसर क्यों होता है, इसके कई कारण हैं। एक कारण यह है कि जो लोग मस्तिष्क का सही उपयोग करना नहीं जानते उनके कैंसर हो सकता है। मस्तिष्क विज्ञानी तो यह भी कहते हैं कि मस्तिष्क की शक्तियों का केवल चार या पांच प्रतिशत उपयोग आदमी करता है, शेष शक्तियां सुप्त पड़ी रहती है। यह भी कहा जाता है कि कोई मस्तिष्क की शक्तियों का उपयोग सात या आठ प्रतिशत करने में समर्थ हो जाए तो वह दुनिया का सुपर जीनियस बन सकता है। इस आधार पर तो हम यही कह सकते हैं कि हम अपने मस्तिष्क का सही और पूरा उपयोग करना नहीं जानते। चाहे कर्म का क्षेत्र हो या धर्म का क्षेत्र हो, दोनों में हम पिछड़े हुए हैं। सबसे पहले हमारी जानकारी मस्तिष्क विद्या के बारे में होनी चाहिए। योग विद्या भारत की सबसे प्राचीन विद्या है। योगविद्या के आचार्यों ने मस्तिष्क विद्या से दुनिया का परिचय कराया था।

बहुत सारी शारीरिक एवं मानसिक समस्याएं अज्ञान के कारण पैदा होती हैं। शरीर और उसके विभिन्न अवयवों के बारे में जानकारी के अभाव में आदमी के सामने अनेक शारीरिक कठिनाइयां खड़ी हो जाती हैं। हमारे मस्तिष्क में एक पर्त है एनीमल ब्रेन की। वह पर्त सक्रिय होती है तो आदमी का व्यवहार पशुवत हो जाता है। जितने भी हिंसक और नकारात्मक भाव हैं, वे इसी एनीमल ब्रेन की सक्रियता का परिणाम है। इसे संतुलित करने का माध्यम योग है। शारीरिक, मानसिक और अध्यात्मिक शांति एवं स्वस्थ्यता के लिये योग की एकमात्र रास्ता है। लेकिन भोगवादी युग में योग का इतिहास समय की अनंत गहराइयों में छुप गया है। वैसे कुछ लोग यह भी मानते हैं कि योग विज्ञान वेदों से भी प्राचीन है। दुनिया में भारतीय योग को परचम फहराने वाले स्वामी विवेकानंद कहते हैं- ''निर्मल हृदय ही सत्य के प्रतिबिम्ब के लिए सर्वोत्तम दर्पण है। इसलिए सारी साधना हृदय को निर्मल करने के लिए ही है। जब वह निर्मल हो जाता है तो सारे सत्य उसी क्षण उसमें प्रतिबिम्बित हो जाते हैं।... पावित्र्य के बिना आध्यात्मिक शक्ति नहीं आ सकती। अपवित्र कल्पना उतनी ही बुरी है, जितना अपवित्र कार्य।'' आज विश्व में जो आतंकवाद, हिंसा, युद्ध, साम्प्रदायिक विद्धेष की ज्वलंत समस्याएं खड़ी है, उसका कारण भी योग का अभाव ही है।

हम जितना ध्यान रोगों को ठीक करने में देते हैं, उतना उनसे बचने में नहीं देते। दवा पर जितना भरोसा रखते हैं, उतना भोजन, संतुलित जीवन एवं श्वासों पर नहीं रखते। यही कारण है रोग पीछा नहीं छोड़ते। योग एवं ध्यान एक ऐसी विधा है जो हमें भीड़ से हटाकर स्वयं की श्रेष्ठताओं से पहचान कराती है। हममें स्वयं पुरुषार्थ करने का जज्बा जगाती है। स्वयं की कमियों से रू-ब-रू होने को प्रेरित करती है। स्वयं से स्वयं का साक्षात्कार कराती है। आज जरूरत है कि हम अपनी समस्याओं के समाधान के लिये औरों के मुंहताज न बने। ऐसी कोई समस्या नहीं है जिसका समाधान हमारे भीतर से न मिले। हमारे भीतर ऐसी शक्तियां हैं, जो हमें बचा सकती हैं। योग, संकल्प एवं संयम की शक्ति बहुत बड़ी शक्ति है।

लेखक, पत्रकार, स्तंभकार हैं।

छोटे कार्यकाल में भी बड़ी चुनौतियां होंगी आतिशी की राह में

(गुलशन राय खत्री)

अरविंद केजरीवाल के बाद मुख्यमंत्री बनीं आतिशी का कार्यकाल भले ही छोटा रहे लेकिन उनकी चुनौतियां बड़ी होंगी। उन्हें न सिर्फ विपक्षी पार्टियों के 'डमी' मुख्यमंत्री का तंज झेलना होगा बल्कि उन्हें इस छोटे से कार्यकाल में ऐसे फैसले भी लेने होंगे, जिससे कि आगामी विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी की राह आसान बने। यही नहीं, अगले विधानसभा चुनाव के नतीजे अगर उम्मीद के मुताबिक नहीं आए तो उसकी जिम्मेदारी भी उन पर ही होगी।

हालांकि आम आदमी पार्टी ये लगातार दावा करती रही है कि जमानत देने के साथ ही कोर्ट ने अरविंद केजरीवाल पर कामकाज के लिए कोई रोक नहीं लगाई लेकिन इसके बावजूद केजरीवाल ने एक रणनीति के तहत आतिशी को मुख्यमंत्री पद सौंप दिया। इसकी वजह ये थी कि केजरीवाल जानते थे कि चुनाव से ऐन पहले एक तौर उनकी अगुवाई वाली कैबिनेट के फैसलों की वैधता को लेकर चुनौती दी जा सकती है, जिससे कि ऐसे फैसले लेना मुश्किल हो जाएगा, जो वे चुनाव से पहले लेना चाहते हैं। इसी वजह से आतिशी की अगुवाई में नई सरकार के गठन की तैयारी की गई।

दिल्ली में विधानसभा चुनाव में बेहद कम वक्त बचा है। ऐसे में आतिशी पर ये जिम्मेदारी होगी कि वे वही सब काम करें, जो अरविंद केजरीवाल बतौर मुख्यमंत्री करना चाहते थे। हालांकि कानूनी बाधाओं की वजह से वे नहीं कर पा रहे थे। ऐसे में आतिशी के लिए ये जरुरी होगा कि वे न सिर्फ वो फैसले लें बल्कि अफसरशाही के साथ इस तरह से तालमेल बिठाएं कि उन फैसलों को चुनाव से पहले जमीन पर उतारा भी जाए ताकि चुनाव में पार्टी को फायदा मिल सके।

अब आतिशी के लिए केजरीवाल और आम आदमी पार्टी की उम्मीदों के अनुरूप सरकार चलाने की जिम्मेदारी होगी। उन्हें न सिर्फ तेजी से फैसले लेने होंगे बल्कि ये फैसले इस तरह से करने होंगे ताकि उन पर अमल करने में रोड़े न अटकाए जा सकें। खुद आम आदमी पार्टी आरोप लगाती रही है कि 'राजनिवास' बीजेपी के इशारे पर उन्हें काम नहीं करने दे रहा और अफसर भी उनकी राह में बाधा खड़ी करते हैं। इसके अलावा आने वाले दिनों में जैसे चुनाव नजदीक आएंगे, आतिशी को विपक्षी पार्टियों के हमलों का भी सामना करना पड़ेगा।ऊपर व्यक्त विचार लेखक के अपने हैं।

बंगलादेश में हिन्दुओं के साथ हैवानियत बर्बरता और नफरत कब तक?

मनोज कुमार अग्रवाल

शेख हसीना के प्रधानमंत्री पद से इस्तीफे के बाद बांग्लादेश में वहां की बड़ी अल्पसंख्यक हिन्दू आबादी पर बहुसंख्यक कट्टरपंथी तत्वों द्वारा अमानवीयता भरी बर्बरता हैवानियत भरे अत्याचार का सिलसिला बेहद शर्मनाक है और बदस्तूर जारी है। सेंटर फॉर डेमोक्रेसी, प्लुरलिज़्म एंड ह्यूमन राइट्स द्वारा बांग्लादेश में हाल ही में अल्पसंख्यकों पर हो रहे अत्याचारों और राजनीतिक उथल-पुथल पर आधारित एक रिपोर्ट पेश की है । कॉन्स्टिट्यूशन क्लब ऑफ इंडिया, नई दिल्ली में हाल ही में यह रिपोर्ट रखी गई , जहां पूर्व सांसद एवं वरिष्ठ पत्रकार श्री स्वपन दासगुप्ता और जाने माने चिंतक दीप हलदर (लेखक, बीइंग हिंदू इन बांग्लादेश)श्री अभिजीत मजूमदार (प्रख्यात पत्रकार) ने रिपोर्ट पर गहरी चिंता जताई है ।

इस रिपोर्ट में बांग्लादेश में पिछले कुछ महीनों में घटित घटनाओं पर प्रकाश डाला गया, जिसमें 5 जून 2024 को छात्र विरोध प्रदर्शनों से शुरू हुए राजनीतिक संकट का विवरण है। इन विरोधों ने एक बड़े आंदोलन का रूप ले लिया, जिसके परिणामस्वरूप बांग्लादेश में सत्ता परिवर्तन हुआ। रिपोर्ट के अनुसार, शेख हसीना के देश छोड़ने के बाद से, धार्मिक अल्पसंख्यकों, खासकर हिंदू समुदाय, पर सुनियोजित हमले हुए। रिपोर्ट में बताया गया कि 5 अगस्त 2024 तक 27 जिलों में अल्पसंख्यकों के घरों और व्यवसायों पर हमला हुआ, और 8 अगस्त तक यह संख्या 52 जिलों तक पहुंच गई।

रिपोर्ट में बताया गया कि सत्ता परिवर्तन के बाद बांग्लादेश के विभिन्न जिलों में हिंदू समुदाय पर हमले बढ़े। 205 से अधिक हिंदू-विरोधी घटनाओं की पुष्टि हुई, जिनमें लूटपाट, आगजनी, और हिंसा शामिल थी। इन घटनाओं को लेकर सीडीपीएचआर ने बांग्लादेश सरकार और अंतर्राष्ट्रीय समुदाय से अपील की कि वे इन हिंसात्मक घटनाओं की जांच करें और अल्पसंख्यक समुदाय की सुरक्षा सुनिश्चित करें। पूर्व सांसद स्वपन दासगुप्ता ने बांग्लादेश में हो रही इन घटनाओं पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि यह घटनाएं बांग्लादेश के धार्मिक और सामाजिक ताने-बाने को कमजोर कर रही हैं। उन्होंने वैश्विक समुदाय से इन घटनाओं का संज्ञान लेने और इस संकट का समाधान निकालने की अपील की।वहीं दीप हलदर ने बांग्लादेश में हिंदू समुदाय पर हो रहे अत्याचारों की निंदा की और कहा कि शेख हसीना के शासनकाल में भी अल्पसंख्यक समुदाय पर हमले हुए, लेकिन वर्तमान स्थिति बेहद गंभीर है। उन्होंने बांग्लादेश में हो रहे धर्मांतरण और लव जिहाद जैसी समस्याओं पर भी चिंता जताई।

पं. दीनदयाल उपाध्याय ने कहा कि हमारे प्रयास और हमारी विकास की योजनाएं ऐसी हों कि समाज के अंतिम पंक्ति के अंतिम व्यक्ति का विकास पहले हो। समाज के उपेक्षित व शोषित व्यक्ति को समाज की मुख्य धारा से जोड़कर आर्थिक समानता स्थापित करने का काम अन्त्योदय के सिद्धांत से ही हो सकता है। पं. दीनदयाल जी ने इस आर्थिक असमानता को दूर करने के लिए ''अंत्योदय'' के सिद्धांत का प्रतिपादन करते हुए कहा कि ''हमारी भावना और सिद्धांत है कि वह मैले कुचैले, अनपढ़ लोग हमारे नारायण हैं, हमें इनकी पूजा करनी है, यह हमारा सामाजिक व मानव धर्म है। जिस दिन हम इनको पक्के सुंदर, स्वच्छ घर बनाकर देंगें, जिस दिन इनके बच्चों और स्त्रियों को शिक्षा और जीवन दर्शन का ज्ञान देंगें, जिस दिन हम इनके हाथ और पांव की बिवाईयों को भरेंगें और जिस दिन इनको उद्योंगों और धर्मो की शिक्षा देकर इनकी आय को ऊंचा उठा देंगें, उस दिन हमारा मातृभाव व्यक्त होगा।

प्रधानमंत्री आवास- अंत्योदय की उपज

(अशोक बजाज)

पं. दीनदयाल जी ने इस आर्थिक असमानता को दूर करने के लिए ''अंत्योदय'' के सिद्धांत का प्रतिपादन करते हुए कहा कि ''हमारी भावना और सिद्धांत है कि वह मैले कुचैले, अनपढ़ लोग हमारे नारायण हैं, हमें इनकी पूजा करनी है, यह हमारा सामाजिक व मानव धर्म है।

महान विचारक एवं राजनीतिक चिंतक पं. दीनदयाल उपाध्याय ने समाज में व्याप्त आर्थिक विषमता को दूर करने के लिए 20 वी सदी में अंत्योदय के सिद्धांत का प्रतिपादन किया था. उन्होंने जब महसूस किया कि देश में अमीरी व गरीबी के बीच की खाई दिनों दिन गहरी होती जा रही है। एक ओर जहां समाज में ऐसे लोग हैं जिसके पास बेशुमार धन संपदा है वहीं दूसरी ओर एक बड़ा तबका ऐसा भी है जिसकी कमाई सीमित है, उनके लिए अपनी दैनंदिनी की आवश्यकता की आपूर्ति करना कठिन और दुष्कर है। यह तबका आर्थिक रूप से काफी पिछड़ा हुआ है। इन्हें अपनी आजीविका के लिए दूसरों पर आश्रित रहना पड़ता है। इनका अपना कोई आशियाना भी नहीं है। अंग्रेजी हुकूमत ने इस वर्ग का काफी आर्थिक शोषण किया। उस दौर में इन्हें ना ही अपने श्रम का उचित मूल्य मिलता था और ना ही सम्मानजनक जीने का अवसर। अतः ये जमीदारों व साहूकारों के चंगुल में फंस कर गरीबी, बेकारी व भुखमरी के शिकार हो गये। उन्हें अपने जीवन यापन के लिए बंधुआ मजदूरी भी करनी पड़ी। अमीरी व गरीबी की खाई के साये में सन् 1947 में आजाद भारत का जन्म हुआ लेकिन आज़ादी के बाद भी यह समस्या नासूर बनी रही। इस व्यवस्था से व्यथित पं. दीनदयाल ने कहा कि आर्थिक असमानता की खाई को पाटने के लिए आवश्यक है कि हमें आर्थिक रूप से कमजोर लोंगों के उत्थान की चिन्ता करनी चाहिए क्योंकि 'अर्थ का अभाव और अर्थ का प्रभाव 'दोनों समाज के लिए घातक है। पं. दीनदयाल उपाध्याय ने कहा कि हमारे प्रयास और हमारी विकास की योजनाएं ऐसी हों कि समाज के अंतिम पंक्ति के अंतिम व्यक्ति का विकास पहले हो। समाज के उपेक्षित व शोषित व्यक्ति को समाज

की मुख्य धारा से जोड़कर आर्थिक समानता स्थापित करने का काम अन्त्योदय के सिद्धांत से ही हो सकता है।

पं. दीनदयाल जी ने इस आर्थिक असमानता को दूर करने के लिए ''अंत्योदय'' के सिद्धांत का प्रतिपादन करते हुए कहा कि ''हमारी भावना और सिद्धांत है कि वह मैले कुचैले, अनपढ़ लोग हमारे नारायण हैं, हमें इनकी पूजा करनी है, यह हमारा सामाजिक व मानव धर्म है। जिस दिन हम इनको पक्के सुंदर, स्वच्छ घर बनाकर देंगें, जिस दिन इनके बच्चों और स्त्रियों को शिक्षा और जीवन दर्शन का ज्ञान देंगें, जिस दिन हम इनके हाथ और पांव की बिवाईयों को भरेंगें और जिस दिन इनको उद्योंगों और धर्मो की शिक्षा देकर इनकी आय को ऊंचा उठा देंगें, उस दिन हमारा मातृभाव व्यक्त होगा।'' उनका मत था कि हमारी नीतियां, योजनाएं व आर्थिक कार्यक्रम कमजोर लोगों को ऊपर लाने की होनी चाहिए ताकि वे भी समाज की मुख्यधारा से जुड़ सकें और उन्हें भी समाज के अन्य वर्ग के साथ बराबरी में खड़े होने का अवसर मिल सके।

आज़ादी के बाद बनी विभिन्न सरकारों ने अंत्योदय के सिद्धांत की अनदेखी की, परिणाम यह हुआ कि भारत में गरीबी बढ़ती ही गई। एक बार गरीबी हटाओ का नारा भी दिया गया लेकिन वह भी केवल नारा बन कर ही रह गया. लेकिन जब से नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री बने हैं तब से 'अंत्योदय' के सिद्धांत का पूरी तरह पालन किया जा रहा है। देश में आज 'अंत्योदय' के सिद्धांत से प्रेरित होकर अनेक जनकल्याणकारी योजनाएँ संचालित हो रही है। ''सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास एवं सबका प्रयास'' के मूलमंत्र के साथ सरकारी योजनाओं के माध्यम से गरीबों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने का लगातार प्रयास हो रहा है। मोदी सरकार ने सामान्य लोगों के आत्मगौरव और आत्मविश्वास को बढ़ाने तथा उनकी बुनियादी जरूरतों को पूरा करने वाली अंत्योदय प्रेरित योजनाओं पर ज्यादा ध्यान केंद्रित किया है। इन दिनों शिक्षा, स्वास्थ्य व आर्थिक विकास की असंख्य योजनाएं देश भर में चल रही है। इन योजनाओं के माध्यम से भारत के आम आदमी के जीवन-स्तर को सुधारने तथा उन्हें समाज की मुख्यधारा में लाने के तेजी से प्रयास हो रहे हैं।

इसी कड़ी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सन 2015 में प्रधानमंत्री आवास योजना की शुरुवात की थी। यह अंत्योदय प्रेरित योजना है जिसमें गरीब और बेघर लोगों को अपना खुद का घर बनाने के लिए सरकारी सहायता का प्रावधान है। इस योजना के तहत पिछले 10 सालों में पात्र गरीब परिवारों के लिए लगभग 4 करोड़ घर बनाए जा चुकें हैं। इस योजना के अंतर्गत बन रहें घरों में शौचालय एवं शुद्ध जल की व्यवस्था का भी प्रावधान है। पीएमएवाई के तहत, लाभार्थियों का चयन सामाजिक-आर्थिक एवं जाति जनगणना 2011 के आंकड़ों के आधार पर किया जाता है। भारत सरकार ने अभी अभी इस योजना में बदलाव कर इसका दायरा बढ़ा दिया है। नए नियम के अनुसार जिन नागरिकों के पास टू व्हीलर, मछली पकड़ने की नाव, रेफ्रीजरेटर, लैंडलाइन फोन है या जिनकी आय 15,000 रुपए प्रतिमाह तक है उन्हें भी प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत पात्र माना जाएगा। इसके साथ साथ ही जिनके पास ढाई एकड़ सिंचित या पांच एकड़ असिंचित भूमि है, वे भी इस योजना का लाभ उठा सकेंगें। यह मोदी सरकार की बहुत ही महत्वाकांक्षी योजना है जिसका क्रियान्वयन उन व्यक्तियों को लक्ष्य करके किया गया है जिन्हें पं. दीनदयाल उपाध्याय ने ''समाज के अंतिम व्यक्ति'' की संज्ञा देकर सबसे पहले उनके उदय (विकास) की बात रखते हुये अंत्योदय का सिद्धांत प्रतिपादित किया था. मोदी सरकार लक्ष्य अन्त्योदय, प्रण अन्त्योदय व पथ अन्त्योदय के ध्येय के साथ निरंतर आगे बढ़ रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कहते हैं- 'घर की चाबी सम्मान, आत्मविश्वास, सुनिश्चित भविष्य, नई पहचान और बढ़ती संभावनाओ के द्वार खोलती है।' वास्तव में हर व्यक्ति का एक सपना होता है कि उसका स्वयं का एक पक्का आशियाना हो. मोदी सरकार ने प्रधानमंत्री आवास योजना प्रारंभ कर गरीबों के इस सपने को साकार करने का काम किया है। पं. दीनदयाल उपाध्याय जी का अंत्योदय प्रधानमंत्री आवास के रुप में फलीभूत हो रहा है। वास्तव में उनका यह सिद्धांत 21 वी सदी में विकसित भारत का आधार बन चुका है।

ग्रेजुएशन कर चुके युवा डिजिटल मार्केटिंग में बनाएं शानदार कॅरियर

युवाओं के लिए हमेशा से रोजगार एक बड़ा मुद्दा रहा है। एक सर्वे के मुताबिक देश में कॉलेज पास करने वाले हर दो युवाओं में सिर्फ एक युवा ही रोजगार के योग्य है। करीब 48.75 फीसदी युवा रोजगार के योग्य नहीं हैं। ऐसे में युवाओं के पास डिग्री होने के बाद भी अच्छी नौकरी नहीं मिल रही हैं। इसलिए आप डिग्री के अलावा अन्य स्किल्स पर भी काम कर सकते हैं।

एक सर्वे के मुताबिक मौजूदा कर्मचारियों में करीब 50 फीसदी ऐसे कर्मचारी हैं, जिनको डिजिटल स्किल सीखने की जरूरत है। क्योंकि आज के समय में तेजी से बढ़ती टेक्नोलॉजी में हर कंपनी में डिजिटली काम होने लगा है। वहीं साल 2026 तक देश को करीब 3 करोड़ से अधिक डिजिटली स्किल्ड प्रोफेशनल्स की आवश्यकता होगी। ऐसे में अगर आप भी नौकरी की तलाश में हैं, तो आप प्रोफेशनल सर्टिफिकेट इन डिजिटल मार्केटिंग और एडवांस सर्टिफिकेट इन ग्राफिक डिजाइन जैसे स्किल डेवलपमेंट प्रोग्राम्स की सहायता ले सकते हैं। बता दें कि यह दोनों ही प्रोग्राम भविष्य में रोजगार को ध्यान में रखते हुए एक्सपर्ट द्वारा तैयार किए गए हैं। इन कोर्स को घर बैठे कोई भी युवा, प्रोफेशनल, छात्र या गृहिणी कर सकते हैं। जिससे वह बड़े पैकेज की नौकरियां पा सकते हैं। ऐसे में आप इन कोर्सेज के लिए रजिस्टर कर डिजिटल सेक्टर में शानदार कॅरियर बना सकते हैं।

कोर्स के फायदे

- 100 घंटे की लाइव व रिकॉर्डेड क्लासेज
- 25+ लाइव प्रोजेक्ट्स एवं केस स्टडीज
- 2 महीने की ऑन जॉब ट्रेनिंग
- एक्सपर्ट द्वारा इंटरव्यू प्रिपरेशन
- ई-बुक्स, प्रोग्राम नोट्स और मॉक टेस्ट
- गूगल सर्टिफाइड मेंटर्स द्वारा पढ़ाई
- 10 इंडस्ट्री बेस्ड मॉड्यूल्स
- 40+ लर्निंग टूल्स
- इंडस्ट्री एक्सपर्ट द्वारा मास्टर क्लास
- साप्ताहिक डाउट क्लीयरिंग सेशन

बनाएं अपना कॅरिअर

अगर आप भी ग्रेजुएशन कर चुके हैं और करियर को लेकर तमाम तरह की चिंताओं से घिरे हैं। तो आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है। ऐसे में युवा कई प्रोफेशनल और स्किल ओरिएंटेड शॉर्ट और लॉन्ग टर्म कोर्सेज कर सकते हैं। आप घर बैठे खुद को किसी फील्ड का प्रोफेशनल बनाकर अपने करियर को एक दिशा दे सकते हैं।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के शॉर्ट टर्म कोर्स कर पाएं लाखों कमाने के मौके

इन दिनों बहुत सारे लोग नौकरी, बिजनेस या फिर पढ़ाई करते हुए कई दूसरे स्किल भी सीख रहे हैं। ऐसे में जिन लोगों के पास समय नहीं होता है, वह शॉर्ट टर्म कोर्स कर सकते हैं। बता दें कि यह कोर्स पूरी तरह से ऑनलाइन होते हैं।

इन दिनों बहुत सारे लोग नौकरी, बिजनेस या फिर पढ़ाई करते हुए कई दूसरे स्किल भी सीख रहे हैं। लेकिन रेग्यूलर कोर्स करने के लिए आपको किसी संस्थान में जाना होता है, इसके लिए आपके पास पर्याप्त समय होना चाहिए। ऐसे में जिन लोगों के पास समय नहीं होता है, वह शॉर्ट टर्म कोर्स कर सकते हैं। बता दें कि यह कोर्स पूरी तरह से ऑनलाइन होते हैं। वहीं इनमें से बहुत सारे कोर्स ऐसे भी होते हैं, जिनको करने के लिए आप किसी खास या तय समय पर कंप्यूटर के सामने नहीं बैठना पड़ता, बल्कि आप अपने समयानुसार इन कोर्स को कर सकते हैं।

राज्य और केंद्र सरकार के अलावा Google, IBM, Reuters जैसी कंपनियां भी इन कोर्सेज को कराती हैं। इन कोर्स की फीस 500 रुपए से लेकर 15 हजार रुपए तक हो सकती है। इनमें से कुछ कोर्स फ्री होते हैं, लेकिन सर्टिफिकेट लेने के लिए कुछ पैसे देने पड़ते हैं।

AI कोर्स

आपको बता दें कि गूगल समेत कई कंपनियों की तरफ से कई तरह के AI कोर्स जारी किए गए हैं। यह कोर्स ऑनलाइन और पूरी तरह फ्री हैं। करियर में आगे बढ़ने के लिए यह कोर्स आपकी मदद कर सकते हैं। हालांकि यह कोर्स अंग्रेजी में होते हैं और आपको थोड़ी-बहुत कंप्यूटर की जानकारी होनी चाहिए। बाकि इन कोर्स को करने के लिए किसी खास तरह की योग्यता की आवश्यकता नहीं है। ऐसे में आप यह कोर्स को अपनी रेज्यूमे में जोड़कर अच्छी नौकरी की तलाश पूरी कर सकते हैं।

लार्ज लैग्वेज मॉडल्स

इस कोर्स को करने के बाद आप भी ChatGPT जैसा प्लैटफॉर्म बना सकते है। इस कोर्स में आपको यह सिखाया जाता है कि किस तरह से ChatGPT जैसे प्लेटफॉर्म पर इमेज और कंटेंट क्रिएट किया जाता है। आप इस कोर्स को करने के बाद किसी भी टॉपिक पर आर्टिकल बना सकते हैं। यह किसी भी कंटेंट को दूसरी भाषा में ट्रांसफर कर सकते हैं। मिनटों में लंबे असाइनमेंट या प्रोजेक्ट तैयार कर सकते हैं। लार्ज लैग्वेज मॉडल्स कोर्स में यह भी बताया व सिखाया जाता है कि आप किस तरह प्रॉम्प्ट ट्यूनिंग की मदद से आउटपुट पर कंट्रोल पा सकते हैं। इस कोर्स की अवधि 8 घंटे की है।

इमेज जनरेटर

इमेज जनरेटर का कोर्स कर आप AI की मदद से कैसा भी कोई भी फोटो जनरेट कर सकते हैं। इस कोर्स में आप यह भी सीख सकते हैं कि कम रिजॉल्यूशन वाली फोटो को हाई रिजॉल्यूशन में कैसे बदलें। इस कोर्स को करने के बाद आप किसी का चेहरा भी डिजाइन कर सकते हैं और लैंडस्केप इमेज भी तैयार कर सकती हैं। इस कोर्स में टेक्स्ट प्रॉम्प्ट के आधार पर इमेज, स्केच और कार्टून आदि बनाने की ट्रेनिंग दी भी जाती है। इस कोर्स की अवधि 8 घंटे की है।

6 महीने का समय

इन कोर्स को करने का समय 3 घंटे से लेकर 6 महीने तक का हो सकता है। कोर्स को कब करना है, कितने बजे से कितने बजे तक करना है, यह फिक्स नहीं होता है। अपनी सुविधानुसार आप किसी भी समय इस कोर्स को कर सकते हैं।

AI में कैसे जॉब पाएं?

जबसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आया तबसे यह हर एक सेक्टर में काफी डिमांड में आ गया है। आज के समय AI तकनीक से कई सारे काम संभव हो रहे है। अगर आप AI में अपना करियार बनाना चाहते हैं तो यह लेख आपके लिए है। AI जॉब के लिए टेक्निकल एजुकेशन होना काफी जरुरी है। AI से संबंधित जॉब देने वाली कंपनियां कंप्यूटर साइंस, डेटा साइंस, मैथ्स और एप्लाइड साइंस को कुछ मेन डिग्री है, जिनकी उन्हें तलाश रहती है। आज के डिजिटल युग में नई-नई तकनीक से काफी विकास हो रहा है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आने से तकनीक क्षेत्र लेकर मीडिया लाइन में इसका काफी प्रयोग हो रहा है। यह आज के समय में काफी डिमांड में है। AI क्षेत्र में नौकरियां भी काफी तेजी से बढ़ रही हैं। AI को करियर के रुप में देखा जा रहा है। बड़ी-बड़ी कंपनियां AI पर फोकस कर रही हैं, इसी तरह लोग भी AI बेस्ड नई नौकरी पाने के लिए आगे बढ़ रहे हैं। आपको बता दें कि, AI में कई नौकरियां शामिल हैं जैसे मशीन लर्निंग इंजीनियर, प्रॉम्प्ट इंजीनियर, डेटा साइंटिस्ट या AI रिचर्स इत्यादि। अगर आप इसे करियर बनाना चाहते हैं तो आपको बता दें किस तरह की पढ़ाई करनी है और कंपनियां को किस तरह की प्रोफाइल वाले रिज्यूम पसंद आते हैं।

टेक्निकल पढ़ाई

दरअसल, बिजनेस इंसाइडर की रिपोर्ट के मुताबिक, कुछ रिक्रूटर्स का कहना है कि AI जॉब के लिए टेक्निकल एजुकेशन होना काफी जरुरी है। उनका मानना है कि अक्सर AI बेस्ड जॉब देने वाली कंपनियां कंप्यूटर साइंस, डेटा साइंस, मैथ्स और एप्लाइड साइंस को कुछ मेन डिग्री के रुप में देखते हैं।

कानून की समझ हो

टैलेंट फर्म कैरेक्स कंसल्टिंग ग्रुप के एक टेक्निकल रिक्रूटर एंड्री मेंडोजा ने कहा कि क्योंकि AI एक नया फील्ड है, इसलिए इसकी ट्रेनिंग एक अच्छा ऑप्शन है। आगे उन्होंने बताया कि कानून की गहरी समझ होना जरुरी है और बेस्ट सिक्योरिटी प्रैक्टिस भी होनी जरुरी है। लेकिन शुरुआत में इतना काफी नहीं है। अगर आप इस नई फील्ड में अपनी जगह बनाने चाहते हैं तो आपका टेक्निकल बैकग्राउंड से होना बहुत जरुरी है। जो लोग अलग-अलग पढ़ाई या करियर वाले स्कूल से आत हैं, उन्हें AI में नौकरी नहीं मिल सकती है।

प्रोग्रामिंग लैंग्वेज आना चाहिए

अगर आप AI में नौकरी पाना चाहते हैं तो AI की स्पेफिक टेक्नोलॉजी के बारे में जानकारी और इंजीनियर होना बहुत जरुरी है, प्रोग्रामिंग लैंग्वेज आना भी जरुरी है। AI में नौकरियों के लिए आवेदकों के लिए पायथन या जावास्क्रिप्ट की समझ होनी चाहिए।

कोडिंग की समझ भी जरुरी

एक्सपर्ट के मुताबिक, कोडिंग सर्टिफिकेट्स नौकरी पाने की संभावनाएं बढ़ा देते हैं। अगर AI में बेहतरीन नौकरी चाहिए तो कोडिंग की अच्छी समझ होनी चाहिए।

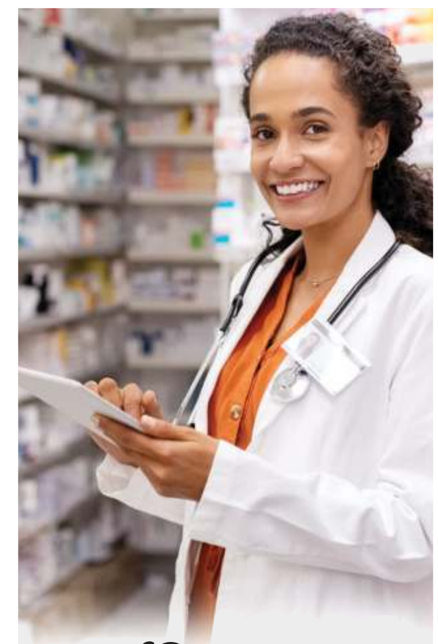

फार्मासिस्ट बनकर कॅरियर को दें नई ऊंचाइयां

फार्मासिस्ट बनकर आपको समाज की सेवा करने का भी मौका मिलता है। ऐसे में यदि आप भी फार्मासिस्ट बनना चाहते हैं, तो इससे जुड़ी सभी डिटेल्स के बारे में आपको जानकारी होना जरूरी है।

अक्सर छात्र अपने करियर को लेकर काफी परेशान रहते हैं। क्योंकि मेहनत के साथ ही सही कोर्स का चुनाव करना भी जरूरी होता है। ऐसे में आप फार्मासिस्ट बन करने करियर को नई दिशा दे सकते हैं।

फार्मासिस्ट बनकर आपको समाज की सेवा करने का भी मौका मिलता है। ऐसे में यदि आप भी फार्मासिस्ट बनना चाहते हैं, तो इससे जुड़ी सभी डिटेल्स के बारे में आपको जानकारी होना जरूरी है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको इस कोर्स की सारी डिटेल्स बताने जा रहे हैं।

क्वालिफिकेशन

फार्मासिस्ट बनने के लिए न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता 12वीं है। छात्र को फिजिक्स, केमिस्ट्री और बायोलॉजी या मैथ्स विषय से 12वीं पास होना चाहिए। 12वीं के बाद बैचलर ऑफ फॉर्मेसी की डिग्री हासिल करनी होगी। बी फार्मा का कोर्स 4 साल का होता है। वहीं आप चाहें तो मास्टर ऑफ फार्मेसी भी कर सकते हैं, यह दो साल का कोर्स होता है। इसमें पीएचडी का भी एक ऑप्शन होता है, पीएचडी कर आप शोध और शिक्षण के क्षेत्र में करियर बना सकते हैं।

चयन प्रक्रिया

बी.फार्मा में एडमिशन के लिए अधिकतम राज्यों और विश्वविद्यालयों द्वारा एंट्रेंस एग्जाम आयोजित कराए जाते हैं। तो वहीं कुछ प्रमुख परीक्षाओं में CUET और राज्य स्तरीय परीक्षाएं आदि भी शामिल हैं। एंट्रेस एग्जाम के बाद मेरिट लिस्ट के आधार पर काउंसलिंग की जाती है।

झइन जगहों पर कर सकते हैं नौकरी

- अस्पताल और क्लीनिक
- फार्मास्युटिकल इंडस्ट्री
- रिटेल फार्मेसी
- रेगुलेटरी अफेयर्स
- शिक्षण

सैलरी

फार्मासिस्ट की सैलरी अनुभव, कार्यक्षेत्र और नौकरी की लोकेशन आदि पर निर्भर करती है। बता दें कि एक फार्मासिस्ट की औसत सैलरी 2.5 लाख से 4 लाख रुपए प्रति वर्ष हो सकती है। एक्सपीरियंस के साथ ही सैलरी बढ़ती जाती है। अनुभवी फार्मासिस्ट की सैलरी 8 लाख से 12 लाख रुपए प्रति वर्ष या इससे भी ज्यादा हो सकती है।

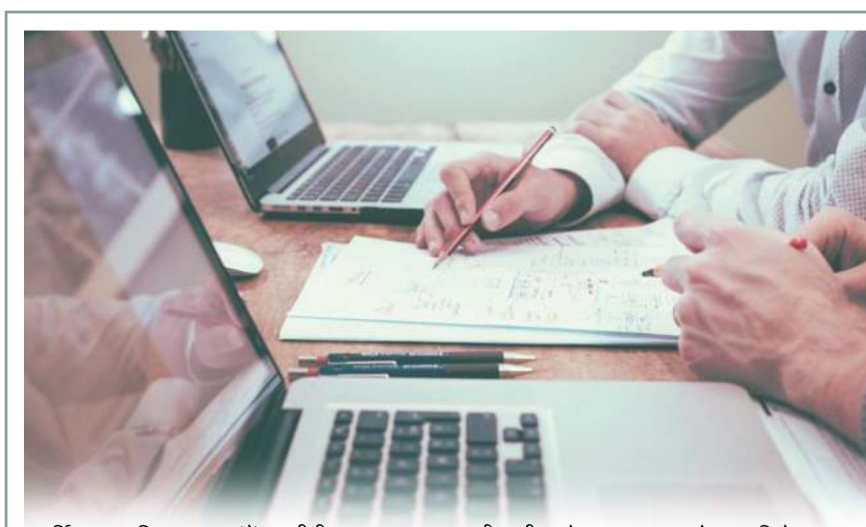

सर्टिफाइड पब्लिक अकाउंटेंट परीक्षा की तैयारी के लिए छात्रों के लिए टिप्स

सर्टिफाइड पब्लिक अकाउंटेंट (सीपीए) एक महत्वपूर्ण प्रमाणन है जो पेशेवरों को विविध और अत्यधिक मांग वाले कौशल सेट से लैस करता है। यह योग्यता न केवल शैक्षणिक ज्ञान और नौकरी की आवश्यकताओं के बीच अंतर को पाटती है बल्कि वैश्विक स्तर पर करियर के अवसरों को भी बढ़ाती है।

सीपीए परीक्षा, अमेरिकन इंस्टीट्यूटऑफ सर्टिफाइड पब्लिक अकाउंटेंट्स (एआईसीपीए) द्वारा विकसित और नेशनल एसोसिएशन ऑफ स्टेट बोर्ड्स ऑफ अकाउंटेंसी (एनएएसबीए) द्वारा प्रशासित एक व्यापक चार-भागीय परीक्षा, यूएस आम तौर पर स्वीकृत लेखा सिद्धांतों (जीएएपी) और यूएस आम तौर पर विशेषज्ञता रखती है। स्वीकृत लेखापरीक्षा मानक (जीएएएस)। कई छात्रों के लिए व्यस्त कामकाजी जीवन को संतुलित करना और यूएस सीपीए प्रमाणन प्राप्त करना भारी पड़ सकता है। हालाँकि, सही रणनीतियों और मानसिकता के साथ, वित्तीय रिपोर्टिंग और ऑडिटिंग में उन्नत पेशेवर स्थिति हासिल करना पूरी तरह से संभव है।

अपनी योग्यता का निर्धारण करें

- किसी प्रतिष्ठित संस्थान से स्नातक की डिग्री प्राप्त करें।
- परीक्षा में बैठने के लिए 120 क्रेडिट घंटे पूरे करें; लाइसेंस के लिए 150 क्रेडिट घंटे आवश्यक हैं।
- अतिरिक्त राज्य-विशिष्ट आवश्यकताओं की समीक्षा करें।

अपना मूल्यांकन करें

- सभी शैक्षणिक प्रतिलेख अपने चुने हुए राज्य लेखा बोर्ड को जमा करें।
- आवश्यक शुल्क का भुगतान करें।

अपना परीक्षा आवेदन और शुल्क जमा करें

- सीपीए परीक्षा के लिए आवेदन करें और आवश्यक दस्तावेज जमा करें।
- आवेदन शुल्क का भुगतान करें।

परीक्षण के लिए प्राधिकरण प्राप्त करें (एटीटी)

- राज्य बोर्ड से एटीटी प्राप्त करें और 90 दिनों के भीतर परीक्षा के लिए साइन अप करें।
- परीक्षा अनुभाग शुल्क का भुगतान करें।

शेड्यूल के लिए अपना नोटिस सत्यापित करें (एनटीएस)

एनटीएस प्राप्त करें और सत्यापित करें, जो आपको अपने परीक्षा अनुभागों को शेड्यूल करने की अनुमति देता है।

अपनी परीक्षा शेड्यूल करें

- प्रोमेट्रिक परीक्षण केंद्र पर अपने परीक्षा अनुभागों को शेड्यूल करें।
- अपनी पसंदीदा तिथि, स्थान और परीक्षा अनुभाग चुनें।

यूनिफॉर्म सीपीए परीक्षा उत्तीर्ण करें

- सीपीए परीक्षा के सभी चार अनुभागों को सफलतापूर्वक पूरा करें।

यूएस सीपीए लाइसेंस प्राप्त करें

- आवश्यक 150 क्रेडिट घंटे और प्रासंगिक कार्य अनुभव पूरा करें।
- अपने राज्य के लिए आवश्यक नैतिकता परीक्षा उत्तीर्ण करें।

कुछ अध्ययन टिप्स

- एक विस्तृत अध्ययन योजना बनाएं

- अपने कार्य शेड्यूल को ध्यान में रखते हुए एक व्यवहार्य अध्ययन दिनचर्या विकसित करें।
- परीक्षा पाठ्यक्रम को प्रबंधनीय भागों में विभाजित करें और यथार्थवादी समय सीमा निर्धारित करें।

गुणवत्तापूर्ण अध्ययन सामग्री चुनें

- विश्वसनीय समीक्षा पाठ्यक्रम और अध्ययन सामग्री चुनें।
- तैयारी के लिए अच्छे विशेषज्ञ व्याख्यान, ऑनलाइन संसाधनों और अध्ययन समूहों पर विचार करें।

प्रभावी समय प्रबंधन

- अपने अध्ययन सत्र को प्राथमिकता दें और ध्यान भटकाने से बचें।
- अध्ययन के समय के लिए कार्य अवकाश, सप्ताहांत और सुबह-सुबह का उपयोग करें।
- उत्पादकता बढ़ाने के लिए अध्ययन सत्र के दौरान छोटे-छोटे ब्रेक लें।

सीखें और दोहराएं

- पाठ्यक्रम को अच्छी तरह से समझें और विशेष रूप से अपने कमजोर क्षेत्रों की पहचान करें।
- बुनियादी अवधारणाओं से शुरुआत करें और धीरे-धीरे अधिक कठिन विषयों की ओर बढ़ें।
- अपनी शिक्षा को मजबूत करने के लिए प्रतिदिन रिवीजन करें।

मॉक टेस्ट के साथ अभ्यास करें

- मुख्य परीक्षा के दौरान अच्छी तैयारी के लिए नियमित मॉक टेस्ट शेड्यूल करें।
- अपने प्रदर्शन का स्वयं मूल्यांकन करें और गलतियों की पहचान करें।

अध्ययन समूहों में शामिल हों

- आभासी अध्ययन समूहों के माध्यम से साथी छात्रों से जुड़ें
- दूसरों का दृष्टिकोण जानने के लिए चुनौतीपूर्ण विषयों और प्रश्नों पर चर्चा करें।

प्रेरित रहो

- अपने लक्ष्य को ध्यान में रखें और अपनी तैयारी के दौरान प्रेरित रहें।
- छोटी-छोटी जीतों का जश्न मनाएं और सकारात्मक दृष्टिकोण बनाए रखें।

संक्षिप्त समाचार

कमला हैरिस के एरिजोना स्थित अभियान कार्यालय में गोलीबारी

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के एरिजोना में उपराष्ट्रपति और डेमोक्रेटिक पार्टी की उम्मीदवार कमला हैरिस के अभियान कार्यालय में गोलीबारी की गई। पुलिस ने इसकी पुष्टि की। आधी रात के बाद किसी ने गोली चला दी। हालांकि, इस दौरान कार्यालय के अंदर कोई भी मौजूद नहीं था, लेकिन इस घटना के बाद इमारत के अंदर काम करने और आसपास रहने वालों की सुरक्षा को लेकर चिंता पैदा हो गई। जासूस अब घटनास्थल पर सबूत जमा कर रहे हैं। पुलिस ने बताया कि क्षेत्र में कर्मचारियों और अन्य लोगों की सुरक्षा बढ़ाने के लिए अतिरिक्त कदम उठाए जा रहे हैं। कार्यलय में काम करने वाले कर्मचारियों ने गोलीबारी की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि ऐसा प्रतीत होता है कि सामने की खिड़कियों से गोलियां चलाई गई हैं। कार्यालय में यह दूसरी बार ऐसी घटना हुई है। पुलिस ने बताया कि इससे पहले 16 सितंबर को आधीरात के तुरंत बाद सामने की खिड़कियों पर बीबी गन या पैलेट गन से गोलीबारी की गई थी। इन दोनों घटनाओं के बाद किसी को भी गिरफ्तार नहीं किया गया है। यह घटना पूर्व राष्ट्रपति और रिपब्लिकन उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप पर दूसरे हत्या के प्रयास के तुरंत बाद घटी। इस हदसे में हवाई निवासी रेयान राउथ को गिरफ्तार किया गया था। इससे पहले पेंसिल्वेनिया में एक रैली के दौरान ट्रंप पर गोली चलाई गई थी, जिसमें वह बाल बाल बच गए। 20 वर्षीय थोमस मैथ्यू क्रूक्स ने ट्रंप और अन्य दो पर रैली के दौरान गोली चलाई थी। हालांकि, बाद में स्नाइपर्स ने क्रूक्स को मार गिराया।

आईटीयूसी रिपोर्ट में दावा- अमेजन व मेटा दे रहे फर्जी खबरों को बढ़ावा

न्यूयार्क, एजेंसी। अंतर्राष्ट्रीय ट्रेड यूनियन कन्फेडरेशन की रिपोर्ट में चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं, जिनमें कहा गया है कि अमेजन मेटा और टेस्ला जैसी बड़ी कंपनियां न केवल मुनाफे के पीछे भाग रही हैं, बल्कि लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं को कमजोर कर रही हैं। ये कंपनियां सरकारों पर प्रभाव डालकर नीतियों में बदलाव करवा रही हैं, जो उनके हित में होते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, मेटा, जो फेसबुक और इंस्टाग्राम की मालिक है, पर फर्जी खबरों और गलत सूचनाओं को बढ़ावा देने के गंभीर आरोप लगाए गए हैं। इसके अलावा, मेटा ने डेटा सुरक्षा कानूनों को कमजोर करने के लिए दुनिया भर में लॉबिंग भी की है।अमेजन पर आरोप है कि वह अपने कर्मचारियों को यूनियनों में शामिल होने से रोकने और उन्हें कम वेतन देने की नीति अपना रही है। साथ ही, रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि अमेजन ने दक्षिणपंथी समूहों को फंडिंग दी है, जो महिलाओं के अधिकारों को कमजोर कर रहे हैं। टेस्ला के ष्टश्वह्र एलन मस्क पर भी श्रमिक अधिकारों के उल्लंघन का आरोप लगाया गया है। कंपनी पर यूनियनों के खिलाफ कार्रवाई करने और कई देशों में मानवाधिकारों का उल्लंघन करने का भी आरोप है। इसके अलावा, ब्लैकस्टोन और वैनगार्ड जैसी वित्तीय कंपनियों पर लोकतंत्र विरोधी समूहों को फंडिंग देने और जलवायु संकट को बढ़ावा देने के आरोप लगाए गए हैं। रिपोर्ट के अनुसार, इन कंपनियों की गतिविधियां न केवल आर्थिक असमानता को बढ़ावा दे रही हैं, बल्कि वैश्विक लोकतंत्र और मानवाधिकारों के लिए भी खतरा पैदा कर रही हैं।

यूएई में खास मिशन पर ड्यूटी निभा रहे 4 सैनिकों की दुर्घटना में मौत, 9 घायल

दुबई , एजेंसी। संयुक्त अरब अमीरात में एक दर्दनाक हादसे में चार सैनिकों की मौत हो गई और 9 अन्य घायल हो गए। यूएई की सरकारी समाचार एजेंसी डब्ल्यूएएम के अनुसार, यह दुर्घटना मंगलवार रात को उस वक्त हुई, जब सैनिक देश के लिए अपने कर्तव्यों का पालन कर रहे थे। हालांकि, हादसे की विस्तृत जानकारी अभी सार्वजनिक नहीं की गई है। जानकारी दुर्घटना के दौरान ये सैनिक एक मिशन पर थे, लेकिन सेना ने अभी तक इस घटना के बारे में अधिक विवरण या दुर्घटना के कारणों का खुलासा नहीं किया है। यह स्पष्ट नहीं है कि यह दुर्घटना सैन्य अभ्यास के दौरान हुई, या किसी अन्य प्रकार के ऑपरेशन के तहत।

चीन ने अंतर-महाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल का किया सफल परीक्षण, पहली बार सार्वजनिक की जानकारी

बीजिंग, एजेंसी।
चीन ने पहली बार सार्वजनिक रूप से स्वीकार किया है कि उसने बुधवार को प्रशांत महासागर में एक अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल का सफल परीक्षण किया। चीन के रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल में एक डमी वारहेड लगाया गया और इसे स्थानीय समयनुसार सुबह 8.44 बजे पीपल्स लिबरेशन आर्मी की रॉकेट फोर्स द्वारा लॉन्च किया गया। यह मिसाइल अपेक्षित जगह पर समुद्र में गिरी। चीन ने बयान में कहा है कि यह परीक्षण उसके सालाना प्रशिक्षण योजना का हिस्सा है और यह लॉन्च किसी देश को लक्षित करके नहीं किया गया था।

पीएलए की रॉकेट फोर्स ने किया परीक्षणत्न चीनी मीडिया की रिपोर्ट्स के अनुसार, पीएलए ने पहले ही परीक्षण के बारे में संबंधित देशों को सूचित कर दिया था। रिपोर्ट्स में मिसाइल के मार्ग और प्रशांत महासागर में वह कहां गिरी, इसकी जानकारी नहीं दी गई है। चीन की सेना पीएलए की रॉकेट फोर्स, देश की पारंपरिक और परमाणु मिसाइलों के संचालन की देखरेख करती है। इस रॉकेट फोर्स को चीन की परमाणु ताकतों को आधुनिक बनाने का काम सौंपा गया है, ताकि अमेरिकी मिसाइल रक्षा, बेहतर निगरानी क्षमता और मजबूत गठबंधन का मुकाबला किया जा सके। कुछ विश्लेषकों का मानना है कि चीन तेजी से अपने परमाणु हथियारों का जखीरा बढ़ाने में जुटा है। हालांकि चीन का कहना है कि वह पहले इस्तेमाल नहीं की नीति का पालन करता है।

2030 तक चीन के पास हो सकते हैं 1000 परमाणु हथियार: चीन में राष्ट्रपति शी जिनपिंग की अध्यक्षता वाला केंद्रीय सैन्य आयोग ही एकमात्र परमाणु कमान प्राधिकरण है। अमेरिका द्वारा चीन के परमाणु हथियारों को बढ़ाने की लगातार आलोचना की जाती रही है। चीन ने जुलाई में वॉशिंगटन के साथ परमाणु वार्ता को भी रद्द कर दिया था। दरअसल चीन ने अमेरिका द्वारा ताइवान को हथियारों की बिक्री पर नाराजगी जताई थी। पेंटागन की रिपोर्ट्स के अनुसार, चीन के पास 500 से ज्यादा परमाणु हथियार हैं, जिनमें से लगभग 350 आईसीबीएम (इंटर-कॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल) हैं, और संभवतः 2030 तक चीन के पास 1,000 से अधिक परमाणु हथियार होंगे। वहीं चीन और ताइवान के बीच तनाव बढ़ा हुआ है। पिछले पांच वर्षों के दौरान चीन ने अपनी सैन्य गतिविधियां ताइवान के आसपास बढ़ा दी हैं।

हम भारत को आमंत्रित कर चुके, रूस से युद्ध को रोकने के लिए फिर शांति सम्मेलन की तैयारी करेंगे जेलेंस्की

कीव, एजेंसी। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद को बताया कि रूस-यूक्रेन युद्ध को पूरी तरह से रोकने के लिए दूसरे शांति शिखर सम्मेलन की तैयारी करनी होगी। उन्होंने भारत और अन्य देशों को शांति प्रक्रिया में शामिल होने के लिए निमंत्रित किया। जेलेंस्की ने कहा कि शांति के लिए एकता हमेशा काम करती है। यूक्रेनी राष्ट्रपति ने बताया कि उन्होंने शांति प्रक्रिया में शामिल होने के लिए भारत के अलावा चीन और ब्राजील को भी आमंत्रित कर चुके हैं। उन्होंने कहा कि वे अमेरिका के साथ भी इसपर काम कर रहे हैं। रूस-यूक्रेन युद्ध पर जेलेंस्की ने कहा, हम सभी जानते हैं कि अगर हम ईमानदारी से स्थिति को देखे और वास्तव में रूस से युद्ध को रोकना चाहते हैं तो हमें मालूम है कि इसके लिए क्या करने की जरूरत है। सबसे महत्वपूर्ण, एकसाथ काम करें। एकता हमेशा शांति के लिए काम करती है। हमें इस युद्ध को समाप्त करने के लिए दूसरे शांति शुखर सम्मेलन की तैयारी करनी होगी। इसके लिए मैं आप सभी को आमंत्रित करता हूं। सभी प्रमुख देशों को इस प्रक्रिया में शामिल होना चाहिए। हमने चीन को आमंत्रित किया। हमने ब्राजील को आमंत्रित किया। मैं भारत को पहले ही आमंत्रित कर चुका हूं। हम सभी अफ्रीकी, लैटिन अमेरिका, पश्चिम एशियाई देश और सेंट्रल एशिया के संपर्क में हैं।

परिवार को बंधक बनाकर किशोरी से सामूहिक दुष्कर्म

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान में पंजाब प्रांत के पाकपट्टन शहर के पास परिवार को बंधक बनाकर एक किशोरी के साथ लुटेरों ने कथित तौर पर सामूहिक दुष्कर्म किया। स्थानीय मीडिया ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पाकिस्तानी दैनिक डॉन की रिपोर्ट के अनुसार, एक शख्स अपनी पत्नी, बेटे, नाबालिग बेटी, बहन और एक 17 वर्षीय भतीजी के साथ पाकपट्टन में पारिवारिक मित्रों से मिलने गया था। पीड़ित परिवार एक अन्य शहर में रहता था। आधी रात के बाद घर लौटते समय उनकी कार को चार हथियारबंद संदिग्धों ने रोक लिया। उन्होंने पहले सभी यात्रियों को लूटा और इसके बाद किशोरी को सड़क किनारे मक्के के खेतों में ले गए। परिवार को बंधक बनाकर किशोरी के साथ सामूहिक दुष्कर्म किया गया।

अखबार के बंधक परिवार लगातार मदद के लिए चिल्लाता रहा लेकिन मदद के लिए कोई नहीं आया। आरोपी के घटनास्थल से भाग जाने के बाद, परिवार किसी तरह पास के एक फार्महाउस में पहुंचा और स्थानीय पुलिस अधिकारियों से संपर्क किया। यह घटना पाकपट्टन जिले के मलिक रहमू गांव के पास घटी। पाकिस्तान महिलाओं के लिए सबसे खतरनाक देशों में से एक है। पंजाब और सिंध प्रांतों में पिछले कुछ वर्षों में महिलाओं के खिलाफ हिंसा में भारी वृद्धि देखी गई है।

रविवार को फैसलाबाद के एक अस्पताल में भर्ती एक किशोरी मरीज के साथ कर्मचारी ने दुष्कर्म किया। इस्लामाबाद बेस्ड सस्टेनेबल सोशल डेमोक्रेटिक ऑर्गेनाइजेशन (एसएसडीओ) की ओर से जारी एक रिपोर्ट के अनुसार, फैसलाबाद में 2023 में महिलाओं के खिलाफ हिंसा के 728 मामले दर्ज किए गए। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर मार्च में जारी इस रिपोर्ट में पाकिस्तान में महिलाओं के खिलाफ हिंसा, दुष्कर्म, अपहरण और ऑनर किलिंग की बढ़ती घटनाओं पर प्रकाश डाला गया है। महिलाओं के खिलाफ हिंसा के कुल दर्ज मामलों की संख्या 2023 में 10,201 तक पहुंच गई, जो 2022 में दर्ज 8,787 मामलों से 16 प्रतिशत अधिक है। इसी तरह, पंजाब में भी स्थिति बहुत खराब है, जहां महिलाओं के खिलाफ हिंसा के 10,201 मामले दर्ज किए गए। पंजाब के सभी जिलों में महिलाओं के खिलाफ हिंसा की घटनाएं हुईं, जिसमें लाहौर में 1,464 मामले दर्ज किए गए।

मोहम्मद यूनुस को जो बाइडेन ने भी लगाया गले, अमेरिका ने किया बांग्लादेश को फुल सपोर्ट का वादा

वाशिंगटन, एजेंसी।
बांग्लादेश की नई अंतरिम सरकार को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बड़ी सफलता मिलती दिख रही है। खबर है कि अब अमेरिका ने भी अंतरिम सरकार का समर्थन करने का फैसला लिया है। हाल ही में अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस ने अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन से मुलाकात की थी। खास बात है कि बांग्लादेश में सत्ता परिवर्तन की साजिश के आरोप अमेरिका पर भी लग रहे हैं।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, मुख्य सलाहकार के दफ्तर से जारी प्रेस नोट में कहा गया है कि बाइडेन ने बांग्लादेश की अंतरिम सरकार को पूरा समर्थन देने की बात कही है। प्रेस नोट के मुताबिक, बाइडेन का कहना है कि अगर अपने देश के लिए छात्र इतना कुछ कुर्बान कर सकते हैं, तो उन्हें थोड़ी और मदद करनी चाहिए। यूनुस और बाइडेन ने मंगलवार को संयुक्त राष्ट्र महासभा के सत्र से इतर न्यूयॉर्क में मुलाकात की थी।

15 सितंबर को भी अमेरिका के एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने बांग्लादेश की राजधानी ढाका में मोहम्मद यूनुस से मुलाकात की थी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, तब आर्थिक विस्तार और राजनीतिक संबंधों को लेकर भरोसा दिया गया था।

8 अगस्त को यूनुस ने बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार के तौर पर शपथ ली थी। मुल्क में सरकारी नौकरियों में कोटा के खिलाफ जारी छात्रों का आंदोलन अगस्त की शुरुआत से ही हिंसक हो गया था। इसके बाद 5 अगस्त को तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना ने इस्तीफा दे दिया था और मुल्क छोड़कर भारत आ गई थीं। तब से वह भारत में ही हैं। खबरें हैं कि बांग्लादेश उनके प्रत्यर्पण के लिए कोशिश कर सकता है।

शेख हसीना ने ही जताई थी आशंका: हसीना का कहना था कि अगर वह सेंट मार्टिन द्वीप की संप्रभुता से समझौता कर लेती और बंगाल की खाड़ी पर अमेरिका का प्रभाव पड़ने देतीं, तो वह प्रधानमंत्री बनी रह सकती थीं। हालांकि, बांग्लादेश की पूर्व पीएम के बेटे शाजिब वाजेद ने इस बात से इनकार किया था कि उनकी मां ने ऐसा कोई बयान दिया है। वहीं, अमेरिका ने भी बांग्लादेश के आंतरिक मामलों में दखल देने की बात से इनकार किया था।

यूएन में ईरान बोला- इजराइल को रोकना जरूरी, नहीं रोका तो पूरी दुनिया में जंग छिड़ेगी

लेबनान अटैक का हम अभी जवाब नहीं देंगे

वाशिंगटन, एजेंसी। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पजशकियान ने मंगलवार को संयुक्त राष्ट्र महासभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि ईरान, लेबनान में इजराइल के हमलों का अभी जवाब नहीं देगा। इससे इलाके में तनाव बढ़ सकता है।

पजशकियान ने कहा कि इजराइल को रोकना जरूरी है, वर्ना पूरा मिडिल ईस्ट और फिर दुनिया जंग की चपेट में आ जाएगी। उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय समुदाय से हिंसा को तुरंत रोकने और गाजा में स्थायी युद्धविराम को लागू करने की अपील की। यह पहला मौका है जब 70 वर्षीय ईरानी नेता ने किसी अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपने विचार रखे हैं। इब्राहिम रईसी के निधन के बाद पजशकियान जुलाई में ईरान के राष्ट्रपति बने थे।

पजशकियान बोले- इजराइल की असलियत उजागर हो गई ईरानी राष्ट्रपति ने इजराइल पर गाजा में नरसंहार करने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि गाजा में पिछले 11 महीने में 41 हजार मासूम लोगों को बेरहमी से मार दिया गया। इनमें ज्यादातर महिलाएं और बच्चे थे। पिछले 1 साल में दुनिया के सामने इजराइल की असलियत उजागर हो गई है। पजशकियान ने कहा कि इजराइल हार चुका है। वह आईएसआईएस जैसे आतंकी ग्रुप्स को समर्थन दे रहा है। उन्होंने कहा कि इजराइल ने ईरानी वैज्ञानिकों, राजनयिकों और उनके मेहमानों की भी हत्या की है। परमाणु समझौते पर बोले- ईरान बातचीत को तैयार पजशकियान ने 2015 के ऐतिहासिक परमाणु समझौते का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि 2015 में न्यूक्लियर प्रोग्राम बंद करने को लेकर एक डील हुई थी जिसके बाद उन पर लगे प्रतिबंधों को हटा लिया गया था। लेकिन ट्रम्प एकतरफा ढंग से इस डील से पीछे हट गए। ईरानी राष्ट्रपति ने कहा कि एकतरफा प्रतिबंध से मासूम लोग निशाना बनते हैं और इससे देश की इकोनॉमी को नुकसान पहुंचता है। उन्होंने कहा कि ईरान परमाणु समझौते के मुद्दे पर इससे जुड़े पक्षों से बातचीत करने को तैयार है।

अमेरिका में अराजकता फैलाने के लिए ट्रंप की हत्या करा सकता है ईरान, खुफिया एजेंसी की चेतावनी

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी खुफिया एजेंसियों ने आशंका जताई है कि ईरान अमेरिका में अराजकता फैलाने के लिए पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की हत्या की साजिश रच सकता है। डोनाल्ड ट्रंप के प्रचार अभियान टीम ने मंगलवार को बताया कि अमेरिकी खुफिया एजेंसियों ने ट्रंप पर जानलेवा हमले की आशंका जताई है और उन्हें सावधान रहने को कहा है। 78 वर्षीय डोनाल्ड ट्रंप पर हाल के समय में दो बार हत्या के प्रयास हो चुके हैं। ट्रंप के प्रचार अभियान के संचार निदेशक स्टीवन चेउंग ने मंगलवार को कहा कि पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप को आज खुफिया निदेशक के कार्यालय द्वारा ईरान की तरफ से संभावित खतरे के बारे में जानकारी दी गई है। खुफिया निदेशक कार्यालय का कहना है कि ईरान अमेरिका में अराजकता और अस्थिरता फैलाने के लिए ट्रंप की हत्या करा सकता है। चेउंग ने बताया कि खुफिया अधिकारियों ने पिछले कुछ महीनों में ट्रंप पर हुए हमलों की पहचान की है और सभी एजेंसियां और जांच अधिकारी यह सुनिश्चित करने के लिए काम कर रहे हैं कि ट्रंप सुरक्षित रहें और नवंबर का चुनाव बिना किसी हस्तक्षेप के हो। डोनाल्ड ट्रंप पर बीती 13 जुलाई को पेंसिलवेनिया के बटलर में एक रैली के दौरान जानलेवा हमला हुआ था, जब एक युवक ने रैली में भाषण के दौरान ट्रंप पर गोली चलाई थी। गोली ट्रंप का कान छूकर निकली थी और ट्रंप उस हमले में बाल-बाल बचे थे। सीक्रेट सर्विस के जवानों ने मौके पर ही हमलावर युवक को ढेर कर दिया था। बीती 15 सितंबर को ही फ्लोरिडा के वेस्ट पाम बीच स्थित ट्रंप के आवास पर भी ट्रंप पर हमले की कोशिश हुई। इस मामले में 58 साल के रेयान वेस्ले राउथ को गिरफ्तार किया है। राउथ को ट्रंप के आवास के बाहर बंदूक के साथ देखा गया था। मंगलवार को रेयान राउथ पर पूर्व राष्ट्रपति के खिलाफ हत्या के प्रयास का आरोप तय किया गया है। स्टीवन चेउंग ने अपने बयान में कहा कि, कोई गलती न करें, ईरान का आतंकवादी शासन कमला हैरिस की कमजोर सरकार को पसंद करता है और राष्ट्रपति ट्रम्प की ताकत और संकल्प से डरा हुआ है। ट्रंप अमेरिकी लोगों के लिए लड़ने और अमेरिका को फिर से महान बनाने के लिए किसी भी चीज़ को उनके रास्ते में नहीं आने देंगे। अमेरिका में आगामी 5 नवंबर को राष्ट्रपति चुनाव होंगे।

रोहिंग्याओं को वापस भेजना संकट का एकमात्र स्थायी समाधान, न्यूयॉर्क में बोले बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार

वॉशिंगटन, एजेंसी।
बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार प्रोफेसर मोहम्मद यूनुस आजकल न्यूयॉर्क में हैं। उन्होंने यहां इटली और कनाडा के प्रधानमंत्रियों से मुलाकात की। साथ ही प्रवासियों समेत कई मुद्दों पर चर्चा की। इसके अलावा, 79वीं संयुक्त राष्ट्र महासभा के मौके पर एक उच्च स्तरीय बैठक के दौरान रोहिंग्याओं को वापस लाने की आवश्यकता पर भी जोर दिया।

रोहिंग्या संकट पर न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र के उच्चस्तरीय कार्यक्रम के दौरान, यूनुस ने म्यांमार से विस्थापित 12 लाख से अधिक रोहिंग्याओं की उपस्थिति के कारण बांग्लादेश के सामने आने वाली महत्वपूर्ण चुनौतियों पर प्रकाश डाला।

उन्होंने कहा कि बांग्लादेश ने रोहिंग्याओं को शरण देने में सहानुभूति दिखाई है, लेकिन इस स्थिति से जुड़ी लागतें - सामाजिक, आर्थिक और पर्यावरणीय - काफी हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि बांग्लादेश अपनी सीमा तक पहुंच गया है। इसलिए,

जितना भी बांग्लादेश मानवीय पहलुओं या न्याय सुनिश्चित करने में संलग्न है, रोहिंग्याओं को (प्रत्यावर्तन) वापस भेजना ही मौजूदा संकट का एकमात्र स्थायी समाधान है। वहीं, यूनुस के प्रेस सचिव शफीकुल आलम ने कहा, हमारे मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस ने इटली की पीएम जॉर्जिया मेलोनी से मुलाकात कर प्रवासियों के मुद्दों पर चर्चा की। कई बांग्लादेशी अवैध रूप से इटली पहुंचने के लिए जोखिम भरे रास्ते अपनाते हैं। इसलिए डॉ. यूनुस ने इस प्रक्रिया को कानूनी बनाने के तरीकों की तलाश की, जिससे अधिक बांग्लादेशियों को इटली में जाने और काम करने की अनुमति मिल सके। प्रधानमंत्री मेलोनी ने बांग्लादेश सरकार को मदद का आश्वासन दिया। डॉ. यूनुस ने कनाडाई पीएम जस्टिन ट्रूडो से बांग्लादेशी छात्रों के लिए छात्र वीजा बढ़ाने के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा, यूएनजीए के मौके पर बांग्लादेश कूटनीति के लिए यह एक बेहद सफल दिन रहा है, जिसे हमारे मुख्य सलाहकार और अमेरिकी राष्ट्रपति के बीच ऐतिहासिक बैठक द्वारा चिह्नित किया गया है, जो 50 वर्षों में पहली बार है।

उन्होंने आगे कहा, आज हमारे मुख्य सलाहकार का व्यस्त कार्यक्रम था। सुबह संयुक्त राष्ट्र महासचिव ने एक स्वागत समारोह की मेजबानी की, जहां उन्होंने कई राजनयिकों से मुलाकात की। उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के साथ आमने-सामने की बैठक की, जो बेहद सफल रही। उन्होंने बांग्लादेश क्रांति पर चर्चा की।

सिक लीव नहीं मिली तो काम पर लौटी महिला, ड्यूटी के दौरान हो गई मौत

सुखोथाई, एजेंसी। महिला कर्मचारी ने एक दिन की सिक लीव लेनी चाही लेकिन, उसके मैनेजर को लगा कि वह बहाना बना रही है। इसलिए उसे छुट्टी नहीं दी। महिला काम पर आई लेकिन, ड्यूटी के दौरान उसकी मौत हो गई। मामला थाईलैंड के सुखोथाई प्रांत का बताया जा रहा है। मिली जानकारी के अनुसार, महिला काम के दौरान बेहोश हो गई थी और बाद में उसकी मौत हो गई। महिला कर्मचारी की मौत का मामला अब तूल पकड़ रहा है। सोशल मीडिया पर महिला को इंसाफ दिलाने के लिए लोगों ने आवाज उठानी शुरू कर दी है। कंपनी पर कर्मचारियों के शोषण की कहानियां शेयर की जा रही हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, सुखोथाई प्रांत की 30 वर्षीय महिला जिसकी पहचान केवल में के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि महिला समुत प्राकान प्रांत के मुआंग जिले में बंग पु औद्योगिक एस्टेट में एक इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी में कर्मचारी थी। फेसबुक पेज पर महिला के सहकर्मियों ने ग्रुप चैट के स्क्रीनशॉट शेयर किए हैं। जिसमें दावा किया गया है कि कंपनी के मैनेजर ने उसे सिक लीव के लिए छुट्टी नहीं दी। जब महिला ने अपनी परेशानी बताई तो मैनेजर ने उसे मेडिकल सर्टिफिकेट लाने को कहा था। बीमारी में काम के दौरान उसकी मौत हो गई।

सेर्वोटेक पावर सिस्टम्स लि.ड के बोर्ड ने प्रोमोटर को परिवर्तनीय वारंट जारी करने की मंजूरी दी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के सबसे बड़े ईवी चार्जर निर्माता, सेर्वोटेक पावर सिस्टम्स लिमिटेड ने घोषणा की है कि उसके बोर्ड ने 23 सितंबर 2024 को हुई बैठक में कंपनी की प्रोमोटर, श्रीमती सारिका भाटिया को 167.40 रुपये प्रति शेयर की दर से 58,50,000 परिवर्तनीय वारंट जारी करने की मंजूरी दी है। इसका कुल मूल्य 97.93 करोड़ रुपये है।हाल ही में, कंपनी ने बैंगलोर इलेक्ट्रिसिटी सप्लाई कंपनी लिमिटेड से 11 डीसी फास्ट ईवी चार्जिंग स्टेशनों के निर्माण के लिए एक महत्वपूर्ण अनुबंध प्राप्त किया है। यह अनुबंध सेर्वोटेक को कर्नाटक के विभिन्न क्षेत्रों में 11 क्षेत्रीय परिवहन कार्यालयों में सार्वजनिक इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) चार्जिंग स्टेशनों की स्थापना करने के लिए मिला है। इस परियोजना के तहत चार्जिंग बुनियादी ढांचे को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी और इलेक्ट्रिक वाहन मालिकों के लिए अपने वाहनों को चार्ज करना अधिक सुविधाजनक हो जाएगा।

सेलेकोर गैजेट्स लि. ने होम एप्लायंसेस के पोर्टफोलियो का विस्तार किया

मुंबई, एजेंसी। सेलेकोर गैजेट्स लिमिटेड , कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स इंडस्ट्री में एक अग्रणी नाम, होम एप्लायंसेस मार्केट में अपने लेटेस्ट एडिशन की घोषणा करते हुए खुश है। इनोवेटिव और विश्वसनीय प्रोडक्ट्स के द्वारा रोजमर्रा की जिंदगी को बेहतर बनाने के अपने मिशन के अनुरूप, सेलेकोर इस अक्टूबर में रेफ्रिजरेटर, गीजर और रूम हीटर की एक नई श्रृंखला लॉन्च कर रहा है, जो घरेलू आवश्यकताओं को पूरा करने वाले मॉडर्न और एफिशिएंट सॉल्यूशंस के साथ अपने पोर्टफोलियो में विविधता ला रहा है। सेलेकोर रेफ्रिजरेटर की एक नई श्रृंखला लॉन्च कर रहा है, जो 180रु 185रुऔर 205रु क्षमता में उपलब्ध है। ये रेफ्रिजरेटर एनर्जी एफिशिएंसी और ड्यूरेबिलिटी के संयोजन के साथ घरेलू जरूरतों को पूरा करते हैं।

चार आईआईटीयंस द्वारा स्थापित सोलर 91 ने आईपीओ के लिए डीआरएचपी फाइल किया

मुंबई, एजेंसी। टर्नकी सोलर एनर्जी सॉल्यूशंस प्रदाता, सोलर 91 क्लीनटेक लिमिटेड ने अपने प्रस्तावित इनिशियल पब्लिक आफरिंग (आईपीओ) के लिए बीएसई के एसएमई प्लेटफार्म पर अपना ड्राफ्ट रेड हेयरिंग प्रोस्पेक्टस (डीआरएचपी) फाइल किया है. पब्लिक इश्यू में प्रति शेयर ?10 अंकित मूल्य पर 54.36 लाख शेयर के फ्रेश इश्यू का समावेश होगा,जिसकी कीमत बुक बिल्डिंग रूट के मार्फत अनुमानित ?100 करोड़ होगी. सोलर 91 ने इश्यू के लीड मैनेजर के रूप में नारनोलिया फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड और इश्यू के रजिस्ट्रार के रूप में माशितला सिक्योरिटीज प्राइवेट लिमिटेड की नियुक्ति की है.

डिज़्नी+ हॉटस्टार पर इनसाइड आउट हिंदी और इंग्लिश में देखी जा सकेगी

मुंबई, एजेंसी। डिज़्नी+ हॉटस्टार पर 25 सितंबर को इनसाइड आउट 2 रिलीज हो रही है, जो हिंदी और इंग्लिश में देखी जा सकेगी। बॉक्स ऑफिस पर इनसाइड आउट द्वारा अब तक की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली एनिमेटेड फिल्म बनने और लाखों दर्शकों का दिल जीतने के बाद इसका सीक्वल आ गया है। यह कहानी दर्शकों को भावनाओं की और ज्यादा गहरी एवं रोमांचक दुनिया में ले जाएगी। आप चाहे रिले के फैन हों या उसकी दुनिया में नए हों, इनसाइड आउट 2 अपने उसी आकर्षण, हास्य और हृदय स्पर्शी पलों के साथ सभी के दिल में उतर जाएगी, इसीलिए यह फ़िल्म बहुत खास है। 2015 की ऑस्कर0 विजेता इनसाइड आउट के एसोसिएट प्रोड्यूसर, निर्माता मार्क नीलसन ने बताया कि उन्हें लगता है कि इस फिल्म को दर्शकों ने खुद से जुड़ा महसूस किया, इसलिए यह उन्हें बहुत पसंद आई। उन्होंने कहा, अपनी भावनाओं को पर्दे पर उतारना ना केवल मनोरंजक था

10700 फर्जी कंपनियों ने की 10179 करोड़ की कर चोरी, फर्जी पंजीकरण रोकने के लिए अफसर चला रहे दूसरा अभियान

नईदिल्ली, एजेंसी। फर्जी पंजीकरण के खिलाफ जीएसटी अधिकारियों की ओर से देशभर में चलाए जा रहे अभियान में करीब 10,700 फर्जी कंपनियों का पता लगाया है, जिन्होंने 10,179 करोड़ रुपये की कर चोरी की है। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) के सदस्य शशांक प्रिय ने मंगलवार को कहा, फर्जी पंजीकरण के खिलाफ 16 अगस्त से शुरू हुआ दूसरा अखिल भारतीय अभियान 15 अक्तूबर तक चलेगा। इस अभियान में कर अधिकारियों ने 67,970 जीएसटीआईएन (माल एवं सेवा कर पहचान संख्या) की पहचान की है। इनमें से 59 फीसदी या 39,965 जीएसटीआईएन का सत्यापन 22 सितंबर तक हो चुका है।

सीबीआईसी सदस्य ने कहा, इनमें 27 फीसदी ऐसी कंपनियां पाई गई हैं, जो अस्तित्व में ही नहीं हैं। फीसदी के लिहाज से यह संख्या पिछले अभियान की तुलना में करीब समान है। उन्होंने बताया, फर्जी पंजीकरण के खिलाफ पहला अभियान 16 मई से 15 जुलाई, 2023 के बीच चलाया गया था। इसमें जीएसटी पंजीकरण वाली कुल 21,791 ऐसी कंपनियां

पाई गई थीं, जो अस्तित्व में नहीं थीं। इस अभियान में 24,010 करोड़ रुपये की संदिग्ध कर चोरी पकड़ी गई थी।

2,994 करोड़ की आईटीसी रोकी, वसूली 22 करोड़

एसोसिएटेड चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री ऑफ इंडिया (एसोचैम) के कार्यक्रम में शशांक प्रिय ने कहा, दूसरे अभियान में 2,994 करोड़ रुपये की इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) को रोका गया है। साथ ही, 28 करोड़ रुपये की वसूली भी की गई है। उन्होंने कहा, जीएसटी व्यवस्था में बेमेल आंकड़ों की समस्या है। इस कारण 2023-24 में कर अधिकारियों ने 1,12,852 कारण बताओ नोटिस जारी किए थे। सीबीआईसी अधिकारी ने कहा, प्रणाली के दुरुपयोग को रोकने के लिए सभी संभव तरीकों का इस्तेमाल किया जाएगा। कर अधिकारी भविष्य में नए करदाताओं पर उनके जोखिम 'प्रोफाइल' के आधार पर कुछ पाबंदियां भी लगा पाएंगे। वे एक महीने में कितने बिल जारी कर सकते हैं, हम भविष्य में उसपर भी कुछ पाबंदियां लगा सकते हैं।

20 राज्यों में शुरू होगा आधार प्रमाणीकरण

जीएसटी पंजीकरण के लिए आधार प्रमाणीकरण पहले से ही 12 राज्यों में लागू है। चार अक्तूबर तक अन्य चार राज्य को भी इसमें शामिल किया जाएगा। इस तरह, मध्य प्रदेश, राजस्थान, असम, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश और हरियाणा सहित 20 राज्य आधार प्रमाणीकरण शुरू करेंगे।

खुदरा विक्रेताओं के लिए ई-बिल का डिजाइन ढांचा तैयार

माल एवं सेवा कर नेटवर्क (जीएसटीएन) के सीईओ मनीष कुमार सिन्हा ने कहा, खुदरा विक्रेताओं के लिए जीएसटी ई-इनवॉयस (बिल) को लागू करने के लिए डिजायन ढांचा लगभग तैयार है। उद्योग विशेषज्ञ इसकी जांच कर रहे हैं। ई-इनवॉयस बी2बी (कंपनियों के बीच) क्षेत्र में पहले से ही मौजूद है। जीएसटी परिषद की इसी महीने हुई बैठक में प्रायोगिक आधार पर बी2सी (कंपनियों से ग्राहकों तक) क्षेत्र में भी ई-इनवॉयस लागू करने का फैसला किया था। एसोचैम के कार्यक्रम में सिन्हा ने कहा, उद्योग जगत से चर्चा के बाद हम इस बारे में एक दस्तावेज जारी करेंगे कि इसे कैसे आगे बढ़ाया जाए। साथ ही, जिन व्यवसायों को ई-इनवॉयस जारी करना आवश्यक होगा, उनके लिए सीमा तय करने की प्रक्रिया चल रही है। जीएसटी कानून के तहत एक अक्तूबर, 2020 से 500 करोड़ रुपये से अधिक के कारोबार वाली कंपनियों को बी2बी लेनदेन के लिए ई-इनवॉयस अनिवार्य कर दिया गया था। बाद में इसका दायरा बढ़ाकर पांच करोड़ रुपये से अधिक के कारोबार वाली कंपनियों तक कर दिया गया।

आईटी कंपनी की नौकरी छोड़ लौट आए गांव, अब 1 एकड़ से 10 लाख टर्नओवर

नईदिल्ली, एजेंसी। जितेंद्र मान दिग्गज आईटी कंपनी टीसीएस में नौकरी करते थे। काम करते समय उन्हें प्रदूषण और केमिकल वाले खाने का अपने स्वास्थ्य पर बुरा असर दिखाई देने लगा। उन्होंने अपनी पत्नी सरला मान से गांव वापस लौटने की बात की। सरला इस बात पर राजी हो गईं। साल 2017 में पेशे से इंजीनियर जितेंद्र ने टीसीएस में नौकरी छोड़ दी। दोनों हरियाणा के सोनीपत जिले के महमूदपुर गांव आ गए। वहां, जितेंद्र के परिवार के पास दो एकड़ जमीन थी। इस पर पति-पत्नी ने मोरिंगा की खेती करने का फैसला किया। उनका यह निर्णय सही साबित हुआ। दोनों आज हसबैंड वाइफ फार्म ब्रांड के तहत मोरिंगा के कई प्रोडक्ट बेचते हैं। वह अपने इस कारोबार से लाखों कमा रहे हैं। आइए, यहां जितेंद्र मान और सरला की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

मोरिंगा एक ऐसा पेड़ है जो जल्दी बढ़ता है। सूखे को सहन कर सकता है। इसकी पत्तियों में भरपूर मात्रा में एंटीऑक्सीडेंट, पोषक तत्व और औषधीय गुण होते हैं। मोरिंगा की पत्तियां और उनका पाउडर अपने स्वास्थ्य लाभों के कारण सुपरफूड माने जाते हैं। सहजन की फली, मोरिंगा के पेड़ की लंबी, पतली फलियां होती हैं। इनका उपयोग सांभर और

करी में किया जाता है। जितेंद्र मान और उनकी पत्नी सरला ने मोरिंगा की पत्तियों को पाउडर और कैप्सूल में बदलकर बेचना शुरू किया। वे सालाना प्रति एकड़ 10,000 किलोग्राम मोरिंगा पत्तियों की कटाई करते हैं। कटाई साल में लगभग चार बार की जाती है।

जितेंद्र मान को बेंगलुरु में अपने दोस्त के घर से मोरिंगा के कुछ पौधे मिले थे। उन्होंने उन्हें दिल्ली में अपनी घर की छत पर गार्डन में लगाया। वे अच्छी तरह से बढ़े। इसकी पत्तियां स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद होती हैं। दंपति उन पौधों के बीज हरियाणा ले गए और मोरिंगा की खेती के लिए जमीन तैयार करने का फैसला किया। उन्होंने जमीन को जैविक खेती के लिए उपयुक्त बनाया। आज, सरला और जितेंद्र महमूदपुर में 10 एकड़ में मोरिंगा उगाते हैं। पत्तियों को पाउडर और कैप्सूल में बदल देते हैं। इन्हें हसबैंड वाइफ फार्म ब्रांड के तहत बेचा जाता है। ब्रांड प्रोडक्टों के खरीदार देश-विदेश में हैं। इनमें ब्रिटेन, कनाडा और यूएई शामिल हैं।

कटाई के बाद पत्तियों को दो बार धोया जाता है। फिर मोरिंगा पाउडर में बदलने से पहले छाया में सुखाया जाता है। दंपति ने ग्रामीणों और स्थानीय छात्रों के साथ पाउडर साझा किया। उनके स्वास्थ्य में सुधार दिखाई दिया। इसके बाद मियां-बीवी ने उत्पाद की स्थानीय स्तर पर मार्केटिंग शुरू की। आज उन्होंने 12 स्थानीय महिलाओं को रोजगार दिया हुआ है। वे पत्तियों की कटाई और धुलाई के साथ पैकेजिंग में मदद करती हैं। लगभग 10,000 किलो पत्तियों से एक एकड़ में 1,000 किलो सूखी पत्तियां मिलती हैं। प्रति एकड़ टर्नओवर 10 लाख रुपये है। वे अपनी वेबसाइट, स्थानीय स्टोर और सीधी थोक बिक्री के माध्यम से मोरिंगा पाउडर, मोरिंगा कैप्सूल और चुकंदर पाउडर बेचते हैं। सर्दियों में जितेंद्र और सरला मोरिंगा के पेड़ों के साथ चुकंदर की खेती करते हैं और चुकंदर पाउडर बनाते हैं। यह जोड़ी अब अन्य किसानों को जैविक रूप से मोरिंगा उगाने के लिए प्रेरित कर रही है। अभी, उनके उत्पादों की मांग सप्लाई से कहीं अधिक है।

आलू और प्याज के दाम 2 साल में डबल, दालें भी महंगी, त्योहारों से पहले खाद्य तेलों में उबाल

नईदिल्ली, एजेंसी। खुदरा महंगाई बीते दो माह से चार फीसदी से नीचे है, लेकिन आपकी थाली में मुख्य भोजन के तौर पर शामिल प्रमुख सब्जियों के दाम आसमान छू रहे हैं। बीते दो साल में आलू-प्याज और टमाटर की कीमतें दोगुनी हो गई हैं। मसूर को छोड़ अन्य दालों के दाम भी तेजी से बढ़े हैं। मसाले भी अब चटकारे लेने लगे हैं। पेश है अरुण चड्ढा की रिपोर्ट..

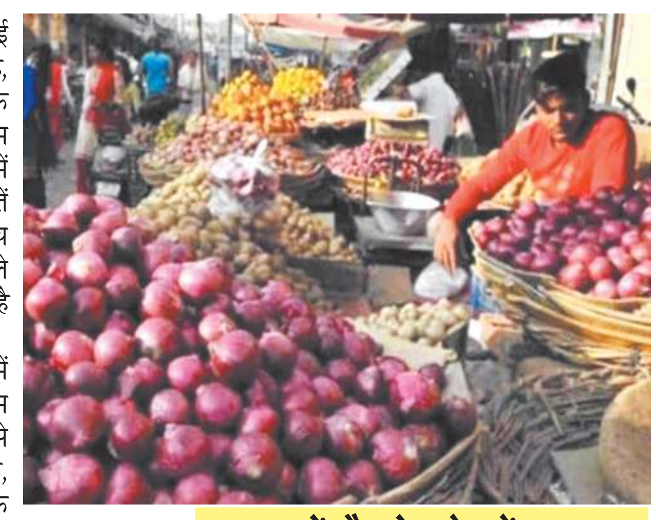

आरबीआई ने मासिक समीक्षा में माना है कि इन तीनों सब्जियों के दाम बीते दो वर्ष में करीब दोगुना या उससे अधिक बढ़ गए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, सितंबर 2022 से सितंबर 2024 के बीच दाम तेजी से बढ़े हैं। उदाहरण के लिए सितंबर 2022 में टमाटर का औसत मूल्य 20 रुपये प्रति किलोग्राम से नीचे थे लेकिन अब यह 50 रुपये के करीब है। इसी तरह से प्याज के औसत दाम देश के कई हिस्सों में 100 रुपये प्रति किलोग्राम तक पहुंच गए हैं। आलू की कीमत भी 60 रुपये प्रति किलोग्राम से ऊपर चली गई है।

मसालों की कीमतों में भी तेज उछाल

बीते कुछ महीनों में मसालों और खाद्य तेल की कीमतों में तेज उछाल आया है। जीरा 27 हजार रुपये प्रति क्विंटल के स्तर पर पहुंच गया है, जिसके 29 हजार रुपये प्रति क्विंटल तक पहुंचने का अनुमान है। यह आंकड़ा रिजर्व बैंक द्वारा जारी रिपोर्ट से अलग है।

सरसों और सोया तेल में उबाल

उधर, सरसों, सोयाबीन और रिफाइंड समेत अन्य खाद्य तेल की कीमतों में त्योहार से पहले 15 से 20 रुपये प्रति लीटर की तेजी देखने को मिल रही है। वहीं, अरहर दाल की कीमतों में सबसे ज्यादा तेजी आई है।इसका भाव करीब 50 से 60 रुपये प्रतिकिलो तक चढ़ चुका है। वहीं, उड़द करीब 10 रुपये और मूंगदाल 8 से 10 रुपये प्रतिकिलो तक महंगी हुई है। जेएनयू के सेवानिवृत्त प्रोफेसर अरुण कुमार का कहना है कि देश में सप्लाई व्यवस्था उतनी बेहतर नहीं है, जितनी किसी विकसित देश में होती है। सरकार स्टोरेज और आपूर्ति का बेहतर तरीके से प्रबंधन करे तो कीमतों को बेतहाशा बढ़ने से रोका जा सकता है।

अबंस होल्डिंग्स लिमिटेड को आदित्य बिड़ला मनी से 710 रुपये के टार्गेट प्राइस के साथ खरीदारी की सलाह मिली

मुंबई, एजेंसी। अबंस होल्डिंग्स लिमिटेड, इंस्टीट्यूशनल ब्रोकरिंग , फाइनेंशियल लेंडिंग (ऋण), ट्रेजरी ऑपरेशंस और रेमिटेंस (प्रेषण) सर्विसेज़ सहित डाइवर्स रेंज की सेवाओं वाली एक लीडिंग ग्लोबल ऐसेट (परिसंपत्ति) मैनेजमेंट फर्म को आदित्य बिड़ला मनी लिमिटेड से 710 रुपये के टार्गेट प्राइस के साथ खरीद अधिकार मिला है। अबंस होल्डिंग्स लिमिटेड एक डाइवर्सफाइड फाइनेंशियल सर्विसेज़ कंपनी है जो ऐसेट (परिसंपत्ति) मैनेजमेंट, इंस्टीट्यूशनल ब्रोकिंग, फाइनेंशियल लेंडिंग (ऋण), ट्रेजरी ऑपरेशंस और रेमिटेंस (प्रेषण) सर्विसेज़ जैसे फाइनेंशियल बिज़नेसेज़ की संपूर्ण श्रृंखला को पूरा करती है।

दिव्यधन रीसाइकलिंग इंडस्ट्रीज लिमिटेड का आईपीओ 26 सितंबर को खुलेगा

मुंबई, एजेंसी। रीसाइकिल्ड पॉलिएस्टर स्टेपल फाइबर और रीसाइकिल्ड पेलेट्स की निर्माता, दिव्यधन रीसाइकलिंग इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने अपना इनिशियल पब्लिक आफरिंग 26 सितंबर 2024 को खोलने का प्रस्ताव किया है. कंपनी का इरादा इस आईपीओ के मार्फत ? 24.17 करोड़ (अपर बैंड पर गणना के अनुसार) एकत्र करने का है. कंपनी के शेयर्स एनएसई इमर्ज प्लेटफार्म पर लिस्ट होंगे. दिव्यधन रीसाइकलिंग इंडस्ट्रीज लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर, श्री वरुण गुप्ता ने कहा, यह पब्लिक आफरिंग हमारे उत्पादन क्षमताओं के विस्तार में और टिकाऊ निर्माण में नए सुअवसरों को अंगीकार करने में एक महत्वपूर्ण कदम है. जुटाई जाने वाली धनराशि अत्याधुनिक टेक्नोलॉजी में निवेश करने , हमारे इंफ्रास्ट्रक्चर में सुधार करने और रीसाइकिल्ड पॉलिएस्टर प्रोडक्ट्स की बढ़ती मांग पूरी करने में हमारे ऑपरेशंस को ऊपर ले जाने में हमारी मदद करेगी. हम इसे ना सिर्फ कंपनी को ग्रो करने के लिए बल्कि अधिक टिकाऊ भविष्य के लिए योगदान देने में भी एक सुअवसर के रूप में देख रहे हैं. हम डेवलपमेंट के इस नए चरण के बारे में रोमांचित है और हमारे निवेशकों के सपोर्ट के लिए हम उनके आभारी हैं क्योंकि हम आगे बढ़ रहे हैं. नरनोलिया फाइनेंशियल एडवाइजर्स लिमिटेड के इन्वेस्टमेंट बैंकिंग के डायरेक्टर, श्री विपिन अग्रवाल ने कहा, दिव्यधन के अपने आईपीओ के लिए हमसे संपर्क करने से हमें रीसाइकिल्ड पेलेट्स के उत्पादन पर फोकस करने और रीसाइकलिंग तथा इनोवेशन में ट्रेंड्स को अंगीकार करते हुए भारतीय पॉलिएस्टर फाइबर बाजार में कंपनी की यात्रा के बारे में बताने पर गर्व हो रहा है.

भोपाल में लेक्ट्रिक्स ईवी डीलरशिप ने ईवी कौशल शिक्षा प्रदान करके महिलाओं का सशक्तिकरण किया

इलेक्ट्रिक वाहन प्रौद्योगिकी में व्यावहारिक प्रशिक्षण के साथ महिलाओं को सशक्त बनानेसे ही जमीनी स्तर पर बदलाव लाना है

भोपाल। भारत के अग्रणी ईवी ब्रांड्स में से एक लेक्ट्रिक्सईवीऐसी कंपनी है जो वास्तव में प्रभाव डालने और समुदायों को सशक्त बनाने के लिए समर्पित है। ऐसी ही एक अनूठी पहल के अंतर्गत, भोपाल में लेक्ट्रिक्स ईवी की डीलरशिप में से एक - फ्यूमोटिव्स प्राइवेट लिमिटेड अपने डायरेक्टर सुधांशु शर्मा की देखरेख में वंचित महिलाओं को इलेक्ट्रिक वाहन प्रौद्योगिकी में मूल्यवान प्रशिक्षण देने के लिए एक प्रभावी पहल का संचालन कर रही है। अढ़ाई महीने के इस कोर्स में, एक स्थानीय एनजीओ - देसाई फाउंडेशन ट्रस्ट से30 महिलाएं दोपहिया ईवी उत्पादन में सैद्धांतिक ज्ञान और व्यावहारिक अनुभव दोनों प्राप्त कर रही हैं।

जुलाई 2024 में शुरू की गई इस पहल में मोटर, कंट्रोलर और बैटरी सहित ईवी के पार्ट्स की असेंबली शामिल है। इसका लक्ष्य इन महिलाओं को ऐसे व्यावहारिक कौशल में सशक्त बनाना है जो तेजी से बढ़ते ईवी उद्योग में सीधे प्रयोग किए जाते हैं। कोर्स पूरा होने पर, प्रतिभागियों को न केवल डीलरशिप पर नौकरी के अवसर प्रदान किए जाएंगे, बल्कि उनके पास ऐसी कुशलताएं भी होंगी जो उन्हें अन्य ईवी उत्पादन कंपनियों में रोजगार दिला सकेंगी। यह पहल सामाजिक सशक्तिकरण

और स्थिरता के लिए लेक्ट्रिक्स ईवी की व्यापक प्रतिबद्धता का हिस्सा है। अभी इस परियोजना का नेतृत्व भोपाल में स्थानीय डीलरशिप द्वारा किया जा रहा है और लेक्ट्रिक्स ईवीभारत के अन्य शहरों में इस मॉडल को दोहराने की दिशा में इसकी प्रगति पर बारीकी से नज़र रख रही है। इस तरह के जमीनी प्रयासों के साथ खुद को जोड़कर, लेक्ट्रिक्स ईवी व्यावहारिक और जमीनी समाधानों के माध्यम से वास्तविक, दीर्घकालिक प्रभाव पैदा करने के अपने ब्रांड मूल्यों को वास्तविकता में बदलना जारी रखती है।

'बिस्मिल की महफ़िल – मेरी पहचान टूर 2024' के साथ मशहूर सूफी गायक बिस्मिल निकले अपने भारत टूर पर

मुंबई, एजेंसी। भारत के मशहूर गायकों, संगीतकारों, अभिनेताओं और गीतकारों में एक चमकता सितारा है बिस्मिल। वो दिल्ली के रहने वाले हैं। वो सूफी संगीत में अपने एक अलग अंदाज़, जो बैठ कर गाने का है, उसी के चलते मशहूर हुए हैं। उनका यह अंदाज हवा का रुख मोड़ देने वाला एक ऐसा विचार था, जो उनके अपने और उनके मैनेजर विभोर हसीजा के दिमाग में आया। विभोर हसीजा योर्स इवेंटफुली के फाउंडर भी हैं। इस बेमिसाल जोड़ी ने पारंपरिक तत्वों का समकालीन शैली के साथ मिश्रण कर के सूफी संगीत जगत में अपनी अलग पहचान बनाई। बिस्मिल का अगला कार्यक्रम 29 सितंबर को भोपाल में होने वाला है। यह भी 18 शहरों के भारत के टूर का एक हिस्सा है।

बिस्मिल की महफ़िल, उनका सिगनेचर कार्यक्रम है, जिसने पूरे भारत में तीन सबसे ज्यादा सफलता का मंजर छू लेने वाले टूर किए हैं। जिसमें हर एक टूर में लगभग 200,000 से भी ज्यादा लोगों की तादाद थी। इतना ही नहीं कई डिजिटल प्लेटफार्मों पर 100 मिलियन से भी ज्यादा बार उसे देखा गया। उनके हुनर और कुछ अलग कर दिखाने के जस्बे के कारण वह अमेरिका और कनाडा में कामयाबी के आसमां को छू लेने वाले दो टूर भी कर के आएं हैं। जहां उन्हें टाइम्स स्क्वायर पर भी दिखने का मौका मिला, जो उनकी बढ़ती अंतरराष्ट्रीय लोकप्रियता का सबूत है। अपने सफर को बयां करते हुए बिस्मिल ने बताया कि, मेरे पिता हमेशा से मुझ पर भरोसा करते थे। वही चाहते थे की मैं गायन सीखूं तबला नहीं, क्योंकि वह तबला बजाते थे। मैं आज जो कुछ भी हूं उन्ही की देन हूं। मुझे अच्छे से याद है की मैं एक कैफे में बॉलीवुड गाने गया करता था जहां मुश्किल से 5 से 10 लोग हुआ करते थे। और अब मैं 10,000 से भी ज्यादा क्षमता वाले स्टेडियमों में जाता हूं। सचमुच समय बहुत बलवान है।

वन पॉइंट वन सॉल्यूशंस लिमिटेड ने लीडिंग स्वीडिश कंपनी के साथ महत्वपूर्ण कॉन्ट्रैक्ट प्राप्त किया

टेक्नोलॉजी-इनेबल्ड बिज़नेस प्रोसेस मैनेजमेंट सर्विसेज़ में लीडिंग प्रोवाइडर, वन पॉइंट वन सॉल्यूशंस लिमिटेड ने मुख्य सार्वजनिक रूप से सूचीबद्ध स्वीडिश कंपनी के साथ एक महत्वपूर्ण कॉन्ट्रैक्ट पाने की घोषणा की है। यह पार्टनरशिप ग्लोबल मार्केट में कंपनी की बढ़ती उपस्थिति को रेखांकित करती है, जो टॉप-नोच टेक्नोलॉजी सॉल्यूशंस देने की उसकी प्रतिबद्धता को दर्शाती है। स्वीडन, भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका सहित एक विशाल अंतर्राष्ट्रीय उपस्थिति वाले ग्राहक ने अपनी व्यापक तकनीकी क्षमताओं के लिए वन पॉइंट वन सॉल्यूशंस को मान्यता दी है। ग्राहक ने कंपनी को तीन प्रमुख डेवलपमेंट प्रोजेक्ट्स दिए हैं, जो वन पॉइंट वन सॉल्यूशन की अपने ऑपरेशंस को बढ़ाने की क्षमता में उनके विश्वास को दर्शाता है।

कस्टमर स्पेसिफिकेशन ऐप्लिकेशन

डिपार्टमेंट्स में टिकट मैनेजमेंट को सुव्यवस्थित करने, सीमलेस कम्युनिकेशन को सक्षम करने और एक व्यापक ज्ञान भंडार बनाने के लिए तैयार किया गया यह एक मज़बूत प्लेटफार्म है।

*पेरोल मैनेजमेंट प्लेटफ़ॉर्म

पेरोल डेटा मैनेजमेंट के लिए एक व्यापक समाधान जो सुरक्षित यूज़र पहुंच और पेरोल इन्फॉर्मेशन की एफिशिएंट प्रोसेसिंग सुनिश्चित करता है।

इंडस्ट्रीयल फ्लो हीटर के लिए यूज़र एक्सपीरियंस ऐप~ एक इंटरैक्टिव एप्लिकेशन जो यूज़र को निर्णय लेने की प्रक्रियाओं में सुधार करते हुए डेटा को प्रभावी ढंग से देखने और हेर-फेर करने की अनुमति देता है।

वन पॉइंट वन सॉल्यूशंस लिमिटेड के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर , श्री अक्षय छाबड़ा ने कहा कि, यह कॉन्ट्रैक्ट हमारी एक्सपेंशन स्ट्रेटजी में एक महत्वपूर्ण क्षण है। अमेरिकी बाज़ार अवसरों से भरा हुआ है, और हमारी हालिया गतिविधियों ने कई संभावनाओं के लिए गहरी दिलचस्पी दिखाई है। इस पार्टनरशिप के साथ, हम अपने ग्राहकों के लिए महत्वपूर्ण मूल्य लाने के लिए टेक्नोलॉजी और कस्टमर सर्विस में अपनी विशेषज्ञता का लाभ उठाने के लिए तैयार हैं। हम इन प्रोजेक्ट्स के द्वारा दिए जाने वाले इनोवेटिव सॉल्यूशंस को लेकर उत्साहित हैं। जैसा कि वन पॉइंट वन सॉल्यूशंस अपनी ग्लोबल प्रेजेंस

कृतिका कामरा की बंबई मेरी जान को एक साल पूरे

● **एक्टर बोलीं- ऐसा किरदार हमेशा आपके साथ रहता है**

अपने शो बंबई मेरी जान के रिलीज होने के एक साल पूरे होने पर अभिनेत्री कृतिका कामरा ने कहा कि हबीबा उन भूमिकाओं में से एक है, जो हमेशा कायम रहेगी। इस तरह की कहानियों का हिस्सा होने पर मुझे गर्व है। बंबई मेरी जान में अभिनेत्री कृतिका ने बोल्ड महिला हबीबा की भूमिका निभाई थी। उन्होंने कहा, एक साल बाद बंबई मेरी जान को वापस देखना अकल्पनीय है। हबीबा का किरदार निभाना एक अविस्मरणीय एवम् शानदार अनुभव था। मुझे अभी भी सेट पर शो खत्म होने के बाद मिला प्यार याद है।

कृतिका ने कहा, हबीबा उन भूमिकाओं में से एक है, जो आपके साथ हमेशा रहती है। मुझे इस तरह की कहानी का हिस्सा होने पर बहुत गर्व है। कृतिका ने दो साल पूरे कर चुकी फिल्म हश हश का भी जिक्र किया। इस फिल्म में उनके साथ जूही चावला, सोहा अली खान और शहाना गोस्वामी जैसी एक्ट्रेसेज ने काम किया था। उन्होंने कहा, हश हश एक यादगार यात्रा थी। अविश्वसनीय सह-कलाकारों के साथ काम करना और एक ऐसी कहानी का हिस्सा बनना सौभाग्य की बात थी, जिसका मुझ पर गहरा प्रभाव पड़ा। शो को दो साल से जो प्यार मिला है, वह अब भी मुझे हैरान करता है। अभिनेत्री ने कहा, इन दोनों शो ने सशक्त भूमिकाएं प्रदर्शित करने का एक अविश्वसनीय अवसर दिया।

अपने जन्मदिन से पहले ही जश्न में डूबी हिना खान

स्तन कैंसर से लड़ रहीं अभिनेत्री हिना खान की इन दिनों कीमोथेरेपी चल रही है। 2 अक्टूबर को वो सैंतीस साल की हो जाएंगी, लेकिन अभिनेत्री ने अपने जन्मदिन से पहले ही इस जश्न में डूबने का फैसला कर लिया है।

इंस्टाग्राम स्टोरीज पर हिना ने अपने 20.3 मिलियन फॉलोअर्स के साथ एक दिल छू लेने वाला पल शेयर किया, जिसमें उन्होंने गुलाब की नाजुक पंखुड़ियों से सजे एक शानदार केक का स्नैपशॉट पोस्ट किया और उसके ऊपर एक सुनहरी मोमबत्ती रखी। केक की खूबसूरती उनके कैप्शन से मेल खाती है, जिसमें लिखा है, जश्न शुरू हो गया है, फर्स्ट् केक। यह सरल लेकिन सुंदर इशारा उनके जन्मदिन के जश्न की शुरुआत को दर्शाता है, जो इस चुनौतीपूर्ण समय के दौरान जीवन के खास पलों को गले लगाते हुए आशा और खुशी बिखेरता है। हिना ने 11 सितंबर को अपनी हेल्थ के बारे में अपडेट शेयर किया था। उन्होंने कहा कि उनका म्यूकोसाइटिस पहले से काफी बेहतर है। इसके साथ ही उन्होंने अपने फैंस को ढेर सारा प्यार भेजने के लिए धन्यवाद दिया।

अभिनेत्री ने लिखा, मैं आपको कुछ अपडेट देना चाहती हूं। मेरा म्यूकोसाइटिस पहले से बहुत बेहतर है। मैंने आपके सभी कमेंट और सुझावों को पढ़ा है। आप सभी ने मेरी बहुत मदद की है, आप सभी को ढेर सारा प्यार भेज रही हूं।

मेरी मां नीना गुप्ता ने मुझे अभिनेत्री बनने की इजाजत नहीं दी: मसाबा गुप्ता

अपने स्ट्रीमिंग शो 'मसाबा मसाबा' से अभिनय में कदम रखने वाली प्रमुख फैशन डिजाइनर मसाबा गुप्ता ने बताया कि उनकी मां और अनुभवी अभिनेत्री नीना गुप्ता ने उन्हें अभिनय की दुनिया में आने से मना कर दिया था। मसाबा ने अपनी मां की सोच के पीछे का कारण बताते हुए कहा कि बाजार की ताकतें उन्हें एक अभिनेत्री के रूप में एक दायरे में रखती थीं, क्योंकि उस समय इंडस्ट्री अलग तरीके से काम करती थी। क्वीनी सिंह द्वारा होस्ट किए गए पॉडकास्ट में मसाबा ने कहा, उन्होंने मुझे अभिनेत्री बनने की अनुमति नहीं दी।

मुझे याद है कि मुंबई में अनुपम खेर का एक्टिंग स्कूल है, और मैंने कहा कि मैं एक्टिंग की पढ़ाई करना चाहती हूं क्योंकि मैं अभिनेत्री बनना चाहती हूं, और उन्होंने कहा कि इसके बारे में सोचना भी मत। तुम्हें पता है कि तुम्हारा लुक आर्टिस्टिक, इंटरनेशनल और लगभग नॉन-इंडियन है। तुम्हें एक बॉक्स में डाल दिया जाएगा। और उस समय इंडस्ट्री बहुत अलग थी। डिजाइनर-अभिनेत्री ने आगे बताया, मेरी मां ने कहा कि तुम निराश हो जाओगी तुम कुछ ऐसा करो जिसके लिए तुम्हें अपना दिमाग लगाना पड़े और जो तुम जीवन भर कर सको। उन्होंने कहा, अरे, तुम एसएनडीटी में कोशिश करना चाहती हो एडमिशन खुले है।

मैं वहां गई और मैंने अपना फॉर्म भर दिया। मेरे टेस्ट ग्रेड मार्क्स उस फॉर्म को लेने के लिए पर्याप्त थे। मेरे मार्क्स अछे थे और उन्होंने मुझे एडमिशन दे दिया। उन्होंने कहा, ठीक है, एक सप्ताह में प्रवेश परीक्षा दो। मसाबा ने यह भी बताया कि नेपोटिम केवल फिल्म उद्योग तक ही सीमित नहीं है, बल्कि हर उद्योग या पेशे में है। उन्होंने कहा, नेपोटिम हर उद्योग में है। वकील का बेटा वकील बनता है। डॉक्टर का बेटा डॉक्टर बनता है, और उनके पिता उनकी सिफारिश करते हैं। यही दुनिया का तरीका है। यह सिर्फ भारत ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया में है। हां,मगर कभी-कभी मुझे लगता है कि बॉलीवुड में नेपोटिम के कारण गलत लोगों को अवसर मिल जाता है। उन्होंने कहा, यह दुनियाभर में होता है। मगर यह पब्लिक इंडस्ट्री है और इसे सब आराम से देख पाते हैं।

'जून' एक्ट्रेस नेहा दिनेश आनंद आईफा ग्रीन कार्पेट करेंगी होस्ट

बहुप्रतीक्षित आईफा 2024 बस आने ही वाला है और इसने लोगों के बीच काफी उत्सुकता पैदा करदी है। इस उत्साह को और बढ़ाने वाली हैं 'जून' एक्ट्रेस नेहा दिनेश आनंद, जो अवॉर्ड शो के ग्रीन कार्पेट की होस्टिंग करती नज़र आएंगी। वह बॉलीवुड के साथ-साथ इंटरनेशनल पर्सनालिटीज से भी बातचीत करेंगी। आईफा के ग्रीन कार्पेट पर नेहा दिनेश आनंद के साथ, दर्शक इंडस्ट्री की मशहूर हस्तियों के साथ एक मनोरंजक और यादगार शाम की उम्मीद कर सकते हैं। नेहा दिनेश आनंद ने हाल ही में रिलीज़ हुई फिल्म 'जून' में अपने दमदार अभिनय से फिल्म इंडस्ट्री में अपनी पहचान बनाई, जो उनका एक्टिंग डेब्यू था। विभिन्न फिल्म फेस्टिवल्स में पसंदीदा बनी यह फिल्म ओटीटी पर आने के बाद से ही दर्शकों और क्रिटिक्स दोनों से पॉजिटिव रीव्यूज पा रही है। बरनाली रे शुक्ला द्वारा निर्देशित इस फिल्म में नेहा मुख्य किरदार जून की भूमिका निभाती नजर आ रही हैं, जो आजादी की तलाश में है।

जूनियर एनटीआर ने आलिया को बताया सच्ची दोस्त

बॉलीवुड अभिनेत्री आलिया भट्ट और साउथ के सुपरस्टार जूनियर एनटीआर इन दिनों काफी चर्चा में हैं। दोनों अपनी आगामी फिल्म के रिलीज का इंतजार कर रहे हैं। आलिया भट्ट जिगरा में नजर आने वाली हैं, जबकि एनटीआर देवरा में नजर आएंगे। हाल में ही दोनों देवरा का जिगरा नामक इंटरव्यू के लिए जुटे थे। इस दौरान दोनों ने एक दूसरे के साथ काफी मजेदार और दिलचस्प बातें कीं। इस बातचीत के दौरान जूनियर एनटीआर ने खुलासा किया वो और आलिया अछे दोस्त हैं।

एनटीआर ने आलिया को बताया मुंबई में सची दोस्त

आलिया और जूनियर एनटीआर

इससे पहले साल 2022 में रिलीज हुई फिल्म आरआरआर में साथ काम कर चुके हैं। इस इंटरव्यू के दौरान एनटीआर ने खुलासा करते हुए बताया कि आलिया शुरू से ही मुंबई में उनकी एक सची दोस्त रही हैं। इस इंटरव्यू के दौरान दोनों के साथ दिग्गज हिंदी फिल्म निर्माता-निर्देशक करण जौहर भी मौजूद थे। इस बातचीत के दौरान एनटीआर ने कहा, मैं बॉम्बे में आलिया के अलावा किसी और दोस्त की कल्पना नहीं कर सकता। निश्चित रूप से उनके बाद ही रणबीर से भी दोस्ती हुई। उन्होंने आगे कहा, रणबीर और मैं नहीं दोस्त नहीं थे, पहले मेरी और आलिया की दोस्ती हुई और फिर बाद में रणबीर के साथ मेरी दोस्ती हुई।

एनटीआर और आलिया भट्ट का दिखा मस्तीभरा अंदाज

इस बातचीत के दौरान दोनों ने एक दूसरे के साथ काफी मस्ती की। दोनों के बीच इस बात पर काफी विचार हुआ कि उनकी फिल्मों में से सबसे पहले किसकी फिल्म का नाम रखा गया था। हालांकि, बाद में ये निष्कर्ष निकाला गया कि देवरा ही वो फिल्म थी, जिसका नाम पहले रखा गया। दोनों इस दौरान काफी चकित थे कि कैसे दोनों की फिल्मों का उचारण एक जैसा ही लगता है। बताते चलें कि देवरा एक एक्शन थ्रिलर फिल्म है, जबकि आलिया भट्ट की फिल्म जिगरा भाई बहन के रिश्ते पर आधारित एक भावनात्मक फिल्म है।

तृप्ति डिमरी के डांस नंबर मेरे महबूब की हो रही चर्चा

अभिनेत्री तृप्ति डिमरी, जो अपनी आगामी फिल्म विकी विद्या का वो वाला वीडियो में नजर आने वाली हैं, उन्होंने हाल ही में एक दिलचस्प खुलासा किया है। तृप्ति डिमरी ने बताया कि उन्होंने अपने डांस नंबर मेरे महबूब के लिए रवीना टंडन और कैटरीना कैफ के लोकप्रिय गाने टिप टिप बरसा पानी के संस्करणों से प्रेरणा ली है। गाने में देखा जा सकता है कि तृप्ति नीले रंग की इंडो-वेस्टर्न पोशाक पहनकर बेहद खूबसूरती के साथ नृत्य कर रही हैं। गाने में एक बारिश सीन है, जहां वह राजकुमार राव के साथ झूमती दिख रही हैं।

करण जौहर का बयान

इंडस्ट्री ने नहीं किया शाहरुख की क्षमताओं का पूरा इस्तेमाल

आमिर को बताया गेम चेंजर

बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता शाहरुख खान अक्सर चर्चाओं में बने रहते हैं। वह बीते कई वर्षों से लगातार दर्शकों का मनोरंजन कर रहे हैं। हाल में ही दिग्गज निर्माता-निर्देशक करण जौहर ने उनके बारे में बात की है।

उन्होंने कहा कि शाहरुख को मुख्य धारा के सितारे के रूप में अपनी क्षमताओं का पूरी तरह से इस्तेमाल करने की अनुमति नहीं दी गई। निर्देशक ने कहा, वह एक ऐसा अनोखा सितारा बनना चाहते थे, जो सिनेमा को बदल दे। हालांकि, अब कोई भी इसकी अनुमति नहीं देगा। निर्देशक ने आगे कहा कि जब शाहरुख खान का नाम लिया जाता है, तो उनके नाम के साथ एक उम्मीद जुड़ी होती है।

करण जौहर हाल में ही हॉलीवुड रिपोर्टर इंडिया के साथ एक इंटरव्यू के दौरान शाहरुख खान और आमिर खान को लेकर बात की है। उन्होंने कहा कि सुपरस्टार की छवि बनाए रखने का दबाव, अक्सर शाहरुख जैसे अभिनेता को लीक से हटकर कुछ अलग भूमिकाएं करने से रोकता है।

उन्होंने कहा कि शाहरुख ने पहेली और अशोका जैसी फिल्मों के साथ आदर्श से हटकर कदम उठाने का प्रयास किया। उन्होंने यह भी कहा कि शाहरुख में हमेशा से प्रयोग करने और बदलाव लाने की इछा रही है, जो उनके करियर की शुरुआत से ही स्पष्ट रही है।

दुल्हनियां ले जाएंगे की सफलता ने उन्हें इस रास्ते पर डाल दिया। इस फिल्म के बाद उनकी कई प्रेम कहानियों वाली फिल्में आईं, लेकिन वह हमेशा से कुछ अलग तरह की भूमिकाएं करना चाहते थे। निर्देशक ने कहा कि शाहरुख का केतन मेहता, कुंदन शाह और मणि कौल जैसे निर्देशकों के साथ काम करना इस बात का सबूत है।

क्या वाकई आम्रपाली दुबे ने मुस्लिम रीति-रिवाज से रचा ली है शादी

भोजपुरी अदाकारा आम्रपाली दुबे की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं। इन तस्वीरों में वे दुल्हन के लिबास में नजर आ रही हैं। अभिनेत्री का गेटअप ऐसा है कि वे मुस्लिम दुल्हन वाले मेकअप में नजर आ रही हैं। इसके अलावा आज मंगलवार को भी आम्रपाली ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से कुछ तस्वीरें साझा की हैं, जिनमें वे बुर्का पहने दिख रही हैं। इसके बाद यूजर्स पूछ रहे हैं कि क्या आम्रपाली ने निकाह कर लिया है आइए जानते हैं सच

आम्रपाली दुबे की जो तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं, वह दरअसल, अभिनेत्री की आगामी फिल्म की हैं। आम्रपाली दुबे की अगली फिल्म का नाम है रोजा। इन दिनों वे इसी फिल्म की तैयारियों में जुटी हैं। शूटिंग के साथ-साथ वह इसका प्रमोशन भी कर रही हैं। आम्रपाली ने आज तस्वीरें शेयर कर लिखा है, मूवी- रोजा।

आम्रपाली का यह लुक उनकी आगामी फिल्म के लिए है, लेकिन उनके फैंस को पसंद नहीं आ रहा है। एक यूजर ने लिखा, सच बताऊं तो आपको इस रूप में देखकर बहुत गुस्सा आ रहा है।

एक यूजर ने लिखा, क्या नूर है। एक अन्य यूजर ने लिखा, आप तो ऐसे भी बहुत अछी लगती हो, फिर इसकी क्या जरूरत।

सार समाचार

कोहली और पंत रणजी खेल सकते हैं

- 2019 के बाद पहली बार दिल्ली के संभावित खिलाड़ियों की सूची में नाम

नईदिल्ली, एजेंसी। दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली और विकेटकीपर ऋषभ पंत रणजी ट्रॉफी 2024-24 के कुछ मैच खेल सकते हैं। 2019 के बाद पहली बार इन दोनों खिलाड़ियों को दिल्ली के संभावितों की सूची में शामिल किया गया है। जबकि तेज गेंदबाज ईशांत शर्मा को जगह नहीं दी गई है। बुधवार को दिल्ली एंड डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट एसोसिएशन ने 84 खिलाड़ियों की सूची जारी की।

विराट कोहली ने आखिरी रणजी मुकाबला 2012-13 के सीजन में खेला था। जबकि ऋषभ पंत ने 2015 में आखिरी रणजी मैच खेला था। रणजी ट्रॉफी का मौजूदा सीजन 11 अक्टूबर से शुरू हो रहा है। दिल्ली का पहला मुकाबला छत्तीसगढ़ के खिलाफ खेला जाएगा, हालांकि इस मुकाबले का वेन्यू तय नहीं है।

कुछ ही मैच खेल सकेंगे कोहली और पंत कोहली और पंत मौजूदा रणजी के कुछ ही मैच खेल सकेंगे, क्योंकि टीम टीम को अक्टूबर में बांग्लादेश के खिलाफ 3 टी-20 मैच खेलने हैं। फिर 16 अक्टूबर से न्यूजीलैंड के खिलाफ 3 टेस्ट की सीरीज भी होनी है। इसी बीच, 11 अक्टूबर से दिल्ली का रणजी मैच भी होगा।

ऐसे में विराट कोहली इस मुकाबले का हिस्सा हो सकते हैं, क्योंकि वे टी-20 फॉर्मेट से संन्यास ले चुके हैं, जबकि ऋषभ पंत को टी-20 सीरीज से आराम दिया जा सकता है। ईशांत शर्मा का नाम नहीं; सैनी, बडोनी, रावत और धुल शामिल संभावितों की सूची में तेज गेंदबाज ईशांत शर्मा को शामिल नहीं किया गया है। इस सूची में कोहली और पंत के अलावा, नवदीप सैनी, आयुष बडोनी, अनुज रावत और यश धुल जैसे बढ़े खिलाड़ियों को मौका दिया गया था।

एम्बाप्पे ने फिर दागा गोल, रियाल मैड्रिड को दिलाई एक और जीत

मैड्रिड, एजेंसी। किलियन एम्बाप्पे ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए पिछले पांच मैच में अपना छठा गोल दागा जिससे रियाल मैड्रिड ने स्पेनिश फुटबॉल लीग ला लिगा में अलावेस को 3-2 से हराया। एम्बाप्पे को खेल के 40वें मिनट में बॉक्स के अंदर गेंद मिली और उन्होंने एक डिफेंडर को छकाकर बड़ी खूबसूरती से उसे गोल में बदल दिया। एम्बाप्पे को मांसपेशियों में खिंचाव के कारण 80वें मिनट में मैदान छोड़ना पड़ा था। लुकास वाजक्वेज और रोड्रिगो ने भी मैड्रिड की तरफ से गोल किए। इससे मैड्रिड ने स्पेनिश लीग में अपने अजेय अभियान को 39 मैच तक पहुंचा दिया है। इसमें पिछले सत्र की 29 जीत और 10 ड्रॉ भी शामिल हैं।

अलावेस ने 85वें मिनट में कार्लोस बेनाविदेज़ और 86वें मिनट में किके गार्सिया के गोल की मदद से वापसी की अच्छी कोशिश की लेकिन अंतिम क्षणों में कुछ अच्छे मौके मिलने के बावजूद वह बराबरी नहीं कर पाया।

348 दिन बाद हारा ऑस्ट्रेलिया, वनडे सीरीज हुई रोमांचक

इंग्लैंड के कप्तान हैरी ब्रुक ने शतक जमाकर रचा इतिहास

ऑस्ट्रेलिया की जीत का सिलसिला खत्म

इस हार के साथ ही ऑस्ट्रेलिया की 14 मैच की जीत का सिलसिला खत्म हो गया। उनकी आखिरी वनडे हार पिछले साल विश्व कप में लखनऊ में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हुई थी। चेस्टर-ले-स्ट्रीट के रिवरसाइड ग्राउंड पर खेले गए इंग्लैंड बनाम ऑस्ट्रेलिया तीसरे वनडे मैच में कप्तान हैरी ब्रूक ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी। ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत खराब रही।

नईदिल्ली, एजेंसी। इंग्लैंड ने मंगलवार 24 सितंबर 2024 की देर रात (भारतीय समयानुसार 25 सितंबर 2024 को 00:53 बजे) पांच मैच की सीरीज के तीसरे वनडे में ऑस्ट्रेलिया को 46 रन (डीएलएस पद्धति) से हरा दिया। इंग्लैंड की जीत में हैरी ब्रूक और विल जैक्स की तेज और जिम्मेदारी भरी पारियों ने अहम भूमिका निभाई। हैरी ब्रुक 13 चौके और 2 छक्के की मदद से 94 गेंद में 110 रन बनाकर नाबाद रहे। विल जैक्स ने 9 चौके और एक छक्के की मदद से 82 गेंद में 84 रन की पारी खेली।

सितंबर 2020 में आखिरी बार जीता था: इंग्लैंड ने इसके साथ ही 4 साल का सूखा खत्म किया। इंग्लैंड की यह ऑस्ट्रेलिया पर लगातार सात हार के बाद पहली वनडे जीत है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ इंग्लैंड की पिछले वनडे जीत 13 सितंबर 2020 को मैनचेस्टर में आई थी। तब इंग्लैंड ने 24 रन से ऑस्ट्रेलिया को हराया था। उस मैच में इंग्लैंड की कमान इयोन मॉर्गन और ऑस्ट्रेलिया की एरोन फिंच के हाथों में थी।

कैरी, मैक्सवेल, हार्डी की पारियों पर फिर पानी: ऑस्ट्रेलिया ने 34.3 ओवर में 5 विकेट पर 172 रन ही बनाये थे। हालांकि, निचले-मध्य क्रम में बल्लेबाजी के लिए आए एलेक्स कैरी (65 गेंद, 77 रन, 7 चौके, एक छक्का), ग्लेन मैक्सवेल (25 गेंद, 30 रन, 5 चौके), एरोन हार्डी (26 गेंद, 44 रन, 3 चौके, 2 छक्का) ने तेजी से रन बनाये।

इसी का नतीजा था ऑस्ट्रेलिया का स्कोर 50 ओवर में 7 विकेट पर 304 रन तक पहुंच पाया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी इंग्लैंड ने 37.4 ओवर में 4 विकेट के नुकसान पर 254 रन बना लिये थे। उसके बाद बारिश आ गई। बारिश बहुत ज्यादा नहीं थी, लेकिन लगातार होने के कारण खिलाड़ियों को मैदान छोड़ना पड़ा। अंपायर्स को भी काफी परेशानी हुई। ऑस्ट्रेलिया सीरीज में अभी 2-1 से आगे

लगातार बूंदाबांदी जब थोड़ी तेज हुई तो अंपायर्स ने खेल रोक दिया। करीब 45 मिनट तक जब बारिश नहीं रुकी तो डीएलएस पद्धति के आधार पर इंग्लैंड को विजेता घोषित कर दिया गया। हालांकि, श्रृंखला अब भी जीवंत है, क्योंकि ऑस्ट्रेलिया 2-1 से आगे है और दो मैच होने बाकी हैं। मेजबान टीम के लिए यह बहुत जरूरी जीत थी। इससे सीरीज के बाकी मैच के लिए उनका आत्मविश्वास बढ़ेगा। कुल मिलाकर, टॉस भी एक अहम कारक साबित हुआ। लगातार बारिश के कारण सोमवार को मैदान को कवर किया गया था। इसका मतलब था कि पिच पर इंग्लिश गेंदबाजों के लिए पर्याप्त मसाला था और वे स्कोरिंग दर पर अंकुश लगा सकते थे। अतिरिक्त उछाल, सीम से और हवा में मूवमेंट वे प्रमुख योगदानकर्ता रहे, जिसने ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों को डिफेंसिव दृष्टिकोण अपनाने के लिए मजबूर किया।

मिचेल स्टार्क ने अपने दूसरे ओवर में इंग्लैंड के दोनों सलामी बल्लेबाजों को आउट कर दिया था, लेकिन ऑस्ट्रेलिया की उम्मीदें यहीं खत्म हो गईं। विल जैक्स और हैरी ब्रूक के बीच 156 रन की साझेदारी ने घरेलू टीम के लिए लगभग जीत पक्की कर दी।

हालांकि, जैक्स शतक से चूक गए, लेकिन ब्रुक ने अपना पहला वनडे शतक बनाया। वह अंत तक टिके रहने के लिए दृढ़ संकल्पित दिखे।

चौथी कक्षा के बाद नहीं ली क्लास फिर भी स्कूल ने दी 90 लाख की गाड़ी

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत में कई सालों तक शतरंज का केवल का एक ही चेहरा था, नाम था विश्वनाथन आनंद। कई सालों तक आनंद ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मेडल्स जीतकर देश का गौरव बढ़ाया। कई सालों तक आनंद के अलावा कोई और यह कामयाबी हासिल नहीं कर सका।

हालांकि 2024 में यह स्थिति अलग है। भारत में एक नहीं कई ऐसे नाम हैं जिन्हें आनंद का उत्तराधिकारी माना जा रहा है। इसमें प्रमुख नाम है डी गुकेश। 18 साल का यह खिलाड़ी कई ऐसे कारनामे कर चुका है जो भारत के लिए अब तक केवल आनंद ने ही किए हैं।

17 साल की उम्र में कैंडिडेट्स चैंपियन बने गुकेश

डी गुकेश ने इस साल 17 साल की उम्र में कैंडिडेट्स टूर्नामेंट जीता। इस टूर्नामेंट को जीतने वाले वह सबसे युवा खिलाड़ी थे। वहीं आनंद के बाद यह कारनामा करने वाले दूसरे भारतीय खिलाड़ी बने थे। इतनी कम उम्र में गुकेश की यह सफलता आपको हैरान कर सकती है लेकिन इस सफलता के लिए बहुत कुछ त्याग किया है। गुकेश ने भले ही लगातार स्कूल जाना छोड़ दिया हो लेकिन उनका स्कूल उनकी हर कामयाबी का जश्न मनाता है।

गुकेश जब कैंडिडेट्स जीतकर देश लौटे तो वेलामल विघालय अयनामबक्कम ने एक बड़ा कार्यक्रम रखा। इस कार्यक्रम में गुकेश को गिफ्ट के तौर पर 90 लाख रुपए की मर्सिडीज बेंज दी थी। सिर्फ गुकेश नहीं बल्कि वर्ल्ड कप के रनरअप आर प्रज्ञानंद भी इसी स्कूल के छात्र रहे हैं। वहीं विश्वनाथन आनंद भी इसी स्कूल के छात्र हैं।

गुकेश लगातार नहीं गए स्कूल

गुकेश ने चेस बेस इंडिया को दिए एक इंटरव्यू में बताया था कि उन्होंने आम बच्चों की तरह बचपन नहीं जिया। वह चौथी के बाद लगातार स्कूल नहीं गए। हालांकि उन्हें इस बात का अफसोस नहीं है। गुकेश का यह भी कहना है कि वह पढ़ाई में बहुत अच्छे थे और जब तक लगातार स्कूल गए वह टॉपर थे। इसके बाद उन्होंने एक ही चीज पर फोकस करने का फैसला किया और शतरंज को चुना।

7 छक्के, 86 चौके और 498 रन...

द्रोण देसाई ने बल्ले से मचाई तबाही

नईदिल्ली,एजेंसी। 18 साल के द्रोण देसाई ने दीवान बल्लूभाई कप अंडर-19 मल्टीडे टूर्नामेंट के दौरान 498 रन बनाकर रिकॉर्ड बुक में अपना नाम दर्ज करवाया. उन्होंने अपनी पारी से मैदान में गदर काट दिया. मंगलवार को गांधीनगर के शिवाय क्रिकेट मैदान पर द्रोण ने जेएल इंग्लिश स्कूल के खिलाफ अपने स्कूल सेंट जेवियर्स (लोयोला) के लिए यह प्रचंड पारी खेली.

द्रोण देसाई ने अपनी मैराथन पारी के दौरान 320 गेंदों का सामना किया, इसमें सात छक्के और 86 चौके शामिल थे. रिपोर्ट के मुताबिक- यह वार्षिक टूर्नामेंट सेंट्रल बोर्ड ऑफ क्रिकेट अहमदाबाद द्वारा आयोजित किया जाता है जो गुजरात क्रिकेट एसोसिएशन के अंतर्गत आता है.

देसाई ने मैच के बाद कहा कि वह इस बात से निराश हैं कि वह 500 रन के आंकड़े से चूक गए क्योंकि उन्हें नहीं पता था कि वह इस रिकॉर्ड के इतने करीब हैं. देसाई ने कहा- मैदान में कोई स्कोरबोर्ड नहीं था और मेरी टीम ने मुझे नहीं बताया कि मैं 498 रन पर बल्लेबाजी कर रहा हूं, मैंने स्ट्रोक खेला और आउट हो गया लेकिन मुझे खुशी है कि मैं उन रनों को बनाने में कामयाब रहा.

द्रोण ने कहा- मैंने सात साल की उम्र में क्रिकेट खेलना शुरू किया और मेरे पिता ने मुझे बहुत पुश किया क्योंकि उन्हें लगा कि मेरे अंदर एक अच्छा क्रिकेटर बनने की क्षमता है. वह मुझे जेपी सर (जयप्रकाश पटेल) के पास ले गए जिन्होंने 40 से ज्यादा क्रिकेटरों को कोचिंग दी थी.

द्रोण देसाई की पारी के बदौलत उनकी टीम ने जेएल इंग्लिश स्कूल पर एक पारी और 712 रन से जीत दर्ज की. अपनी टीम के लिए तीसरे नंबर के बल्लेबाज देसाई गुजरात अंडर 14 टीम के लिए खेल चुके हैं और अब उन्हें राज्य की अंडर 19 टीम में जगह मिलने की उम्मीद है.

प्रणव धनावड़े ने बनाए थे कभी 1009 नॉट आउट

देसाई इतना बड़ा स्कोर बनाने वाले देश के छठे बल्लेबाज बन गए हैं. इससे पहले मुंबई के प्रणव धनावड़े (नाबाद 1009), पृथ्वी शॉ (546), डॉ. हवेवाला (515), चमनलाल (नाबाद 506) और अरमान जाफर (498) एक पारी में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे हैं.

इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए पाकिस्तानी टीम का ऐलान

लाहौर, एजेंसी। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के चयनकर्ताओं ने इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए मंगलवार 24 सितंबर की देर रात 15 खिलाड़ियों की टीम की घोषणा की। तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी की टीम में वापसी हुई है। अफरीदी को खराब फॉर्म के कारण इस महीने की शुरुआत में बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे और अंतिम टेस्ट से बाहर कर दिया गया था। पाकिस्तान बनाम इंग्लैंड पहला टेस्ट मैच 7 से 11 अक्टूबर तक मुल्तान में होने वाला है।

पाकिस्तान टीम:

शान मसूद (कप्तान), सऊद शकील (उप-कप्तान), आमिर जमाल, अब्दुल्ला शफीक, अबरार अहमद, बाबर आजम, मीर हमज़ा, मोहम्मद हुरैरा, मोहम्मद रिजवान (विकेटकीपर), नसीम शाह, नोमान अली, सैम अयूब, सलमान अली आगा, सरफराज अहमद (विकेटकीपर) और शाहीन शाह अफरीदी।

सीपीएल 2024:

जॉनसन चार्ल्स ने खेली तूफानी पारी

नईदिल्ली, एजेंसी। सीपीएल 2024 की पिच पर 24 सितंबर की शाम छक्कों की बारिश देखने को मिली. 35 साल के एक बल्लेबाज ने इस मैच में इतने छक्के मारे कि सीपीएल के इस सीजन में वो सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाला बल्लेबाज बन गया. त्रिनबागो नाइट राइडर्स के खिलाफ सेंट लुसिया किंग्स की ओर से खेल रहे इस बल्लेबाज का नाम जॉनसन चार्ल्स था. 35 साल के चार्ल्स मिजाज से विस्फोटक बैटर हैं. और, इस मैच में उन्होंने खेला भी उसी अंदाज में. उन्होंने छक्कों की बारिश करने के अलावा अपने कप्तान फाफ डु प्लेसी के साथ इस मैच में सेंट लुसिया किंग्स के लिए पार्टनरशिप का रिकॉर्ड भी तोड़ा.

मुकाबले में टॉस जीतकर त्रिनबागो नाइट राइडर्स ने सेंट लुसिया किंग्स को पहले बल्लेबाजी के लिए उतारा. लेकिन, ये दांव उलटा पड़ गया क्योंकि ओपनिंग करने उतरे सेंट लुसिया किंग्स के कप्तान फाफ डु प्लेसी और जॉनसन चार्ल्स विकेट पर आकर जम गए. विकेट के दोनों छोर से रनों की बारिश होने लगी. और, जब ऐसा हुआ तो एक रिकॉर्ड पार्टनरशिप की स्क्रिप्ट लिखी गई.

डु प्लेसी और चार्ल्स के बीच रिकॉर्ड पार्टनरशिप

फाफ डु प्लेसी और जॉनसन चार्ल्स ने मिलकर ओपनिंग विकेट के लिए हुआ सेंट लुसिया किंग्स का 139 रन का पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया. डु प्लेसी और चार्ल्स ने त्रिनबागो नाइट राइडर्स के खिलाफ ओपनिंग विकेट के लिए 145 रन जोड़े. ये जोड़ी तब टूटी जब जॉनसन चार्ल्स की 40 गेंदों वाली दमदार और कमाल की पारी पर ब्रेक लगा.

जॉनसन चार्ल्स ने 40 गेंदों पर 8 छक्के और 7 चौके के साथ 89 रन बनाए. 222.50 की स्ट्राइक रेट से खेली इस पारी में जमाए 8 छक्कों के बाद जॉनसन चार्ल्स सीपीएल 2024 में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं. उनके नाम अब 25 छक्के हो गए हैं. इसी के साथ चार्ल्स ने अब तक 24 छक्के लगाने वाले क्विंटन डिकॉक को पीछे छोड़ दिया है.

फाफ डु प्लेसी ने भी अर्धशतक जड़ा और 43 गेंदों पर 59 रन बनाए. इन दोनों के अलावा टिम सिफर्ट ने 30 रन बनाए. इस तरह सेंट लुसिया किंग्स 20 ओवर में 6 विकेट खोकर 218 रन बनाने में कामयाब रही.

अब त्रिनबागो नाइट राइडर्स के सामने 219 रन का लक्ष्य था. लेकिन, टीम में पोलार्ड, रसेल, पूरन जैसे नाम वाले खिलाड़ी होने के बाद भी ये टीम टारगेट को चेज करने से 80 रन दूर रह गई.

भारतीय पुरुष हॉकी टीम अक्टूबर में जर्मनी की मेजबानी करेगी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय पुरुष हॉकी टीम अक्टूबर में दिल्ली में दो मैचों की द्विपक्षीय हॉकी श्रृंखला के लिए जर्मनी की मेजबानी करेगी। भारतीय हॉकी टीम आत्मविश्वास से लबरेज है, क्योंकि उन्होंने हाल ही में पेरिस ओलंपिक में लगातार दूसरी बार कांस्य पदक और एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब बरकरार रखा है।

कप्तान हरमनप्रीत सिंह के नेतृत्व में भारतीय टीम ने पिछले सप्ताह मोकी हॉकी ट्रेनिंग बेस पर फाइनल में मेजबान चीन को 1-0 से हराकर पांचवीं बार एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी हासिल की। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने कहा, जर्मनी के खिलाफ यह द्विपक्षीय श्रृंखला विश्व स्तरीय हॉकी का एक शानदार और यादगार प्रदर्शन होगा।

भारत और जर्मनी दोनों का इस खेल में एक समृद्ध इतिहास है, और यह श्रृंखला प्रशंसकों को दुनिया की दो सबसे मजबूत टीमों के बीच एक रोमांचक मुकाबले का लुत्फ उठाने का मौका देगी। हम इस आयोजन की मेजबानी करके गौरवान्वित हैं, जो न केवल हॉकी की भावना को बढ़ावा देगा बल्कि दोनों देशों के बीच संबंधों को भी मजबूत करेगा।

पिछली बार भारत का सामना जर्मनी से पेरिस ओलंपिक के सेमीफाइनल में हुआ था, जहां यूरोपीय दिग्गज टीम 3-2 से विजयी हुई थी। जर्मन हॉकी महासंघ के अध्यक्ष हेनिंग फास्ट्रिच ने कहा, भारत का हमेशा से हॉकी के लिए एक विशेष स्थान रहा है, और हमारी टीम भारतीय हॉकी प्रशंसकों के सामने खेलने के लिए बहुत उत्साहित है।

यह श्रृंखला जर्मनी और भारत के बीच खेल संबंधों को मजबूत करने का एक शानदार अवसर होगा, साथ ही दोनों टीमों को आगामी वैश्विक आयोजनों की तैयारी के लिए एक प्रतिस्पर्धी मंच प्रदान करेगा। हम ऐतिहासिक मेजर ध्यानचंद राष्ट्रीय स्टेडियम में खेलने की चुनौती और अनुभव के लिए तत्पर हैं।

युवराज के बिना हम

2007 टी20 विश्व कप नहीं जीत पाते:श्रीसंत

जोधपुर, एजेंसी। पूर्व क्रिकेटर श्रीसंत को लगता है कि तेजतर्रार ऑलराउंडर युवराज सिंह के बिना, भारत 2007 में पहला टी20 विश्व कप नहीं जीत पाता।

17 साल पहले 24 सितंबर को ही खचाखच भरे वांडरर्स स्टेडियम, जोहान्सबर्ग में भारतीय टीम ने उद्घाटन टी20 विश्व कप खिताब जीता था। भारत का मुकाबला पाकिस्तान के साथ था जहां धोनी के नेतृत्व में टीम इंडिया ने जीत दर्ज की थी।

एक रोमांचक रोमांचक मुकाबले में, खिलाड़ियों के सामूहिक प्रयास ने भारत को जीत दिला दी और खिताब जीतने वाली पहली टीम बन गई। इस महत्वपूर्ण जीत पर विचार करते हुए श्रीसंत ने महसूस किया कि यह एक सामूहिक टीम प्रयास था और किसी एक व्यक्ति की कड़ी मेहनत नहीं थी जिसने भारत को इतिहास बनाने की अनुमति दी।

हालांकि उन्होंने कहा कि यह सीनियर और जूनियर संयोजन था। धोनी कप्तान थे, लेकिन युवराज के बिना मुझे नहीं लगता कि हम विश्व कप जीत पाते।

संक्षिप्त समाचार

हरिद्वार जाने का प्लान हुआ कैंसल, गाजियाबाद आकर व्यापारी दोस्त ने मारी गोली

गाजियाबाद, एजेंसी। गाजियाबाद की नेहरू नगर कॉलोनी में गोलियों से छलनी लाश मिलने से हड़कंप मच गया। घटना के बारे में पुलिस को सूचित किया गया तो जांच में पता चला कि मरने वाला शख्स ऋषभ गुप्ता है जो कि एक व्यापारी है। पंचवटी इलाके में रहने वाले ऋषभ को उसे दोस्तों के सामने मार दिया गया। हत्या के बारे में और खुलासा हुआ तो मामला व्यापार से जुड़े लेन-देन का निकलकर सामने आया है। पुलिस उपायुक्त (शहर) राजेश कुमार ने बताया कि मृतक ऋषभ गुप्ता एक व्यापारी था और पंचवटी कॉलोनी में रहता था। उन्होंने बताया कि ऋषभ अपने तीन दोस्तों पुलकित गोयल, अनुज शर्मा और मुकुल गोयल के साथ सोमवार रात को गाजियाबाद से हरिद्वार के लिए निकला था, लेकिन वे लोग रास्ते से ही वापस आ गए और फिर ये घटना घटी। पुलिस ने मुकुल को गिरफ्तार कर लिया है। उसने पूछताछ के दौरान पुलिस को बताया कि हरिद्वार जाने के बजाय वे लोग मेरठ से वापस गाजियाबाद आ गए और जब वे नेहरू नगर पहुंचे, तो अनुज ने ऋषभ पर गोली चला दी। गोली उसके सिर में लगी जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। इसके बाद तीनों दोस्त लाश और देसी पिस्तौल सड़क किनारे छोड़कर फरार हो गए। पुलिस ने बताया कि पूछताछ में पता चला है कि चारो व्यक्ति बिजनेस पार्टनर थे। उन लोगों के बीच पैसों के लेन-देन को लेकर भी विवाद चल रहा था। हो सकता है कि इसी चक्कर में उसके ऊपर गोली चलाई गई हो। पुलिस ने मुकुल को गिरफ्तार कर लिया है बाकी के अन्य दो पुलकित और अनुज फरार हैं।

तिरुपति लड्डू विवाद से सहमी ओडिशा सरकार, पुरी के जगन्नाथ मंदिर पर बड़ा कदम

पुरी, एजेंसी। तिरुपति लड्डू में जानवर की चर्बी पाए जाने के आरोपों के बीच ओडिशा सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। मंगलवार को ओडिशा सरकार ने जगन्नाथ मंदिर में प्रसाद बनाने के लिए उपयोग किए जाने वाले घी की गुणवत्ता की जांच करने का निर्णय लिया। यह जानकारी एक अधिकारी ने दी। आंध्र प्रदेश के तिरुमाला मंदिर में लड्डू बनाने में जानवर की चर्बी वाले घी के इस्तेमाल के आरोपों के बाद यह फैसला लिया गया है। पुरी के जिला कलेक्टर सिद्धार्थ शंकर स्वैन ने कहा कि हालांकि यहां ऐसे किसी आरोप का सामना नहीं करना पड़ा है, लेकिन प्रशासन कोठा भोग (देवताओं के लिए प्रसाद) और बराड़ी भोग (ऑर्डर पर प्रसाद) की तैयारी में उपयोग किए जाने वाले घी की गुणवत्ता की जांच करेगा। उन्होंने बताया कि ओडिशा मिल्क फेडरेशन (ओमफेड) ही पुरी मंदिर के लिए घी का एकमात्र आपूर्तिकर्ता है। उन्होंने कहा, हालांकि, किसी भी प्रकार की मिलावट के डर को कम करने के लिए ओमफेड द्वारा आपूर्ति किए जाने वाले घी की मानक की जांच करने का निर्णय लिया गया है। स्वैन ने कहा कि मंदिर में प्रसाद तैयार करने वाले सेवकों के साथ भी इसकी चर्चा भी की जाएगी।

मुंबई वालों को जल्द मिलेगी नई सौगात; पहली भूमिगत मेट्रो के उद्घाटन की तैयारी

मुंबई , एजेंसी। मुंबई की पहली भूमिगत मेट्रो या एक्वा लाइन को लेकर बड़ी जानकारी सामने आई है। इसके पहले चरण में ट्रेन का परिचालन सुरक्षा मंजूरी मिलते ही आरे कॉलोनी से बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स के बीच शुरू हो जाएगा। सीनियर अधिकारी ने मंगलवार को यह अपडेट दिया। आरे कॉलोनी और बीकेसी के बीच 12.5 किमी लंबा मेट्रो मार्ग 33.5 किमी लंबी कोलाबा-सीप्ज-आरे मेट्रो लाइन-3 का हिस्सा है। इस तरह मुंबई के लोगों को यातायात में सुविधा के लिहाज से जल्द ही बड़ी सौगात मिलने वाली है। मुंबई मेट्रो रेल कॉरपोरेशन के प्रबंध निदेशक अश्विनी भिड़े ने पत्रकार वार्ता में अधिक जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मेट्रो लाइन-3 पर जल्द ट्रेन का ऑपरेशन शुरू होगा, क्योंकि अब महज मेट्रो रेलवे सुरक्षा आयुक्त की मंजूरी मिलनी बाकी है। उन्होंने कहा कि इसके लिए 2 मंजूरियों की आवश्यकता थी। इसमें से उन्हें रोलिंग स्टॉक (मेट्रो ट्रेन) के लिए पहले ही मंजूरी मिल चुकी है, जबकि रेल लाइन के लिए आवेदन स्वीकृति के लिए लंबित है। इसमें से 12.5 किलोमीटर लंबे आरे कॉलोनी से बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स मार्ग का उद्घाटन अक्टूबर के पहले सप्ताह में हो सकता है।

गाजियाबाद में चल रहा था धर्मांतरण का खेल, 12 गरीब हिंदू परिवारों को बनाया ईसाई

गाजियाबाद एजेंसी। गाजियाबाद के नंदग्राम थानाक्षेत्र के सेवानगर में प्रार्थना सभा की आड़ में धर्मांतरण का खुलासा होने पर जांच एजेंसियां भी सक्रिय हो गई हैं। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, ईसाई मिशनरियों द्वारा बीमारी के इलाज, शादी और पैसों का लालच देकर धर्म परिवर्तन कराया जा रहा था। विदेशी फंडिंग की आशंका के चलते इन्ग्राहम शिक्षण संस्थान के पीटीआई और उसके साथियों के बैंक खातों की डिटेल खंगाली जा रही है।

पुलिस सूत्रों के मुताबिक, इन्ग्राहम शिक्षण संस्थान का पीटीआई जेराल्ड मैथ्यूज मैसी और उसके साथी गरीब और जरूरतमंद लोगों को बीमारी के इलाज, शादी-रोजगार का झांसा देकर जाल में फंसाते थे। इसके बाद उन्हें ईसाई धर्म के रीति-रिवाज के मुताबिक प्रार्थना सभा में आने के लिए प्रेरित करते थे। वहां कुछ लोगों को उनकी जरूरत के मुताबिक

सुविधाएं मुहैया कराकर अन्य लोगों को धर्म अपनाने के लिए कहते थे।

बजरंग दल धर्म जागरण प्रकोष्ठ के महानगर संयोजक नवीन सिंह का कहना है कि धर्मांतरण कराने वाला गिरोह गाजियाबाद के साथ आसपास के जिलों में भी सक्रिय है। गिरोह अब तक हजारों लोगों को धर्म परिवर्तन करा चुका है। वहीं, पुलिस का कहना है कि मकान में ईसाई धर्म की पुस्तकें और प्रचार-प्रसार की सामग्री मिली है। अंदेशा है कि बड़े पैमाने पर धर्मांतरण कराया गया है। बजरंग दल धर्म जागरण प्रकोष्ठ के महानगर संयोजक नवीन सिंह के मुताबिक, गिरोह ने नंदग्राम थानाक्षेत्र के 11 परिवारों का धर्म परिवर्तन कराया। इसके अलावा संजय नगर सेक्टर-23 स्थित एक परिवार के धर्मांतरण करने का भी पता चला है। गाजियाबाद के कई अन्य इलाकों में भी इस गिरोह के सक्रिय होने की बात सामने आई है। इस संबंध में संगठन अपने स्तर से खोजबीन कर रहा है। इन्ग्राहम शिक्षण संस्थान के पीटीआई जेराल्ड मैथ्यूज मैसी और उसके साथियों के पकड़े जाने का पता लगते ही कुछ लोग विरोध जताने नंदग्राम थाने पहुंच गए। उन्होंने धर्मांतरण के आरोप को गलत बताते हुए हंगामा किया। बताया जा रहा कि जेराल्ड मैथ्यूज मैसी के समर्थन में पहुंचे लोग गाजियाबाद के अलावा आसपास के जिलों से आए थे। वहीं, बजरंग दल के नवीन सिंह का कहना है कि यह सभी लोग वह हैं, जिनका धर्मांतरण कराया जा चुका है।

नोएडा के पास होगी राफेल और मिराज की मरम्मत, डसॉल्ट बनाएगी एमआरओ हब

नोएडा , एजेंसी। भारतीय वायुसेना के लड़ाकू विमान राफेल और मिराज-2000 की मरम्मत और रखरखाव का कार्य नोएडा के निकट किया जाएगा। फ्रांसीसी विमान निर्माता कंपनी डसॉल्ट इन लड़ाकू विमानों के लिए नोएडा के निकट एमआरओ यानी रखरखाव, मरम्मत और ओवरहॉल सुविधा केंद्र स्थापित करेगी। इस केंद्र को छह महीने के अंदर धरातल पर उतारने का दावा किया जा रहा है। इसके अलावा जेवर में एयरपोर्ट के पास भी कॉमर्शियल विमानों के लिए एमआरओ हब प्रस्तावित है। सूत्रों ने बताया कि डसॉल्ट की नई इकाई डसॉल्ट एविएशन मेंटेनेंस, रिपेयर एंड ओवरहाल इंडिया (डीएएमआरओआई) का परिचालन छह महीने के भीतर शुरू होने की उम्मीद है। यह धीरे-धीरे अपनी गतिविधियों का विस्तार करेगी। डसॉल्ट में पहले अपनी सेवा दे चुके पोसिना वेंकट राव को नई इकाई का सीईओ नियुक्त किया गया है। बता दें कि भारतीय वायुसेना 36 राफेल और 50 मिराज-2000 विमानों के बेड़े का संचालन करती है। इसके अलावा भारत 26 राफेल समुद्री विमानों के लिए फ्रांस के साथ एक सौदे पर बातचीत कर रहा है, जिन्हें आईएनएस विक्रांत पर तैनात किया जाना है। समुद्र में निरंतर युद्ध संचालन के लिए बनाए गए दो इंजन वाले डेक-आधारित फ्रांसीसी लड़ाकू विमानों का सौदा लगभग 50 हजार करोड़ रुपये में होने का अनुमान है। विकसित किया जाना है। एयरपोर्ट का निर्माण कर रही ज्यूरिख कंपनी ने इसके लिए रिक्वेस्ट फॉर प्रपोजल (आरएफपी) निकाली है।

केंद्र की नमस्ते योजना में शामिल होंगे गुरुग्राम के कूड़ा बीनने वाले, स्वास्थ्य बीमा सहित मिलेंगे कई फायदे

गुरुग्राम, एजेंसी। कूड़ा बीनने वालों के लिए एक अच्छी खबर है। गुरुग्राम नगर निगम क्षेत्र में कूड़ा बीनने वाले पांच हजार से अधिक लोगों को अब केंद्र सरकार की 'नमस्ते योजना' में शामिल किया जाएगा। जून में हुई स्थायी वित्त समिति की बैठक में इसे हरी झंडी मिल चुकी है। इसको लेकर शहरी स्थानीय निकाय विभाग को भी इसका नोटिफिकेशन मिल गया है।योजना को लागू करने और कूड़ा बीनने वालों को इसका लाभ दिलाने के लिए प्रदेश के सभी नगर निगम को पत्र लिखा गया है। योजना में शामिल होने से कूड़ा बीनने वाले लोगों को सरकार की कई योजनाओं को फायदा तो मिलेगा ही, साथ में उन्हें कूड़ा उठाने के लिए पीपीई किट समेत स्वास्थ्य बीमा का भी लाभ मिलेगा। इसको लेकर उन्हें नगर निगम की तरफ से सही तरीके से कूड़ा बिनने का विशेष प्रशिक्षण भी दिया जाएगा।

केंद्र सरकार ने सीवर और सेप्टिक टैंक श्रमिकों के कल्याण के लिए एक केंद्रीय क्षेत्र की योजना, नेशनल एक्शन फॉर मैकेनाइज्ड सैनिटेशन ईकोसिस्टम (नमस्ते) योजना शुरू की गई है। इसमें पूर्ववर्ती मैनुअल स्कैवेंजर्स (एमएस) के पुनर्वास के लिए स्वरोजगार के घटक शामिल हैं। स्थायी वित्त समिति ने 20 जून को आयोजित अपनी बैठक में वित्त वर्ष 2024-25 से 'नमस्ते योजना' में तीसरे घटक के रूप में कचरा बीनने वालों को शामिल करने को मंजूरी दे दी थी।

योजना में कचरा बीनने वाले घटक का मुख्य उद्देश्य ठोस अपशिष्ट प्रबंधन में कचरा बीनने वालों को एकीकृत करना है। अपशिष्ट संग्रहण, पुनर्प्राप्ति और पुनर्चक्रण में उनके योगदान को मान्यता देना और उसे मजबूत करना है, उन्हें मान्यता प्रदान करना, सुरक्षित और टिकाऊ कार्य वातावरण प्रदान करना, सामाजिक सुरक्षा, एबी-पीएमजेएवाई के अंतर्गत स्वास्थ्य बीमा का प्रावधान करना और विभिन्न योजनाबद्ध और गैर-योजनाबद्ध हस्तक्षेपों के माध्यम से उन्हें सशक्त बनाकर सुरक्षित करना योजना का मकसद है। डिजिटल ऐप्लिकेशन के जरिये इन कर्मचारियों की पंजीकृत करना। पीपीई किट, सुरक्षा उपकरण, और स्वास्थ्य बीमा कवरेज दिया जाएगा। व्यावसायिक सुरक्षा प्रशिक्षण दिया जाएगा। इस दौरान उन्हें स्वच्छता से जुड़े वाहनों और मशीनों के लिए सब्सिडी मिलेगी। खुद का स्वच्छता उद्यम शुरू करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। सुरक्षा और सम्मान के लिए जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। मानव मल के साथ सीधे संपर्क से बचाया जाएगा। कामकाज के दौरान सुरक्षा प्रशिक्षण दिया जाएगा। शहरों में कचरे के पहाड़ बढ़ने की वजह से दिक्कत वर्ष 2000 में देश के पहले नगरपालिका ठोस अपशिष्ट नियमों का उद्देश्य सुरक्षित लैंडफिल में कचरे को इकट्ठा करना, परिवहन और निपटान करना था।

भूपेश बघेल ने सीजेआई चंद्रचूड़ को लिखा पत्र

रायपुर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता भूपेश बघेल ने सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ को पत्र लिखा है। उन्होंने सीजेआई से राज्य में केंद्रीय और राज्य जांच एजेंसियों के कामकाज की उच्च स्तरीय न्यायिक जांच का आदेश दिए जाने की मांग की है। भूपेश बघेल ने प्रधान न्यायाधीश को लिखे पत्र में यह भी शिकायत की है कि सूबे में विभिन्न अपराधों से जोड़ने के लिए उनके खिलाफ साजिश रची जा रही है। भूपेश बघेल ने 21 सितंबर को लिखे पत्र में कहा है कि उन्होंने छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री के रूप में अपने कर्तव्यों का पूरी ईमानदारी, निष्ठा और गरिमा के साथ पालन किया। छत्तीसगढ़ में कोयला परिवहन में कथित अवैध वसूली के एक प्रकरण की जांच ईडी बीते चार वर्षों से कर रही है। भाजपा के सत्ता में आने के बाद राज्य की एसीबी/ईओडब्ल्यू की ओर से भी एक केस दर्ज किया गया है। ईडी की ओर से गिरफ्तार किए गए आरोपियों को एसीबी/ईओडब्ल्यू ने भी नए केस में जेल में बंद कर रखा है। इनमें से एक सूर्यकांत तिवारी नाम का व्यापारी भी है।

गुरुग्राम में अब नो पार्किंग से वाहन उठने का मैसेज मोबाइल पर आएगा

गुरुग्राम , एजेंसी। अब नो पार्किंग पर खड़े वाहन को उठाने का मैसेज संबंधित वाहन मालिक के मोबाइल पर आएगा। गुरुग्राम महानगर विकास प्राधिकरण (जीएमडीए) ने सीआईडी विभाग के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक को पत्र लिखकर इसका आग्रह किया है। इसमें जीएमडीए ऐप को केंद्र सरकार के वाहन ऐप से लिंक करवाने में मदद करने को कहा है। अब तक यह दोनों ऐप लिंक नहीं होने से नो पार्किंग से वाहन को उठाने के दौरान वाहन मालिक को परेशान होना पड़ता है। उसे पता नहीं चलता है कि अवैध पार्किंग के चलते उसका वाहन उठाया गया है या वाहन चोरी हो गया है। वाहन मालिक को इधर-उधर भटकना पड़ता है।

गुरुग्राम की सड़कों पर भारत के हर प्रदेश में पंजीकृत वाहन दौड़ते हैं। सड़कों पर अवैध रूप से खड़े वाहनों को ट्रैफिक पुलिस की तरफ से जीएमडीए की उपलब्ध क्रेन की मदद से उठवाया जाता है। वाहनों को छोड़ने के एवज में ट्रैफिक पुलिस चालान करती है। क्रेन से वाहन को उठाने की एवज में 1000 रुपये अलग से शुल्क वसूल किया जाता है। इसमें आधी राशि जीएमडीए के खाते में तो आधी क्रेन मालिक के खाते में जाती है। मौजूदा समय में क्रेन के माध्यम से अवैध पार्किंग में खड़ी कार को उठा लिया जाता है। वाहन मालिक के पास किसी तरह का मैसेज नहीं जाता है। वाहन नहीं मिलने के दौरान उसे भटकना पड़ता है। कई बार तो पुलिस कंट्रोल रूम में वाहन चोरी को लेकर शिकायत दी जाती है। जहां से उन्हें क्रेन की तरफ से वाहन उठाकर ले जाई गई, जगह पर भेज दिया जाता है। वाहन को देखकर वाहन मालिक की तरफ से राहत की सांस ली जाती है। जीएमडीए से मिली जानकारी के मुताबिक, गुरुग्राम की सड़कों से करीब 1.40 लाख वाहनों को क्रेन की मदद से ट्रैफिक पुलिस की तरफ से उठवाया जा चुका है। इन वाहनों का डेटा जीएमडीए की ऐप में फीड हो चुका है। यदि इन वाहनों को क्रेन द्वारा दोबारा उठाया जाता है तो इनके पास नो पार्किंग से वाहन उठने का मैसेज पहुंच जाएगा। इन लोगों को परेशान नहीं होना पड़ेगा। इससे नियमों का भी पालन होगा। उद्योग विहार इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के महासचिव एपी जैन ने बताया कि उद्योग विहार में ट्रैफिक पुलिस और जीएमडीए ने कारोबारियों को परेशान किया हुआ है। पार्किंग का बंदोबस्त किए बिना उद्योगों के बाहर खड़े वाहन उठाए जा रहे हैं। इस सिलसिले में मुख्यमंत्री को पत्र लिखा है, लेकिन कोई निष्कर्ष नहीं निकल सका है। उद्योग विहार में 10 एकड़ जमीन में पार्किंग बननी थी, जिस जमीन को बिल्डर को एचएसआईआईडीसी ने बेच दिया है।

पत्नी ने नहीं मानी बात, गुरुग्राम में हैवान पति ने कैंची-बर्फ के टुकड़ों से किए वार; मायके के बाहर फेंककर भागा

गुरुग्राम , एजेंसी। गुरुग्राम के सेक्टर-111 स्थित अपार्टमेंट में 44 साल की महिला पर उसके पति ने कैंची और बर्फ के टुकड़ों से कई बार हमला किया। जिसकी वजह से वह गंभीर रूप से घायल हो गई। पुलिस ने गुरुवार को घटना की जानकारी देते हुए बताया कि महिला की हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस के अनुसार, मीनाक्षी सरोहा नाम की पीड़िता पर हमला करने के बाद, उसके पति ने उसे कार में बिठाया और 36 किलोमीटर दूर बहादुरगढ़ के सेक्टर 37 में एचएल सिटी स्थित उसके मायके ले गया। फिर उसे वहां फेंककर उसके परिवार को बाहर बुला लिया।

पुलिस ने बताया कि महिला के शरीर पर घाव और खून बहता दिखने सहित कई गंभीर चोटों को देखकर उसके भाई अमित जून और उसकी पत्नी विक्की देवी ने आरोपी पति को कार से बाहर निकाला। उन्होंने मीनाक्षी को कार में बिठाया और इलाज के लिए तुरंत झज्जर में रोहतक रोड स्थित एक निजी अस्पताल ले गए। स्टेशन हाउस ऑफिसर (बजघेरा) इंस्पेक्टर अशोक कुमार ने बताया कि महिला की हालत गंभीर बनी हुई है और उसका एक अस्पताल में इलाज चल रहा है।

कुमार ने कहा, फिलहाल पति फरार है और पुलिस की एक टीम ने सोमवार शाम सेक्टर-111 स्थित उनके किराए के अपार्टमेंट पर छापा मारा, लेकिन वह वहां नहीं मिला। पुलिस ने बताया कि सोमवार सुबह करीब 8 बजे संदिग्ध ने मीनाक्षी के भाई अमित जून को फोन किया और कनाडा में शिफ्ट होने की योजना पर चर्चा करने के लिए उनके अपार्टमेंट में आने को कहा। हालांकि, जून दूसरे कमिटमेंट्स की वजह से मिलने नहीं आ सका।

मुख्यमंत्री के सुपुत्र बनेंगे डिप्टी सीएम? तमिलनाडु में बड़े फेरबदल के आसार

चेन्नई, एजेंसी। तमिलनाडु की द्रविड़ मुन्नेत्र कड़गम सरकार में बड़े फेरबदल के आसार हैं। हालांकि, इसे लेकर लंबे समय से अटकलों का दौर जारी है और अब मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने भी इसके संकेत दे दिए हैं। फिलहाल, उन्होंने यह साफ नहीं किया है कि किन विभागों में बदलाव होंगे, लेकिन संभावनाएं जताई जा रही हैं कि उनके बेटे और राज्य सरकार में मंत्री उदयनिधि स्टालिन को बड़ी जिम्मेदारी दी जा सकती है।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री स्टालिन ने मंगलवार को संकेत दिया कि खेल मंत्री एवं उनके बेटे उदयनिधि स्टालिन को उपमुख्यमंत्री बनाया जाएगा और मंत्रिमंडल में फेरबदल किया जाएगा। जब पत्रकारों ने स्टालिन से मंत्रिमंडल में फेरबदल और कुछ समय से उदयनिधि को उपमुख्यमंत्री बनाए जाने की चर्चाओं के बारे में पूछा तो उन्होंने कहा, 'कोई निराशा नहीं होगी, बदलाव होगा।' एक अन्य सवाल पर मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार उत्तरपूर्व मॉनसून से निपटने के लिए तैयार है और राज्य के मुख्य सचिव ने पहले ही शीर्ष अधिकारियों के साथ चर्चा की है और वह भी अधिकारियों के साथ चर्चा करेंगे।

विपक्ष की उनकी अमेरिकी यात्रा के दौरान हासिल

किए निवेश पर श्वेत पत्र लाने की मांग पर स्टालिन ने कहा कि उद्योग मंत्री टीआरबी राजा ने पहले ही एक बयान दिया है और 'वह भी अपने आप में एक श्वेत पत्र है।' स्टालिन की अमेरिकी यात्रा के दौरान राज्य सरकार ने 18 कंपनियों के साथ कुल 7,616 करोड़ रुपये के समझौतों पर हस्ताक्षर किए थे। उदयनिधि ने 18 सितंबर को कहा था कि उन्हें उपमुख्यमंत्री बनाने संबंधी फैसला मुख्यमंत्री स्टालिन लेंगे और अगले ही दिन तमिलनाडु के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग मंत्री टी.एम. अंबारासन ने कहा था कि उदयनिधि को जल्द ही उपमुख्यमंत्री बनाया जाएगा।

हम कंगना रनौत के खिलाफ दर्ज कराएंगे मानहानि का मुकदमा : विक्रमादित्य सिंह

शिमला, एजेंसी। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता विक्रमादित्य सिंह ने बीजेपी सांसद व अभिनेत्री कंगना रनौत के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दर्ज कराने की बात कही है। उन्होंने अभिनेत्री से सोनिया गांधी से माफी की मांग की है। कांग्रेस नेता ने दो टूक कहा कि अगर अभिनेत्री ने सोनिया गांधी से माफी नहीं मांगी तो हम उनके खिलाफ मानहानि का मुकदमा दर्ज कराएंगे। विक्रमादित्य सिंह ने कंगना रनौत के उस बयान पर गुस्सा जाहिर किया, जिसमें उन्होंने कहा था कि मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू अपनी अनुशंसा के दम पर केंद्र से फंड जारी कर सोनिया गांधी के खाते में डलवाते हैं।

विक्रमादित्य सिंह ने अभिनेत्री के इन आरोपों को सिरे से खारिज कर कहा कि उनके बारे में अब क्या ही कहा जाए। मुझे यह कहते हुए दुख हो रहा है कि वो ज्यादा पढ़ी लिखी भी नहीं हैं। ऐसे में अब उनके बारे में क्या ही टिप्पणी की जा सकती है। कांग्रेस

नेता ने कहा, हम सबको पता है कि केंद्र से सहयोग ड्राफ्ट और अन्य माध्यम से आता है। मैं कंगना को चैलेंज करता हूं कि वह एक रुपए का भी ऐसा लेन-देन दिखा दें। कंगना रनौत को अपने बयान से जुड़े हुए तथ्य पेश करने चाहिए। अगर वह इससे जुड़े तथ्य पेश नहीं कर सकती, तो उन्हें सोनिया गांधी से माफी मांग लेनी चाहिए। अगर एक रुपए की भी हेर-फेर का तथ्य उनके पास है, तो पेश करके दिखाएं, नहीं तो उन्होंने जो सोनिया गांधी पर बेकार के लांछन लगाए हैं। उसके खिलाफ उनके ऊपर मानहानि का दावा ठोकेंगे।

उन्होंने कहा, मंडी की सांसद कंगना रनौत वैसे तो हिमाचल आती नहीं है। आज कल सेंसर बोर्ड ने उनकी फिल्म ब्लॉक कर दी है, इसलिए शायद वे गम में इन दिनों हिमाचल आई हैं और अपने घर पर बैठकर बेतुकी बयानबाजी कर रही हैं, जिसका कोई औचित्य और सिर पैर नहीं है। उन्होंने आगे कहा, ये कहना कि केंद्र से जो सहयोग हिमाचल को आ रहा है या जो हिमाचल प्रदेश की सरकार पैसा विकास कार्य में योगदान कर रही है, वो सोनिया गांधी को दिया जा रहा है। इससे बड़ा मूर्खता भरा बयान कोई नहीं हो सकता है, जिससे उनकी शिक्षा के स्तर का भी पता चलता है।

प्रतिभा सिंह ने भी अभिनेत्री कंगना रनौत के बयान पर पलटवार किया। उन्होंने कहा, सांसद कंगना रनौत बिना तथ्य की बयानबाजी कर रही हैं। ऐसा कोई कैसे सोच सकता है कि केंद्र से आ रही सहायता और राज्य के लिए लिया जा रहा कर्ज सोनिया गांधी के खाते में जा रहा होगा। ऐसा बयान उनकी मानसिकता को दर्शाता है। इस तरह का बयान बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है।

बता दें कि अभिनेत्री कंगना रनौत ने शिमला के एक गांव में भाजपा के सदस्यता अभियान के दौरान जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू पर निशाना साधा था। उन्होंने कहा था कि सुखविंदर सिंह केंद्र सरकार से फंड लेकर सोनिया गांधी के खाते में पैसे डाल देते हैं।

फ्लैट में घुसकर सॉफ्टवेयर इंजीनियर को पीटा, तीसरी मंजिल से फेंका; घर में की तोड़फोड़

गाजियाबाद , एजेंसी। गाजियाबाद के क्रॉसिंग रिपब्लिक थानाक्षेत्र की निधिवन सोसाइटी में पड़ोसियों ने फ्लैट में घुसकर मारपीट के बाद सॉफ्टवेयर इंजीनियर को तीसरी मंजिल से फेंक दिया। घटना के बाद आरोपी फरार हो गए। चाचा ने पीड़ित को अस्पताल में भर्ती कराया। पीड़ित की रीढ़, पैर और आंख के नीचे की हड्डी टूट गई है। चाचा की शिकायत पर पुलिस ने महिला समेत पांच लोगों के खिलाफ हत्या के प्रयास का मुकदमा दर्ज किया है।

क्रॉसिंग रिपब्लिक थानाक्षेत्र के ग्रीस एन्क्लेव न्यू शांतिनगर निवासी रामानंद का कहना है कि भतीजा ऋषिराज सॉफ्टवेयर इंजीनियर है। वह मूलरूप से ग्राम कारी सोवा थाना बजीरगंज जिला गया बिहार का रहने वाला है। ऋषिराज उनके बराबर में निधिवन सोसाइटी में किराए के फ्लैट में रहता है। रामानंद का कहना है कि 20 सितंबर की रात साढ़े 11 बजे ऋषिराज उनके यहां से खाना खाकर अपने फ्लैट पर गया था। आरोप है कि उसी समय उसके पड़ोस वाले फ्लैट में रहने वाला अंकित कुमार अपने साथ कृष्णवीर, सोनू, आयुषी और एक अज्ञात व्यक्ति के साथ ऋषिराज के फ्लैट पर पहुंचा और मारपीट शुरू कर दी। हमलावरों ने हत्या करने के इरादे से तीसरी मंजिल से ऋषिराज को धक्का दे दिया और फरार हो गए। रामानंद का कहना है कि शोर-शराबा सुनकर वह मौके पर पहुंचे तो ऋषिराज गंभीर हालत में जमीन पर पड़ा मिला। इसके बाद वह उसे एमएमजी अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन गंभीर हालत में ऋषिराज को दिल्ली के इंडियन स्पाइन इंजरी सेंटर बसंतकुंज रेफर कर दिया गया।

आरएनआई रजिस्ट्रेशन : जेएचएचआईएन/2007/24306, समाचार पत्र के स्वामी,प्रकाशक,मुद्रक सुमन कुमार द्वारा शिवसाई पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड,कांटाटोड़,नियर टेंडर बगीचा,रातू,रांची(झारखंड)-835222 से मुद्रित एवं एच. आई.- 67,हरमू हाउसिंग कॉलोनी रांची (झारखंड)- 834002 से प्रकाशित,संपादक: सुमन कुमार। संपर्क नं. 9470578773,संपर्क नं. (का.) 0651-7960613,फैक्स नं. 0651- 7960613, ईमेल: purvanchalsurya@yahoo.co.in / purvanchalsurya0@gmail.com लेखकों द्वारा व्यक्त किए गए विचारों से संपादक की सहमति अनिवार्य नहीं है। न्यायालय से संबंधित सभी मामले रांची से ही निबटाये जाएंगे। (पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)